शर्मा हार्डওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 247 | गुवाहाटी | सोमवार, 3 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जिरिबाम-इंफाल नई रेल लाइन का कार्य 93 प्रतिशत पूरा — पेज 3

नौसेना के नए वाइस चीफ संजय जसजीत सिंह ने कार्यभार संभाला — पेज 4

चिकित्सा सेवा का लक्ष्य है मानव जीवन को सुगमता प्रदान करना : आनंदी बेन पटेल — पेज 5

अहिंसा और शांति के रास्ते ही हम आगे बढ़ेंगे : गहलोत — पेज 8

सीएम शर्मा को खालिस्तान समर्थक संगठन की धमकी

अमृतपाल मामले से दूर रहें, हमारी लड़ाई भारत सरकार से : पन्नू

गुवाहाटी। खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ हालिया कार्रवाई ने अलगाववादी संगठनों की नींद हराम कर दी है। पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई के बाद जहां खालिस्तान समर्थक अमृतपाल फरार है। वहीं, उसके कई साथियों असम की जेल में रखा गया है। इस कार्रवाई से नाराज खालिस्तान समर्थकों ने असम मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को धमकी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, शर्मा के लिए गुरपतवंत सिंह पन्नू के संगठन की ओर से धमकी भरा संदेश भेजा गया है। पन्नू के संगठन सिख फॉर जस्टिस के गुर्गों ने शर्मा को खालिस्तान और अमृतपाल मामले से दूर रहने की चेतावनी दी है। इसमें यह भी कहा गया है कि खालिस्तान समर्थकों की लड़ाई भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से है। इसलिए, असम के मुख्यमंत्री इस मामले में न पडकर हिंसा का शिकार होने से बचें। रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्यमंत्री शर्मा को धमकी देने के लिए राज्य के करीब बारह पत्रकारों को फोन किया गया। फोन करने वाले ने खुद को सिख फॉर जस्टिस का सदस्य बताया और कहा कि यह संदेश उन्हें पन्नू की ओर से दिया जा रहा है। धमकी में कहा गया, असम में कैद खालिस्तान समर्थकों को प्रताड़ित किया गया है। मुख्यमंत्री शर्मा इस बात को ध्यान से सुनें। खालिस्तान समर्थकों की लड़ाई भारत सरकार और मोदी से है। ऐसा न हो कि शर्मा इस हिंसा का शिकार जाएं। एसएफजे के गुर्गों ने यह भी कहा कि अगर असम सरकार पंजाब से असम ले गए अमृतपाल के समर्थकों को प्रताड़ित करने की सोच रही है तो इसकी जवाबदेही हिमंत विश्व शर्मा की होगी। एसएफजे जनमत संग्रह के जरिए पंजाब को भारत से अलग करने की मांग करता है। खालिस्तान के नाम पर दुनियाभर में कई संगठन बने हैं। सिख फॉर जस्टिस उनमें से एक है। इस संगठन की शुरुआत 2007 में अमेरिका से हुई थी। इसका सारा संचालन गुरपतवंत सिंह पन्नू ही देखता है। इसका उद्देश्य पंजाब को देश से अलग कर खालिस्तान बनाना है। इस संगठन पर आरोप लगते रहे हैं कि इसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई फंडिंग करता है।

विदेश मंत्री की खालिस्तान समर्थकों को खरी-खरी

किसी ने झंडे का अनादर किया तो और बड़ा लगाऊंगा : जयशंकर

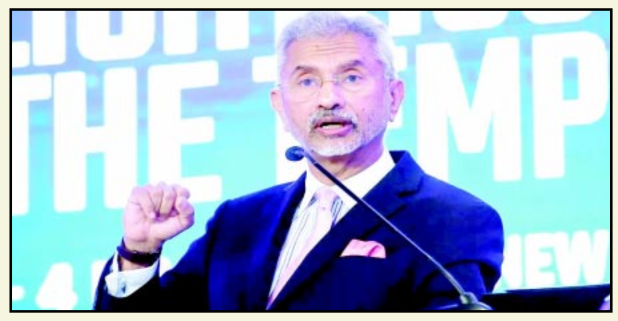

हुबली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को खालिस्तान समर्थकों को खरी-खरी सुनाई। उन्होंने लंदन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और सैन फ्रांसिस्को में हुई घटनाओं को उल्लेख करते हुए कहा कि यह ऐसा भारत नहीं है, जो अपने राष्ट्रीय ध्वज को किसी के द्वारा नीचे खींचे जाने को स्वीकार करेगा। बकौल एजेंसी जयशंकर ने कहा कि हमने पिछले कुछ दिनों में लंदन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और सैन फ्रांसिस्को में कुछ घटनाएं देखी हैं... यह ऐसा भारत नहीं है, जो अपने राष्ट्रीय ध्वज को किसी के द्वारा नीचे खींचे जाने को स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि जब यह घटना हुई, तो हमारे उच्चायुक्त ने उससे भी बड़ा झंडा उस इमारत में लगा दिया। यह केवल वहां के -शेष पृष्ठ दो पर

स्मार्टफोन से हराम हुई लोगों की नींद : सर्वे

नई दिल्ली। स्मार्ट फोन अब लोगों की जिंदगी का हिस्सा नहीं बल्कि जिंदगी ही बन गया है। सब काम बाद में पहले ये देखना है कि फोन चार्ज है या नहीं, इंटरनेट चल रहा है या नहीं। उठो तो फोन, सो जाओ तो फोन। आंख खुलती है तो सबसे पहले इंस्टाग्राम-फेसबुक खोला जाता है। रात में देर तक चैट न करें, कमेंट ना करें या जब तक किसी को स्टॉक न कर लें, तब तक नींद नहीं आती। फोन के इस्तेमाल को लेकर एक सर्वे में बड़ा खुलासा हुआ है। गद्दे बनाने वाली कंपनी वेकफिट ने नींद को लेकर *ग्रेट इंडियन स्लीप स्कोरकार्ड* नाम से एक सर्वे कराया। ये सर्वे फरवरी 2022 से मार्च 2023 तक बेंगलुरु और देश के बाकी हिस्सों में किया गया। इस सर्वे के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। सर्वे में कहा गया है कि बेंगलुरु के 91 फीसदी लोग -शेष पृष्ठ दो पर

तवांग में भूस्खलन से एक जवान की मौत, पांच दिनों के बाद शव बरामद

इटानगर। अरुणाचल के तवांग में भूस्खलन की चपेट में आने से एक जवान की मौत हो गई है। दरअसल 27 मार्च को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में अचानक भूस्खलन आया था। तवांग सेक्टर में अग्रिम क्षेत्र में एक परिचालन कार्य के दौरान भारतीय सेना के जवानों की एक टीम 27 मार्च की तड़के अचानक बड़े पैमाने पर भूस्खलन में धस गई थी। भूस्खलन से पेड़, चट्टान और मिट्टी सहित 6-7 फीट का मलबा फैल गया था। मलबे में भारतीय सेना के जवान किसी तरह बच कर बाहर निकल गए थे। लेकिन सूबेदार एएस धगले मलबे में फंस गए। उसका पता लगाने के लिए तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया गया। टीम ने लगातार भूस्खलन वाले क्षेत्र में जवान को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। जिसके बाद आज मलबे से सूबेदार एएस धगले का शव बरामद किया गया। उनके शरीर को जिला अस्पताल -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

गरीबी विनम्रता की परीक्षा और मित्रता की कसौटी है।
– हैजलिट

अरुणाचल ने जल जीवन मिशन के 75 फीसदी कवरेज लक्ष्य को किया पार

पीएम ने की सीएम की प्रशंसा

इटानगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत 75 प्रतिशत कवरेज को पार करने के लिए मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व वाली सरकार की प्रशंसा की। पीएम मोदी ने खांडू के ट्वीट पर अपने रिट्वीट में लिखा कि अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में दुर्गम इलाकों के बावजूद अमृत महोत्सव के समय में 75 फीसदी कवरेज सराहनीय है। उन्होंने आगे कहा कि इसे पूरा करने वाली टीम को -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने गंदी राजनीति के अलावा कुछ नहीं किया : केजरीवाल

गुवाहाटी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने असम की राजधानी गुवाहाटी में आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा पेपर लीक और बेरोजगारी को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर आम आदमी पार्टी असम में सरकार बनाती है तो मुफ्त बिजली, सभी बेरोजगारों को नौकरी दी जाएगी। आप सरकार ने 7 साल में दिल्ली का चेहरा बदल दिया है। भाजपा ने असम में गंदी राजनीति के अलावा कुछ नहीं किया। संकल्प सभा में दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने सीएम शर्मा पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि असम के लोगों ने हर -शेष पृष्ठ दो पर

अतिथियों को धमकाते नहीं, उनका स्वागत करते

गुवाहाटी। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने असम पहुंचते ही कहा कि अतिथियों को धमकाया नहीं जाता, उनका तो स्वागत किया जाता है। असम की संस्कृति तो मेहमानों का स्वागत करने की रही है। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले जिस तरह से मुझे धमकी दी, उनको असम की संस्कृति सीखनी चाहिए। अरविंद -शेष पृष्ठ दो पर

दक्षिणपंथी महिला के खिलाफ हेट स्पीच का मामला दर्ज

गिर सोमनाथ। गुजरात में गिर सोमनाथ जिले में पुलिस ने एक दक्षिणपंथी महिला कार्यकर्ता के खिलाफ हेट स्पीच का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि गुरुवार की रात रामनवमी के अवसर पर आयोजित *हिंदू सम्मेलन* में दक्षिणपंथी कार्यकर्ता काजल हिंदुस्तानी द्वारा कथित रूप से नफरती भाषण देने से तनाव फैल गया था। मामला दर्ज करने के साथ ही पुलिस ने उना कस्बे में सांप्रदायिक झड़प के बाद दंगे के आरोप में 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस अधीक्षक श्रीपाल शेषमा ने मामले में कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमने दो प्राथमिकी दर्ज की हैं। एक काजल हिंदुस्तानी के खिलाफ हेट स्पीच के लिए है। दूसरा दंगा करने के लिए भीड़ के खिलाफ है। उन्होंने आगे बताया कि हमने 50 से 60 लोगों को हिरासत में लिया है। साथ ही मौके की सीसीटीवी फुटेज देख रहे हैं। हम स्थानीय खुफिया जानकारी का उपयोग कर रहे हैं और आगे की कार्रवाई के लिए हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

नरेंद्र मोदी ही तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री : अमित शाह

पटना/नवादा (हि.स.)। बिहार में नवादा जिले के हिसुआ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद बिहार में महागठबंधन की सरकार गिर जाएगी और भाजपा की सरकार बनेगी। हमारी सरकार बनने पर दंगा करने वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम करेंगे। हम वोट बैंक की राजनीति नहीं करते। हमारी सरकार में दंगे नहीं होते हैं। नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे हमेशा बंद रहेंगे। अमित शाह ने सम्राट अशोक जयंती कार्यक्रम को करीब 15 मिनट तक संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुझे सासाराम जाना था, वहां सम्राट अशोक की जयंती पर कार्यक्रम होना था लेकिन दुर्भाग्य है कि वहां लोग मारे जा रहे हैं। गोलियां चल रही हैं। इसलिए वहीं जा सका। मैं वहां की जनता से यहीं से क्षमा मांगता हूं। अगले दौरे में सासाराम में सभा जरूर करूंगा। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती, धारा 144 लागू

पटना। बिहार में रामनवमी के दिन हिंसा हुई थी, जो अब तक नहीं थम सकी है। हिंसा के कारण पैदा हुआ तनाव अब भी राज्य में बरकरार है। एक अप्रैल को बिहार शरीफ और सासाराम में फिर से उपद्रवियों ने तांडव किया। इस मामले में पुलिस ने बिहार शरीफ और सासाराम में धारा 144 लागू कर दी है। बिहार की हिंसा को लेकर अब तक पुलिस ने 106 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक यहां बिहार शरीफ के पहाड़पुर में 12 राउंड गोलियां चलाई गई है, जबकि सासाराम में धार्मिक स्थल के बाहर बम फेंका गया था। बिहार में लगातार हो रही हिंसा को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से बात कर उनसे कानून व्यवस्था की जानकारी ली है। उन्होंने बिहार में अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती करने का फैसला किया है। बता दें कि कुछ कंपनियों को बिहार के संवेदनशील इलाकों में तैनात किया गया है। कई कंपनियों को रविवार को बिहार में पहुंचने -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सेवा है मानव जीवन के उत्थान का मूल मंत्र : भागवत

चित्रकूट (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत दो दिवसीय चित्रकूट प्रवास दौरान जानकीकुंड में स्थापित श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के निजी कार्यक्रम में रविवार को शामिल हुए। ट्रस्ट का भ्रमण कर उन्होंने ट्रस्ट से संचालित प्रकल्पों को देखा। रघुवीर मंदिर युगल सरकार के दर्शन कर गौशाला में गौ पूजन कर चिकित्सालय का भ्रमण किया। ट्रस्ट अध्यक्ष विशद भाई मफतलाल एवं उनकी धर्मपत्नी रूपल मफतलाल तथा उनके परिजनों ने उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सदगुरु परिवार -शेष पृष्ठ दो पर

हुगली में पथराव-आगजनी, भाजपा विधायक घायल, ममता को ठहराया जिम्मेदार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के बाद अब हुगली जिले में भाजपा की शोभायात्रा के दौरान हिंसा की घटना घटी है। हुगली में भाजपा की शोभा यात्रा के दौरान आगजनी और पथराव की घटना घटी है। भाजपा के नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि उनके काफिले पर हमला किया गया है। उन्होंने कहा कि शोभायात्रा की अनुमति ली गई थी, लेकिन फिर से पथराव की घटना घटी है। इस हमले में भाजपा के विधायक विमान घोष के घायल होने की खबर है। उन्हें उत्तरपाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना स्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिए गए हैं। पुलिस इलाके में गश्त लगा रही है। दिलीप घोष ने कहा कि ये एक सोची समझी साजिश है। ये जानबूझ कर पथराव करवाया गया है। बंगाल में राजनीतिक लाभ लेने के लिए बंगाल की -शेष पृष्ठ दो पर

चीता पहुंचा गांव में

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में कूनो राष्ट्रीय उद्यान के पास एक गांव से सटे खेत में रविवार सुबह एक चीता घुस गया। यह जानकारी एक वन अधिकारी ने दी। श्योपुर के वन मंडल अधिकारी प्रकाश कुमार वर्मा ने बताया कि पिछले साल सितंबर में नीमीबिया से लाए गए चीतों में से ओबान नाम का एक चीता कूनो राष्ट्रीय उद्यान से करीब 15 से 20 किलोमीटर दूर झाड़ बड़ौदा गांव की तरफ चला गया है, लेकिन वह गांव में नहीं घुसा है। वह केवल जंगल से सटे एक खेत में बैठा हुआ है। वर्मा ने कहा कि हमारा निगरानी दल चीते के साथ है, जो उसे वापस जंगल की तरफ भेजने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने बताया -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार के रास्ते भारत में घुसने के फिराक में चीन

नई दिल्ली। चीन का जिक्र आते ही सबसे पहले ख्याल में इसकी विस्तारवादी नीति आती है। देश के अंदर भले ही तमाम उथल पुथल हो मगर सीमा से लगे देशों को परेशान करने में इसे बहुत खुशी मिलती है। इसी का नतीजा है कि केवल भारत नहीं बल्कि हर पड़ोसी देश इससे ख़फा रहता है। फर्म मैक्सर टेक्नोलॉजीज ने कुछ सैटेलाइट तस्वीरें जारी की हैं। इसमें म्यांमार स्थित कोको द्वीप समूह में निर्माण होता नजर आ रहा है। हालांकि इसके पीछे चीनी चाल है या फिर म्यांमार -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सिलचर एनआईटी में 18 छात्रों ने दो जूनियर्स को बुरी तरह पीटा

लात–घूसे मारे और सिर पर फोड़ी कांच की बोतल

सिलचर। असम के सिलचर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के 18 छात्रों पर कैंपस में कथित रूप से दो जूनियर्स के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। घटना 31 मार्च की बताई जा रही है। पीड़ित छात्र फोर्थ सेमेस्टर के स्टूडेंट है। पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। छात्र सिद्धांत पात्य को गंभीर हालत में सिलचर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पीड़ित छात्र के परिजनों ने इस मामले में 18 सीनियर्स छात्रों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया है। छात्र पैत्य ने बताया कि उसके सीनियर्स उसकी मातृभाषा और गृह नगर को लेकर लगातार परेशान कर रहे थे। इन छात्रों ने पीड़ित को कई बार धमकाया भी था। उसने बताया कि जिस दिन से मैं यहां आया हूं, उस दिन से मुझे नस्लवादी टिप्पणियों का सामना करना पड़ रहा है। और मुझे लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि आरोपियों ने मेरी कार के शीशे को तोड़ दिया था, जब मैंने इसका विरोध किया तो उन्होंने मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। लगभग एक घंटे तक उन्होंने हिंसा जारी रखी। उन्होंने नस्लवादी गालियों का इस्तेमाल किया, मुझे थप्पड़ मारा और लात मारी, यही नहीं मेरे सिर और मेरी पीठ पर कांच की तीन बोतलें तोड़ दीं। मेरे दोस्त ने मुझे बचाने की कोशिश की, तो उसे भी पीटा दिया। वहीं पीड़ित की मां ने बताया कि उनके बेटे के शरीर पर चोट के कई गंभीर निशान है। उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। जिन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है, उनके नाम स्पर्श मुनाखिया, योगेश काकोडिएस, बिस्वजीत देब नाथ, यश त्रिपक्षीय, अभिजीत कलिता, धृतिमान दास, सौरव डेका, शोहन पॉल, प्रत्यूष राय, प्रफुल्ल चैथम, अनस अहमद, प्रतीक विज, दीक्षित अग्रवाल, मेहुल देवांगम, राज परिषद, सत्यव्रत दोनों, सुप्रतीक गोगोई और बिकी दास है। पैत्या ने अनुसार कुछ अन्य छात्र भी इस घटना में शामिल थे। कछार पुलिस प्रमुख नुमल महट्टा ने कहा कि उन्होंने छात्र की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस एनआईटी के अधिकारियों से बात कर रही है।

अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार के आरोप में कर्मचारी निलंबित

नलबाड़ी (हिंस)। सरकारी अधिकारी से दुर्व्यवहार करने के आरोप में एक तृतीय वर्ग के कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार नलबाड़ी जिला उपायुक्त कार्यालय के एक तृतीय वर्ग के कर्मचारी मसीउज जमान को सरकारी नीतियों का उल्लंघन करने के आरोप में जिला उपायुक्त ने निलंबित कर दिया है। शिकायत के मुताबिक कुछ दिन पहले मसीउज जमान ने टिहू के सब रजिस्ट्रार के साथ बदसलूकी की थी और उन्हें धमकी दी थी। इस संबंध में सब रजिस्ट्रार ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद नलबाड़ी के उपायुक्त ने निलंबन का आदेश जारी किया।

रामकृष्ण मिशन के उपाध्यक्ष स्वामी प्रभानंदजी का निधन

कोलकाता। स्वामी प्रभानंदजी स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के उपाध्यक्ष स्वामी प्रभानंदजी महाराज का शनिवार शाम कोलकाता के एक अस्पताल में निधन हो गया। हावड़ा जिले के रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन ने उनके निधन की पुष्टि की। प्रभानंदजी महाराज 91 वर्ष के थे। मिशन के अधिकारियों के अनुसार, स्वामी प्रभानंदजी पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी कई बीमारियों से पीड़ित थे। उन्हें पिछले साल अक्तूबर में रामकृष्ण मिशन सेवा प्रतिष्ठान अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने शनिवार शाम 6.50 बजे अंतिम सांस ली। स्वामी प्रभानंदजी महाराज के निधन पर दुख जताते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बयान में कहा कि उनके निधन ने न केवल रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के लिए, बल्कि मानवता के लिए भी आध्यात्मिक और संस्थागत स्पेक्ट्रम के लिए एक शून्य पैदा किया।

चीन की धमकियां बेअसर ताइवानी राष्ट्रपति पहुंची अमेरिका

वाशिंगटन। ताइवान की राष्ट्रपति त्साइ इंग–वेन ने चीन की हर चेतावनी को नजर–अंदाज कर अमेरिका की यात्रा शुरू कर दी है। वह बुधवार को न्यूयार्क पहुंच गईं। इस यात्रा के जरिए वह दिखाना चाहती हैं कि स्वशासित ताइवान इस समय चीन की धमकियों का सामना कर रहा है और वह अपने सहयोगी देश से सुरक्षा चाहती हैं। गुरुवार को चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने भी किसी अमेरिकी अधिकारी से मुलाकात को लेकर चेतावनी दी। चीन का मुख्य एतराज पांच अप्रैल को अमेरिकी हाउस स्पीकर केविन मैककार्थी से संभावित मुलाकात को लेकर है।

बिहार हिंसा : नीतीश कुमार पर भड़के गृह मंत्री शाह, कहा–

भाजपा के दरवाजे उनके लिए बंद

पटना। बिहार में हुई हिंसा के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने नवादा में जनसभा को संबोधित किया है। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह को बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर दोनों ये सोचते हैं कि भाजपा का साथ फिर से आपको मिल सकता है तो ऐसा नहीं होगा क्योंकि भाजपा के दरवाजे आपके लिए हमेशा के लिए बंद कर दिए गए है। उन्होंने कहा कि मैं बिहार की जनता को आश्वस्त करता हूं कि अब नीतीश कुमार के साथ भाजपा कोई गठबंधन नहीं करेगी। बिहार में फैल रही हिंसा के बीद उन्होंने सासाराम की जनता से माफी मांगी और कहा कि अगली बार बिहार आने के दौरान सासाराम जरूर आउंगा। सासाराम में महान सम्राट अशोक की स्मृति में सम्मेलन करने की भी उन्होंने बात कही है। बात दें कि सासाराम में अमित शाह की रैली होनी थी मगर हिंसा के कारण इसे रद्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री होने के नाते मुझे देश के साथ बिहार की भी चिंता है। बिहार की जनता को 2024 में बिहार को 40 सीट देनी है और 2025 में भाजपा की सरकार बनानी है। जिन्होंने भी बिहार में दंगा किया है उन्हें करारा जवाब देना चाहिए। तुष्टीकरण की राजनीति भाजपा नहीं करती है। नालंदा और सासाराम जैसी घटनाएं दिल दुखाती है। उन्होंने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि वो कुर्सी के मोह में ही बंधे हुए हैं इसलिए अब तक लालू यादव का साथ नहीं छोड़ सके है। अमित शाह ने कहा कि नीतीश कुमार पीएम बनने का सपना देख रहे हैं मगर उनकी इच्छा ये नहीं है कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जातिवाद की राजनीति करने में व्यस्त है। वो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही राज्य को भ्रष्टाचार से छुटकारा दिलाएंगे।

जीण जयंती सेवा समिति का चतुर्दश वार्षिक उत्सव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। जीण जयंती सेवा समिति गुवाहाटी का चतुर्दश वार्षिक उत्सव पलटन बाजार स्थित आसी अप्सरा में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जीण भवानी का भव्य दरबार सजाया गया। सुहागिन महिलाओं ने जीण भवानी माता का मंगल पाठ किया एवं छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर महा आरती की। मंगल पाठ के दौरान चुनड़ी नृत्य और गजरा दीपोत्सव में श्रद्धालु भक्ति से भाव विभोर होकर नृत्य करने लग उत्सव का मुख्य आकर्षण मे जीण भवानी माता को 108 मीटर की जोड़ी अर्पण की गई। इस अवसर पर कोलकाता से आये अरविंद सहल एंड पार्टी ने माता के भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महाआरती के पश्चात महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया।

जंगली मशरूम खाने से एक ही परिवार के तीन लोग बीमार

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिलांतर्गत मेरापानी में जगंली मशरूम खाने से एक ही परिवार के तीन लोग बीमार हो गए। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मेरापानी के बालीगुड़ी के फुपुलू बर्मन अपनी पत्नी ताराली बर्मन और दो साल के बच्चे हेमंत बर्मन के साथ जहरीला मशरूम खाया था। जानकारी के अनुसार पास के नागा पहाड़ियों से लाए गए मशरूम को रात पकाने के बाद तीनों खाया था। खाने के बाद से ही तीन लोग बीमार हो गए थे। दस्त, उल्टी और चक्कर आने की शिकायत के बाद तीनों को मेरापानी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में सभी बीमारों को बेहतर इलाज के लिए चिकित्सकों ने गोलाघाट रेफर कर दिया, लेकिन गरीब परिवार आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते उन्हें गोलाघाट नहीं ले जा पाने की जानकारी मिली है।

पृष्ठ एक का शेष

किसी ने झंडे ...

तथाकथित खालिस्तान समर्थकों के लिए एक बयान नहीं था, यह अंग्रेजों के लिए भी एक बयान था कि अगर कोई इसका अनादर करने की कोशिश करेगा, तो मैं इसे (राष्ट्रीय ध्वज) और भी बड़ा कर दूंगा।

स्मार्टफोन से हराम...

नींद से पहले बिस्तर पर लेटकर फोन से चिपके रहते हैं। वहीं, 38 फीसदी लोग ऐसे थे जो सोने से पहले सोशल मीडिया को ब्राउज करते हैं। जबकि 29 फीसदी ने कहा कि काम को लेकर वह सोने से पहले फोन का इस्तेमाल करते हैं। इस सर्वे में दस हजार से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। इसमें बेंगलुरु से अलग–अलग उम्र के करीब चार हजार लोग शामिल थे। सर्वे में सोने के पैटर्न पर बात की गई। सर्वे में 26 फीसदी लोगों ने माना कि उनको इंसोम्निया है, यानी नींद से जुड़ी समस्याएं हैं। 13 महीने तक किए गए सर्वे में बताया गया कि 61 फीसदी लोग ऐसे थे जो 11 बजे के बाद बिस्तर पर गए। हालांकि रात में सोने का सही वक्त 10 बजे माना जाता है। सर्वे में बेंगलुरु के 29 फीसदी लोगों ने कहा कि देर से सोने के बावजूद हम सुबह सात से आठ बजे के बीच उठ गए। इनमें से 60 फीसदी ने कहा कि हमने काम पर रहने के दौरान नींद महसूस की, जबकि 34 फीसदी ने कहा कि उठने के बाद हमें ताजगी महसूस नहीं हुई।

तवांग में भूस्खलन से ...

तवांग ले जाया गया है। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है। गुवाहाटी के रक्षा पीआरओ ने सूचित किया कि 27 मार्च को एक भूस्खलन के मलबे के नीचे दबने के बाद सुबेदार एएस धगले के रूप में पहचाने जाने वाले एक सैन्यकर्मी की मौत हो गई है। रक्षा पीआरओ ने बताया कि जवान का शव शनिवार को निकाला गया। उन्होंने बताया इस प्राकृतिक आपदा में धंसने के कारण मृतक जवान महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले का रहने वाला था।

अरुणाचल ने जल...

बधाई और शेष भाग को पूरा करने के लिए शुभकामनाएं। इससे पहले खांडू ने अपने ट्वीट में कहा कि 15 अगस्त–2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की ओर से शुरू किया गया *जल जीवन मिशन* का उद्देश्य हर घर को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना है। यह एक बड़ी सफलता है कि हमने इसके तहत 75 फीसदी कवरेज को पार कर 1.73 लाख ग्रामीण परिवारों को पीने का पानी उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि हमारे पास दूरस्थ और दुर्गम स्थानों में घर हैं। इन घरों में पीने योग्य पानी पहुंचाना एक बड़ी चुनौती थी और मुझे खुशी है कि यह प्रधानमंत्री की प्रेरणा के कारण हासिल किया गया। उन सभी को बधाई जिन्होंने इसे संभव बनाया। अरुणाचल प्रदेश ने मिशन के तहत 2023 तक राज्य के सभी घरों में 100 फीसदी नल का जल कनेक्शन प्रदान करने का निर्णय लिया है।

भाजपा ने गंदी राजनीति के ...

राजनीतिक दल को मौका दिया, फिर भी कोई बदलाव नहीं हुआ। असम की वर्तमान सरकार 2014 में सत्ता में आई। हमारी आप 2015 में दिल्ली में आई। दिल्ली इतनी विकसित हो गई, लेकिन असम अभी भी विकसित नहीं हुआ। सीएम हिमंत ने सिर्फ नफरत की राजनीति की। उन्होंने कहा कि हिमंत विश्व शर्मा मुझे जेल में डालने की धमकी दे रहे हैं। वह सीएम बने, लेकिन उन्होंने असम की संस्कृति नहीं सीखी। असम के लोग ऐसे नहीं हैं। वे अपने मेहमान को चाय पिलाते हैं। असम के लोग अपने मेहमान को जेल नहीं भेजते। केजरीवाल ने कहा कि आप की जीत हुई तो असम के हर बच्चे को रोजगार मिलेगा। जिस गति से सीएम शर्मा रोजगार दे रहे हैं, मुझे लगता है कि सभी को नौकरी देने में सौ साल लग जाएंगे। जिस राज्य में मुख्यमंत्री की पत्नी निजी स्कूल चलाती हैं, वहां गरीब को कभी शिक्षा नहीं मिलेगी। केजरीवाल ने कहा कि असम में बेरोजगारी है। असम में पेपर लीक हो रहे हैं। कोई बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है। पंजाब और दिल्ली में कोई पेपर लीक नहीं होता है। अगर हमें असम में मौका मिलता है तो हम यहां काम करेंगे और अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। हमने दिल्ली में 12 लाख युवाओं को रोजगार दिया, यहां भी ऐसा ही करेंगे। केजरीवाल ने राज्य में आप सरकार के गठन के एक साल के भीतर गुवाहाटी के सभी घरों में पाइप से पानी पहुंचाने का भी आश्वासन दिया। असम के मुख्यमंत्री की ओर से केजरीवाल पर मानहानि का मुकदमा करने की धमकी देने के कुछ दिन बाद दिल्ली के सीएम ने हिमंत विश्व शर्मा को अपने आवास पर चाय के लिए बुलाया। उन्होंने शर्मा को दोपहर के भोजन के लिए भी आमंत्रित किया। केजरीवाल ने कहा कि सीएम हिमंत का इस तरह से धमकी देना एक मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता। दरअसल, शर्मा ने शुक्रवार को केजरीवाल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने की धमकी दी थी। असम के मुख्यमंत्री ने कहा था कि क्या देश में कहीं भी मेरे खिलाफ कोई प्राथमिकी या मामला है? मैं उन पर मुकदमा करना चाहता था, लेकिन एक कायर की तरह उन्होंने विधानसभा के अंदर बात की। केजरीवाल दो अप्रैल को यहां आएं और कहें कि मैं भ्रष्ट हूं। अगले ही दिन मैं उनके खिलाफ मानहानि का मामला दायर करूंगा जैसा कि मैंने मनीष सिसोदिया के खिलाफ किया है। केजरीवाल ने कथित तौर पर दिल्ली विधानसभा में कहा था कि शर्मा के खिलाफ मामले दर्ज हैं।

अतिथियों को धमकाते...

केजरीवाल गुवाहाटी के अंतर्राष्ट्रीय गोपीलनाथ बरदलै हवाई अड्डे पर उतरने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि असम में कांग्रेस ने शासन किया, उसके बाद असम गण परिषद ने राज किया। अब असम में भाजपा का शासन है। यहीं विकास दिखाई नहीं देती। आम आदमी पार्टी को जहां भी मौका मिला, हमने वहां विकास करके दिखाया। उन्होंने कहा कि अगर असम की जनता आप को मौका देती है तो हम यहां पर भी विकास करके दिखाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जिस तरह की धमकी असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मुझे दी वह असमिया संस्कृति के खिलाफ है। हम अतिथियों का स्वागत करते हैं। मैं चाहता हूं कि हिमंत दिल्ली आएं। मेरे साथ चाय पीएं। मैं खुद उनको दिल्ली घुमाऊंगा। अरविंद के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी असम आए हैं। कुछ ही देर में वे गुवाहाटी के भरालुमुख में आम आदमी पार्टी की रैली को संबोधन करेंगे।

दक्षिणपंथी महिला के...

अधीक्षक ने कहा कि आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इलाके में तनाव को देखते हुए हमने सतर्कता बरतते हुए पुलिस कर्मियों को संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया है। अब तक राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) की दो टीमों को ऊना में तैनात किया गया है। साथ ही सभी अधिकारी कॉल पर उपलब्ध हैं और सभी आपात कॉल्स से तत्काल निपटा जा रहा है। कहा जा रहा है कि रामनवमी वाले दिन दक्षिणपंथी कार्यकर्ता काजल हिंदुस्तानी ने कथित तौर पर भड़काऊ भाषण दिया था। जिसके बाद ऊना शहर में हड़कंप मच गया था। तनाव के बीच ऊना शहर के एक संवेदनशील इलाके में शनिवार रात दो समूहों ने एक–दूसरे पर पथराव किया था। जिसके बाद सांप्रदायिक झड़प भी हुई थी। इस बीच, पुलिस ने ऊना कस्बे में शनिवार रात के दौरान तलाशी अभियान चलाया। जिसमें कुछ घरों से तलवारें, छड़ें और ऐसी अन्य वस्तुएं बरामद कीं। काजल हिंदुस्तानी के भाषण से उपजे तनाव को देखते हुए पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए व्यापारियों से बाजार बंद करवाते हुए शनिवार को एक शांति समिति की बैठक बुलाई थी। इसमें दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया था, जिन्होंने सामान्य स्थिति सुनिश्चित की थी। पुलिस ने बताया कि बैठक के कुछ घंटे बाद सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इलाके में झड़प हो गई। पुलिस ने यह भी कहा कि शांति समिति की बैठक में भाग लेने वाले नेता एक प्रस्ताव पर पहुंचे, लेकिन संदेश युवा पीढ़ी तक नहीं पहुंचा और इसके कारण पथराव की घटना हुई। इस बीच, राज्य के वडोदरा शहर में पुलिस ने शनिवार रात एक दक्षिणपंथी कार्यकर्ता रोहन शाह और कुछ अन्य लोगों को गुरुवार को शहर में रामनवमी के जुलूस के दौरान नफरती भाषण देने के आरोप में गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153 (ए) (धर्म, नस्ल, जन्म स्थान, निवास के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 34 (सामान्य इरादे) के तहत मामला दर्ज किया गया था। कहा जा रहा है कि रोहन शाह विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के नेता हैं। साथ ही वडोदरा पुलिस ने यह जानकारी भी दी कि उन्होंने सांप्रदायिक दुश्मनी फैलाने के इरादे से फेसबुक पर एक फर्जी वीडियो पोस्ट करने के आरोप में एक मोहम्मद वोरा को भी गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि वडोदरा में गुरुवार को रामनवमी के दो जुलूसों पर पथराव की घटना हुई थी। जिससे इलाके में हिंसा फैल गई थी और दो समुदायों के लोग आपस में भिड़ गए। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया है।

नरेंद्र मोदी ही ...

बिहार में जल्द ही शांति हो। उन्होंने कहा कि नीतीश बाबू को पीएम बनना है। तेजस्वी को सीएम बनना है। इनके बीच बिहार की जनता पिस रही है लेकिन देश की जनता ने तय किया है कि मोदी को तीसरी बार भी प्रधानमंत्री बनाएंगे। इसलिए लालू आप ये भूल जाओ कि नीतीश कुमार आपके बेटे को मुख्यमंत्री बनाएंगे। शाह ने कहा कि लालू के बेटे ने नीतीश को सांप, पलटूराम और यहां तक कि गिरगिट भी कह डाला लेकिन नीतीश प्रधानमंत्री बनने के लिए उनके साथ चले गए। अमित शाह ने कहा कि मैं बिहार की जनता और ललन बाबू को स्पष्ट कहना चाहता हूं कि चुनाव परिणामों के बाद भी नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे बंद रहेंगे। हमेशा के लिए बंद रहेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि मैंने राज्यपाल को फोन किया तो ललन सिंह बुरा मान गए। वे कहते हैं कि बिहार में क्यों हस्तक्षेप कर रहे हैं। नीतीश कुमार की सत्ता की भूख ने आपको लालू की गोद में बैठने पर मजबूर कर दिया। हमारी कोई मजबूरी नहीं है। हम जनता के बीच जाएंगे। लोगों को बताएंगे। महागठबंधन की सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। उल्लेखनीय है कि नवादा जिले में हिसुआ के इंटर विद्यालय के मैदान में हजारों की संख्या में लोग अमित शाह को सुनने के लिए पहुंचे थे। जिले के कोने–कोने से भाजपा के नेता और कार्यकर्ता आए थे। नवादा समेत गया, नालंदा, शेखपुरा जिले से भी बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पहुचे। पिछले एक पखवाड़े से तमाम भाजपा के नेता गांव–गांव जाकर लोगों को आमंत्रण दे रहे थे।

बिहार में अर्द्धसैनिक...

के निर्देश दिए गए है। अर्द्धसैनिक बल स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर राज्य में शांति स्थापित करने पर जोर देंगे। अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को और भी ज्यादा कड़ा किया गया है। सूत्रों ने कहा कि गृह मंत्री ने बिहार के राज्यपाल से बात की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने राज्य में हिंसा पर चिंता भी व्यक्त की। ऐसी जानकारी है कि राज्यपाल ने शाह को राज्य में मौजूदा हालात की जानकारी दी। गौरतलब है कि रामनवमी पर निकाली गई शोभा यात्रा के दौरान बिहार के सासाराम और बिहार शरीफ में सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। पुलिस ने सासाराम और बिहार शरीफ में सांप्रदायिक हिंसा के संबंध में शनिवार तक 45 लोगों को गिरफ्तार किया था। दोनों शहरों में सांप्रदायिक हिंसा में कई वाहनों, मकानों और दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया था। हिंसा में कई लोग घायल हुए थे। सासाराम में जिला प्रशासन ने फिर से झड़प होने के बाद शुक्रवार दोपहर को निषेधाज्ञा आदेश लागू कर दिया था। यही नहीं, गृह मंत्री ने रविवार को सासाराम का अपना प्रस्तावित दौरा रद्द कर दिया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रमुख सम्राट चौधरी ने मौर्य राजवंश के सम्राट अशोक की जयंती का जश्न मनाने के लिए सासाराम में प्रस्तावित कार्यक्रम के रद्द होने के लिए बिहार की नीतीश कुमार सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। शाह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को नवादा में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। जानकारी के मुतबाकि हिंसा के बाद से ही पुलिस महकमा अलर्ट पर है। नालंदा में अबतक 80 लोगों कि गिरफ्तारी हो चुकी है। इलाके में एहतियात के तौर पर धारा 144 लागू की गई है। सासाराम में 26 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। हिंसा को देखते हुए सासाराम में सभी स्कूल–कॉलेज बंद रखे गए है। कोचिंग संस्थानों में भी छुट्टी घोषित की गई है।

सेवा है मानव ...

की ओर से उनका स्वागत किया। सर संघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि ट्रस्ट में पूज्य गुरुदेव की प्रेरणा से चल रहे मानव सेवा, गौ सेवा एवं साधु सेवा के कार्य देखकर प्रसन्नता जताई। चित्रकूट जैसे ग्रामीण अंचल में बड़े पैमाने पर हो रही इन सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेवा का सुअवसर मनुष्य को सौभाग्य से मिलता है। मानव जीवन में उत्थान का यही मूलमंत्र है कि पूरी क्षमता से स्वयं को सेवा कार्यों में संलग्न रखें। उन्होंने सेवाकार्य में जुड़े सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। चित्रकूट प्रवास के बाद वह प्रयागराज को रवाना हुए।

म्यांमार के रास्ते ...

ही इसे बनवा रहा है, इसमें संदेह है। लेकिन भारत के लिए ये चिंता की बात है। ये एक ह्यूमन नेचर है कि अगर आपका दुश्मन और धोकेबाज शख्स कुछ भी करेगा तो उसमें आपको संदेह की बू आएगी। भारत और चीन के बीच ऐसा ही कुछ है। चीन ने हमेशा भारत की पीठ पर छुरा भोका है। कभी लद्दाख तो कभी अरुणाचल। जहां भी इसको मौका मिलता है ये देश घुसपैठ की फिराक करता है। तवांग सबसे ताजा उदाहरण है। अब कोको आइलैंड में बड़े स्तर पर निर्माण कार्य हो रहा है। इससे भारत को खतरा है। क्योंकि चीन और म्यांमार के रिश्ते इस वक्त काफी घुलेमिले लग रहे हैं जिससे ये शंका बढ़ रही है कि कहीं भारत के अंडमान निकोबार पर तो चीन की नजर नहीं है। मैक्सर टेक्नोलॉजीज ने इसी साल जनवरी में ये तस्वीरें ली हैं। जिसमें रनवे, हैंगर और नॉर्थ में कुछ इमारतें दिख रहीं हैं। इसके अलावा एयरबेस रनवे की लंबाई अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। एक दशक पहले जहां की लंबाई 1300 मीटर थी वहीं अब 2,300 मीटर हो चुकी है। इसके मायने क्या हैं। म्यांमार उग्रवाद की आग में जल रहा है। यहां पर सेना का शासन है। लोगों की शक्तियां दमन हो चुकी हैं। चीन को ऐसी तस्वीरें पसंद हैं। क्योंकि वहां खुद भी लोकतंत्र का दम घुटता है। चीन का लालच भारत है। क्योंकि इस द्वीप से सटा ही भारत का अंडमान निकोबार है। इस मुद्दे को सबसे पहले चैथम हाउस ने उजागर किया था। इसका हेडक्वार्टर लंदन में है। चीन इसका इस्तेमाल कर समुद्री रास्ते से भारत की जासूसी कर सकता है। एक और टेंशन वाली बात है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि म्यांमार में घनी आबादी वाले शहरों के बीच मेड इन चाइना कैमरे लगाए गए हैं। इसके पीछे का कारण है यहां होने वाले नागरिक आंदोलन। चीन और म्यांमार की मिलीभगत कहीं भारत को धोखा देने के लिए तो नहीं। हालांकि भारतीय एजेंसियां हर स्थिति पर पैनी नजरें रखें हुए हुए हैं। चीन ने म्यांमार को अपने पाले में लेने के लिए चीन–म्यांमार इकॉनमी कॉरिडोर की स्थापना की है। इसके तहत चीन ने बड़े पैमाने में निवेश भी किया है। ठीक वैसा ही जैसा चीन ने पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट में किया था। मतलब चीन हर तरफ से भारत को घेरने का प्रयास कर रहा है। अगर कोको द्वीप समूह का इस्तेमाल चीन ने किया तो पीएलए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ जाएगा। क्योंकि ये हिंद महासागर में एंट्री के लिए सबसे उपयुक्त रास्ता है। चीन इस तरह से भारत को घेरने की पूरी कोशिश कर रहा है।

चीता पहुंचा गांव ...

कि ग्रामीणों को दूर रोककर रखा गया है और पुलिस एवं वन विभाग के कर्मी क्षेत्र में मौजूद हैं। वर्मा के मुताबिक, वन विभाग के दल के पास लाठी और डंडे हैं, क्योंकि चीता को दूर से ही जंगल की तरफ भेजने के लिए इनकी आवश्यक पड़ेगी। वन विभाग के अधिकारियों ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें कर्मचारियों को इस चीते को जंगल में वापस जाने के लिए मनाने की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है। चीता के जंगल से निकलकर गांव से सटे खेत में आ जाने से वहां के लोगों में डर का माहौल बन गया था। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया से लाए गए पांच मादा और तीन नर चीतों को पिछले साल 17 सितंबर को अपने 72वें जन्मदिन पर मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ा था।

हुगली में पथराव–आगजनी...

सरकार लोगों को डरा धमका रही है। हजारों लोग जुलूस में चल रहे थे। अचानक मस्जिद के पास से पथराव शुरू हुआ। ये जानबूझ कर योजना पूर्वक करवाया गया। खबरों के अनुसार शोभायात्रा में शामिल भाजपा नेता दिलीप घोष के काफिले पर पथराव किया गया है। मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। हालात को काबू में लाने का प्रयास जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शोभायात्रा में दौरान अचानक हुआ पथराव हुआ। इस पथराव में विधायक विमान घोष के घायल होने का दावा किया जा रहा है। हुगली पुलिस कमिश्नर मौके पर पहुंच गए हैं और भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्राप्त जानकारी के दौरान शोभायात्रा के दौरान दो गुटों के बीच पहले झड़प शुरू हुई। यह झड़प ने हिंसा का रूप ले लिया। हिंसा को लेकर बिमान घोष ने कहा कि पुलिस ने हिंसा पर काबू नहीं किया। दूसरी ओर, भाजपा नेता सुकांत मजुमदार ने कहा कि पुलिस खड़े होकर हिंसा को देख रही थी। मामता के इशारे पर हो रही हिंसा। हिंसा की एनआईए जांच को लेकर पत्र लिखूंगा। दूसरी ओर, भाजपा नेता दिलीप घोष ने एक वीडियो ट्वीट किया है कि जिसमें लोगों को पथराव करते देखा जा सकता है। दिलीप घोष ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि रामनवमी के जुलूस के दौरान पत्थरबाजी की जा रही है। बता दें कि इसके पहले भी हावड़ा में रामनवमी के जुलूस के दौरान हिंसा के आरोप लगे थे। फिलहाल वहां स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन अब फिर हुगली में हिंसा की आग की लपटें फैल गई हैं। दूसरी ओर, पुलिस का कहना है कि वे लोग स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। बंगाल भाजपा के केंद्रीय नेता अमित मालवीट ने ट्वीट किया कि हावड़ा के बाद श्रीरामपुर जल रहा है। रामनवमी शोभा यात्रा पर हमला किया गया। सिर्फ रामनवमी पर ही नहीं, बल्कि हर हिंदू त्योहार के दौरान मुस्लिम भीड़ हमला करती है। लक्ष्मी पूजा के दौरान भी कोलकाता के खिदिरपुर–मोमिनपुर इलाके में दलित परिवारों को निशाना बनाया गया। ममता बनर्जी की मंजूरी है।

स्वर्वेद भाष्य

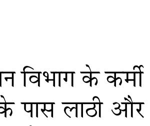

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

ब्रह्मविद्या परकाश में, मोह भूत भ्रम जाय।
विहवल प्रेम प्रवाह में, शब्द में सुरति समाय॥ 11॥

शब्दार्थ : (विहवल) उद्विग्न (मोह) आसक्ति (भ्रम) अज्ञान।

भाष्य : ब्रह्मविद्या के प्रकाश में विषयासक्ति से उत्पन्न अज्ञान नष्ट हो जाता है और आत्मा जगत के दुःख से व्याकुल हो प्रभु के प्रेम–प्रवाह द्वारा शब्द परम पुरुष में अपनी सुरति को प्रवेश कराती है।

जो माया सब जग ठगे, ताहि ठगें वह सन्त।
ठगिनी जो ठग ठगत है, सो गृहस्थ मम सन्त॥ 12॥

शब्दार्थ : (माया) प्रकृति (ठगना) धोखा देना।

भाष्य : जो माया समस्त संसार को ठगती है, उसके संतजन ठगते हैं। इस ठगिनी माया को जो ठग हो कर ठगता है, वे मे गृहस्थ संत हैं।

जिरिबाम-इंफाल नई रेल लाइन का कार्य 93 प्रतिशत पूरा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल पूर्वोत्तर राज्यों की सभी राजधानियों को जोड़ने के लिए राजधानी कनेक्टिविटी परियोजनाओं के तहत कई नई रेलवे लाइनों का निर्माण करवा रहा है। जिरिबाम-इंफाल नई रेलवे लाइन परियोजना पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है। यह परियोजना पूर्ण होने की ओर है। साथ ही मणिपुर की राजधानी इंफाल को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए इस नई लाइन रेलवे परियोजना का भी कार्य जोरों पर चल रहा है। जिरिबाम-इंफाल परियोजना का 93.30 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने रविवार को बताया है कि जिरिबाम-इंफाल रेलवे परियोजना के निर्माण में दुर्गम इलाकों में कई

सुरंगें और पुल शामिल हैं। यह 111 किमी से अधिक लंबा है और इसमें सुरंगों की कुल लंबाई 61.32 किमी है, जिसमें से 59.11 किमी सुरंग बनाने का कार्य अब तक पूरा हो चुका है। इस परियोजना में कुल 11 बड़े पुल और 137 छोटे पुल हैं, जिनमें से पांच बड़े पुल और 101 छोटे पुल का कार्य अब तक पूरा हो चुका है। इस परियोजना में विश्व के सबसे ऊंचे 141 मीटर स्तंभ पर रेलवे पुल भी बनाया जा रहा है और पूर्ण होने के कगार पर है। उन्होंने बताया कि जिरिबाम से खोंगसांग तक के खंड पर पहले ही ट्रेन सेवा चालू कर दी गयी है। संपूर्ण परियोजना के पूर्ण होने के बाद, जिरिबाम से इंफाल पहुंचने के लिए वर्तमान में सड़क मार्ग से लगभग 10 घंटे का समय रेलवे द्वारा 2.5 घंटे तक कम हो जाएगा। पूसीरे भारी वर्षा और अन्य लॉजिस्टिक बाधाओं जैसी सभी चुनौतियों का सामना करते हुए इस परियोजना को पूरा करने में दिन-रात जुटी है। यह नई रेलवे परियोजना मणिपुर के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी, क्षेत्र में लघु उद्योगों को विकसित करने और राज्य के पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगी। यह राज्य द्वारा आवश्यक वस्तुओं को तेजी से प्राप्त करने और राज्य के स्थानीय उत्पादकों को राज्य के बाहर अपने उत्पादों को तेजी से निर्यात करने में मदद करेगा। इस राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

वर्तमान में भारत का लोकतंत्र खतरे में : कांग्रेस

जोरहाट (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द किए जाने को लेकर राज्य के अलग-अलग हिस्सों में संवाददाता सम्मेलन कर देश में लोकतंत्र को खतरा बताते हुए सत्ताधारी भाजपा पर जमकर हमले किए। रविवार को जोरहाट जिले के तीताबर विधानसभा क्षेत्र के विधायक भास्कर ज्योति बरुवा ने तीताबर स्थित राजीव भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता रद्द करने पर केंद्र सरकार और भाजपा को कठघरे में खड़ा किया। इस मौके पर विधायक बरुवा ने कहा कि वर्तमान में भारत का लोकतंत्र खतरे में है। तीताबर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ऐसे समय में अपना गुस्सा जाहिर किया, जब पूरे देश में राहुल गांधी के मुद्दे को लेकर राजनीतिक लड़ाई हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी तरह के अलोकतांत्रिक कार्यों का विरोध करती रहेगी।

अग्रवाल युवा परिषद की वार्षिक सभा एवं अध्यक्ष चुनाव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। अग्रवाल युवा परिषद की दूसरी वार्षिक सभा होटल ऋतुराज में आयोजित की गई। अध्यक्ष आदर्श अग्रवाल ने सभा की शुरुआत अग्रसेन जी की प्रतिमा के आगे दीप्रपाज्वलन कर के की। सभा में सचिव श्रीमती पूनम लादसरिया ने वार्षिक रिपोर्ट सभा के समक्ष रखी। परिषद के साल भर के कार्यक्रम की सभा में सभी सदस्यों ने प्राशंसा की। तत्पश्चात कोषाध्यक्ष श्री कुणाल जाजोदिया ने आय वाय के रिपोर्ट सभा में पेश की। सभा में पूर्व अध्यक्ष श्री परमेशवॉर लाल कनोई, मनीष खातुवाला, गौरब गारोड़िया , पीयूष बिर्मीवाल, अरुण चौधरी, रितेश अगरवाला, निवर्तमन अध्यक्ष अनुज चौधरी, वरिष्ठ सदस्य सुशील जालान, सुजीत बखरेदिया, रवि सुरेखा, दिनेश लादसरिया आदि मौजूद थें। श्री अनुज चौधरी ने तत्पश्चात अध्यक्ष चुनाव 2023-24 का एलान किया जिसमे आदर्श अग्रवाल को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया, सभी ने आदर्श अग्रवाल को बहुत बधाई दी। वर्ष 2023-24 के सचिव के रूप में कुणाल जाजोदिया और कोषाध्यक्ष की शपथ प्रवेश अग्रवाल को दिलाई गई। नवनिवाचित सचिव ने सभा में आने के लिए सभी का धन्यवाद दिया ।

केरिपुबल की 129वें बटालियन ने सोलर लालटेन का किया वितरण

कोकराझाड़ (हिंस)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुबल) की 129वीं वाहिनी द्वारा कोकराझाड़ जिला में तैनात जी/129वीं बटालियन भूमकी पार्ट-2 सालाकाटी में आज (रविवार) को सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत सोलर लालटेन का वितरण किया गया। बटालियन के सहायक कमांडेट गिरीश कुमार ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद 129वीं वाहिनी के कमांडेट मनमदन कृष्णन का स्वागत किया। इस दौरान कमांडेट भूमकी पार्ट-2 सालाकाटी एवं लोरीपारा के स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से सोलर लालटेन का वितरण किया गया। इस अवसर पर ग्राम संघ के उपाध्यक्ष राकेश ब्रह्म द्वारा 129वीं बटालियन का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। वहीं भूमकी स्कूल के प्रधानाध्यापक रंजीत कुमार रॉय द्वारा भी केरिपुबल का आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे में से 13-14 घंटे बिजली की आपूर्ति बंद रहती है, इसलिए लोगों को सोलर लाईट से काफी हद तक लाभ होगा।

जेसीआई बेलतला ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया

गुवाहाटी। जेसीआई बेलतला ने गुरुद्वारा चराली मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमे 35 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। जेसीआई बेलतला की अध्यक्ष सुनीता कंदोई ने कहा कि इस तरह की रक्तदान शिविर आगे भी बड़े रूप मैं लगाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को रक्त दान से मदद कर सके। सचिव रितु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मौसमी जैन, कार्यक्रम अनीता अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, श्वेता जालान, डिंपल गर्ग, रुखसाना बेगम, ममता अग्रवाल, जोन 25 के समन्वयक अभिनंदन सरावगी व गुरुद्वारा के अध्यक्ष ने उपस्थित रहकर शिविर में सहयोग दिया।

बीएसएफ के 16वें बटालियन ने उत्साह से मनाया स्थापना दिवस

करीमगंज (हिंस)। बार्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की 16वीं बटालियन ने रविवार को स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। करीमगंज सीमा के प्रभारी बीएसएफ के 16वें बटालियन ने पूरे उत्साह के अपना जिला मुख्यालय दोलिया में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से 57वां स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान इंस्पेक्टर सचिन शर्मा के नेतृत्व में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बीएसएफ के बैंड एवं करीमगंज के विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों ने अपनी प्रस्तुति दी। समारोह में सेवानिवृत्त बीएसएफ जवानों, अधिकारियों और गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया था। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बीएसएफ जवानों की दो

नृत्य मंडलियों ने पंजाबी भांगड़ा और बिहू नृत्य कर उपस्थित सभी का दिल जीत लिया। इससे पहले कमांडेंट संजय कुमार ने दीप प्रज्वलित और केक काटकर स्थापना दिवस के कार्यक्रम की शुरुआत की। पिछले एक वर्ष के विशेष कौशल वाले जवानों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर 16वीं बटालियन के कमांडेंट संजय कुमार ने कहा कि बीएसएफ की स्थापना 1965 को हुई थी। पिछले 58 साल से बीएसएफ देश की रक्षा कर रही है। बीएसएफ का एक ही मिशन है *मरते दम तक कर्तव्य निभाना,* बीएसएफ ने हमेशा इस परंपरा को कायम रखा है। दुश्मन के हमले के सामने अकेला और खाली हाथ बीएसएफ का जवान भी अपना स्थान नहीं छोड़ेगा। संजय कुमार ने कहा कि बीएसएफ की यह बटालियन देश की सुरक्षा के साथ-साथ विभिन्न सोसाइटियों में प्रतिष्ठा के साथ काम कर रही है। जेके बिर्धी, डीआईजी, सिलचर सेक्टर, मिजोरम-कछार फ्रंटियर ने बटालियन के स्थापना दिवस के अवसर पर जवानों और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा करने के साथ-साथ इस बटालियन ने पूरे आत्म-बलिदान के साथ देश की सेवा में उत्कृष्ट उपलब्धियों का उदाहरण पेश किया है। यह बटालियन प्राकृतिक आपदाओं और किसी भी विपरीत परिस्थितियों में अपनी बहादुरी के लिए काबिले तारीफ है। मिजोरम कछार फ्रंटियर डीआईजी (विशेष) अशोक कुमार झा, सिलचर सेक्टर कमांडेंट कमलजीत शर्मा, हैलाकांदी जिला पुलिस अधीक्षक नवजीत महंत, 16वीं बटालियन के सेकेंड इन कमांड नरेंद्र रूरिया, फकीर चंद चौहान, डीसीजी विवेक मिश्रा, डिप्टी कमांडेंट सलिल कुमार, सेकेंड इन कमांड 134वीं बटालियन के अजय भट्ट, सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट द्रिपेंद्र सिंह और अन्य अधिकारी इस मौके पर उफस्थित थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत समारोह में पूप्रमयुमं के अध्यक्ष ने लिया भाग

होजाई (होसं)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टर के दायित्व ग्रहण समारोह में दिल्ली हिस्सा लिया। शनिवार को दिल्ली स्तिथ अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय कार्यालय में आयोजित समारोह में कपिल लखोटिया से सुरेंद्र भट्टर ने सत्र 2023-2025 के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व प्राप्त किया।

पूर्वोत्तर प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने दिल्ली कार्यालय पहुंचकर नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को बधाई दी। राष्ट्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित अन्य उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने पंकज जालान के प्रांतीय अध्यक्ष कार्यकाल की शुरुवात होने पर उन्हें दुपट्टा पहनाकर बधाई दी। इस आशय की जानकारी प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी सेंकी अग्रवाल ने दी।

सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर ने आयोजित किया *सरहद को स्वरांजलि*

कोकराझाड़ (हिंस)। सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर के यमदुआर सेक्टर की पहल पर कोकराझाड़ जिले के बासगांव स्थित खेल मैदान में *सरहद को स्वरांजलि* नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर के एक पदाधिकारी ने रविवार को बताया कि भारत-भूटान सीमावर्ती इलाके के लोगों के बीच भाईचारे, देशभक्ति को मजबूत करने और सीमावर्ती निवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए बोडोलैंड टेरिटोरियल कांउसिल (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोड़ो की उपस्थिति में शनिवार की शाम को *सरहद को स्वरांजलि* नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सीमावर्ती लोगों के बीच शांति को बढ़ावा देने के लिए बॉर्डर कॉन्शसनेस फोरम द्वारा आयोजित कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय करार दिया। दूसरी ओर, बीपीएफ के अध्यक्ष हग्रामा महिलारी की रैली का जिक्र करते हुए प्रमोद बोड़ो ने कहा कि पिछले 17 सालों में अगर महिलारी ने लोगों के लिए कुछ काम किया होता तो आज छोटी-छोटी रैलियां करने की जरूरत नहीं पड़ती। इस बीच बीपीएफ नेता प्रमिला रानी ब्रह्म द्वारा श्रीरामपुर में सिंडिकेट चलने संबंधी दिए बयान में बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने कहा कि यहां कोई सिंडिकेट नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि आज भी लोग यह नहीं भूले हैं कि बीपीएफ के दिनों में सिंडिकेट किस तरह से चलाए जाते थे। कार्यक्रम का संचालन सीमांत चेतना मंच के वरिष्ठ नेता विलियम नार्जारी ने किया और इसमें असम के कई प्रसिद्ध कलाकारों ने भाग लिया और नृत्य-गीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मनाह नेशनल पार्क में बाघों की संख्या बढ़ी

बाक्सा (हिंस)। विश्व धरोहर स्थल मनाह नेशनल पार्क उम्मीद की किरण लेकर आया है। बाघों के लिए मशहूर इस राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की संख्या बढ़ने और बाघों की मुक्त आवाजाही से देशी-विदेशी पर्यटक आकर्षित हो रहे हैं। राष्ट्रीय उद्यान से निकटता से जुड़े एक पर्यटक गाइड अबिनाश बोड़ो के कैमरे में बाघ और तेंदुए की मुक्त आवाजाही कैद हुई है। टूरिस्ट गाइड अबिनाश बोड़ो के मुताबिक, कई दिनों से बाघ और तेंदुओं की मुक्त आवाजाही हो रही है। राष्ट्रीय उद्यान में हिंसक जीवों की चार प्रजातियां हैं, जिनमें रॉयल बंगाल टाइगर (बाघ), ब्लैक पैंथर, तेंदुआ और एक प्रजाति शामिल हैं। टूरिस्ट गाइड बोड़ो ने बताया कि पेड़ों पर और नदी के किनारे तेंदुए टहलते पर्यटकों के कैमरे में कैद हुए हैं। इस बीच, मनाह के बनाहबाड़ी रेंज के रेंजर अभिनब बरुवा ने मनाह टाइगर प्रोजेक्ट के 50 साल पूरे होने पर कहा कि मनाह टाइगर प्रोजेक्ट में पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ है। स्थानीय लोगों की मदद से इसे आगे ले जाने की उम्मीद जताई। उन्होंने बताया कि वह प्रोजेक्ट के 50 साल पूरे होने पर एक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

माहेश्वरी सभा युवा संगठन व महिला संगठन ने संभाला नए सत्र का पदभार

गुवाहाटी (विभास)। माहेश्वरी सभा गुवाहाटी के नवीन सत्र 2023-2025 के लिए हुए चुनाव मे नवनिर्वाचित एवं चयनित अध्यक्ष एवं सचिव को आज निवर्तमान अध्यक्ष नवल सारडा की अध्यक्षता मे पदभार हास्तांतरण किया गया। सर्वप्रथम सभागर में उपस्थिति सभी समाज बंधु द्वारा भगवान महेश की बंदना की गई। निवर्तमान सभा मंत्री मदन गोपाल सिग्ची द्वारा युवा संगठन के चयनित अध्यक्ष शिवरतन सोनी व सचिव राघव बाहेती को पदभार हस्तांतरित किया ।नवनिर्वाचित महिला अध्यक्ष वर्षा सोमानी एवं सचिव पुष्पा सोनी को भी पदभार हस्तांतरित किया गया। निवर्तमान सभा अध्यक्ष नवल सारडा द्वारा नवनिर्वाचित सभा अध्यक्ष सीताराम बिहानी को पदभार हस्तांतरित किया गया ।श्री बिहाणी ने उपस्थित समाज बंधुओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं बोलने से ज्यादा अपनी सेवा देने पे विश्वास करता हुं ।निवर्तमान सभा सचिव द्वारा नवनिर्वाचित सभा मंत्री सुरेन्द्र लाहोटी को पदभार हस्तांतरित किया। लाहोटी ने सभागार में अपने प्रथम संबोधन में कहा कि उनका प्रयास रहेगा समाज के सभी परिवार तक अपनी सेवा देना। उन्होंने कहा गुवाहाटी माहेश्वरी समाज में अगीवाल से लेकर तोषनीवाल तक कुल 70 गौत्र के परिवार रहते है। सभी तक सभा के द्वारा उनकी सेवा करना ही एकमात्र लक्ष्य रहेगा। आज की सयुंक बैठक में सभी बंधुओ का योगदान बहुत ही सकारात्मक रहा।

गांठ के पैसों से 150 फीट लंबा बांस का पुल लोगों ने बनाया

नगरबेड़ा। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के तहत जनता बाजार के पास रंगेश्वरी पाम जलजली देउशिला पारघाट में लोगों ने 150 फुट लंबा बांस का पुल बनाया है। नगरबेड़ा के रंगेश्वरी पाम इलाके के पांच गांव के लोगों ने सिर्फ दो दिन में बांस का पुल बना दिया है। ग्रामीणों ने श्रमदान और गांठ के पैसों से जलजली में सुती नदी देउशिला पर पुल बनाया। मालूम हो कि छमरिया क्षेत्रीय पंचायत से बोली लगाकर मिलने वाले पैसों से पारघाट का संचालन पिछले 40 वर्षों से लोगों द्वारा किया जा रहा है। हालांकि मुनाफा आए पैसों का मंदिरों, मस्जिदों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में चला जाता है। लेकिन अचानक रहस्यमयी टेंडर की समय सीमा के बावजूद गत 27 मार्च को छमरीय क्षेत्रीय पंचायत

से लोगों के अतिक्रमण को अस्थाई रूप से बंद करने का आदेश जारी कर दिया गया। जारी आदेश के अनुसार, पारघाट बंद का कारण नगरबेड़ा के डीबीआरपी पारघाट से जलजली-देउशिला क्रॉसिंग घाट तक 3.2 किलोमीटर के दायरे में है। इस आदेश के बाद डीबीआरपी पारघाट की लासी रफीकुल इस्लामे जलजली नदी में नाव चलने लगे और विफल हुए। क्योंकि बहुत ज्यादा भाड़ा देकर नाव पार नहीं होंगे इसलिए पांच गांव के जनता मिलकर दो दिन में 150फीट लंबे बांस का पुल बनाके आज सैकड़ों लोगों का मौजूदगी में सामुहिक मुनाजात और फिटा काट उद्घाटन टन किया जनता बाजार के अध्यक्ष जियाउल हक मुन्सी ने। सरकारी कोई सहायता व प्रकल्प न लेकर भी लोगों ने गांठ का पैसा से पुल निर्माण कार्य से यह प्रमाणित किया है कि अपना हाथ जगन्नाथ मतलब, जनता जनार्दन चाहें तो जितना मुस्किलही क्यों न हो वह संभव कर सकते है।

नोखा नागरिक परिषद की आम सभा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी नोखा नागरिक परिषद की साधारण सभा आठगांव स्थित महेश्वरी भवन में की गई जिसकी अध्यक्षता निर्मल पींचा मंत्री अशोक लुणावत के स्थान पर कन्यालाल पींचा, कोषाध्यक्ष पवन चांडक निवर्तमान अध्यक्ष भगवानदास दमणी नीवर्तमान मंत्री जीवराज पींचा को मंचासीन करवाया। अध्यक्ष निर्मल पींचा से स्वागत भाषण दिया, कार्यवाहक मंत्री कन्यालाल पींचा ने मंत्री प्रतिवेदन का वाचन किया कोषाध्यक्ष पवन चांडक ने वार्षिक लेखा-जोखा सभा के समक्ष पेश किया आगे की पंचम सत्र के गठन की कार्रवाई हेतु भगवानदास दमानी को अधिकृत किया सभा में उपस्थित नोखा वासियों ने सर्वसम्मति से नए कार्यकाल हेतु कमल जी बैद को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी और सभा से12 कार्यसमिति सदस्यों का

चयन किया गया एवम नए अध्यक्ष द्वारा आपने कोटा से 10 कार्यसमिति सदस्य का चयन किया उसके पश्चात सर्व समिति से उपाध्यक्ष भंवरलाल डागा एवम सुंदरलाल पींचा, कोषाध्यक्ष कन्यालाल पिंचा एवम मंत्री पद के लिए उमाशंकर गट्टानी साथ मे पीआरओ महावीर चांडक को मनोनीत किया उसके बाद निवर्तमान अध्यक्ष भगवान दास दमानी ने परिषद का सविधान पेश किया इसको सुझाव के साथ अगले कार्यकारिणी बैठक के लिए में पारित करने का सुझाव सभा से दिया गया, उसके पश्चात आने वाली पदाधिकारियों को मंचासीन कराया गया और कमल बैद ने अपना अध्यक्षीय उद्बोधन दिया उन्होंने अपने परिषद आने वाले कार्यों सभी को साथ लेकर परिषद को नई उच्चाई पर लेकर जायेगे इसके लिये सभी के सहयोग का निवेदन किया बैठक का सफल संचालन महावीर चांडक ने किया ।

बाक्सा के प्रसिद्ध संन्यासीधाम में चोरी

बाक्सा (हिंस)। जिले क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध संन्यासी शिव धाम में शनिवार रात को चोरी हो गई। रविवार सुबह शिव धाम का चौकीदार जब पहुंचा तब चोरी होने का पता चला। चौकीदार ने धाम के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखकर सूचना शिव धाम प्रबंधन के अध्यक्ष को दी। तत्काल अध्यक्ष के साथ-साथ प्रबंधन समिति के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। तब पता चला कि शिव धाम से चोर सोना, चांदी, भरताल (बड़ा झाल), घंटा आदि चुरा कर ले गए। शिवधाम प्रबंध समिति के अध्यक्ष ने बताया कि चांदी के फूल लगभग 3 किग्रा के साथ ही लगभग 8-10 हजार रुपए नगद की चोरी हुई है। अध्यक्ष ने बताया कि करीब डेढ़ लाख रुपए से अधिक के सामान की चोरी हुई है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भरलुमुख में *फर्नीचरवाला* एक्सक्लूजिव शोरूम का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के भरलूमुख स्थित रेलवे गेट नंबर 9 के पास रविवार को इंटरवुड की दूसरी इकाई *फर्नीचरवाला* नमक फर्नीचर के एक्सक्लूसिव शोरूम का शुभारंभ किया गया। फर्नीचर के कारोबार में पिछले चार दशकों से जबरदस्त पकड़ रखने वाले तथा शोरूम के प्रमुख मदनलाल मालू ने शोरूम का विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर शोरूम के प्रमुख मोहित मालू, समृद्धि मालू, रंजीत मालू, सुरेश मालू सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। उद्घाटन के मौके पर शोरूम के प्रमुख श्री मालू ने कहा कि 4000 वर्ग फुट में फैले *फर्नीचरवाला* शोरूम में उनके पास वुडन फर्नीचर की एक वृहद श्रृंखला मौजूद है। इनमें ऑफिस, होम, स्कूल, इंस्टीट्यूशंस, रेस्टोरेंट्स सहित अन्य स्थानों पर उपयोग में आने वाले सभी तरह के फर्नीचर गारंटी के साथ उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि हमारे यहां सोफा सेट, डाइनिंग सेट, बेड, ड्रेसिंग टेबल, वार्डरोब, किचन फर्नीचर के अलावा अन्य सभी तरह के फर्नीचर उचित दरों पर उपलब्ध है। श्री

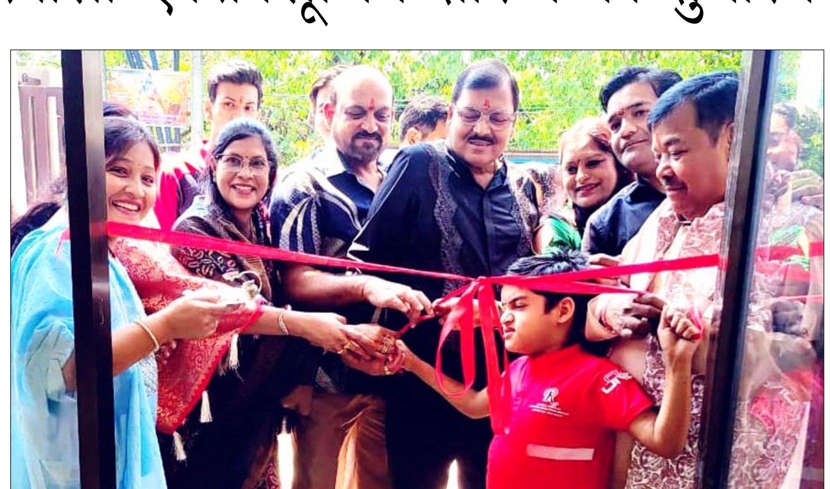

मालू ने कहा कि *फर्नीचरवाला* शोरूम में ग्राहक अपने घर एवं कार्यालयों की जरूरत के अनुसार कस्टमाइज्ड फर्नीचर भी उनके यहां आर्डर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आपके सपनों के घर एवं कार्यालय को फर्नीचर से सजाने संवारने के लिए *फर्नीचरवाला* के यहां जरूर पहुंचे। हमारा उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर फर्नीचर उपलब्ध कराने के साथ-साथ बेहतर सेवा देना भी हैं।

नौसेना के नए वाइस चीफ संजय जसजीत सिंह ने कार्यभार संभाला

- राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पहुंचकर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की
- नौसेना की 39 साल सेवा के बाद रिटायर हुए घोरमडे की जगह ली

नई दिल्ली, (हि.स.)। वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह को भारतीय नौसेना का नया वाइस चीफ नियुक्त किया गया है। उन्होंने रविवार को कार्यभार संभालने के बाद राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पहुंचकर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसके बाद उन्हें साउथ ब्लाक में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने वाइस एडमिरल सतीश कुमार नामदेव घोरमडे की जगह ली है, जो नौसेना में 39 साल से अधिक की सेवा देने के बाद 31 मार्च को रिटायर हुए हैं। इससे पहले संजय जसजीत सिंह इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (ऑपरेशन) के उप प्रमुख का पदभार संभाल रहे थे। वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से ग्रेजुएट हैं। उन्हें 1986 में नौसेना की कार्यकारी शाखा में नियुक्त किया गया था। वह 2009 में भारतीय नौसेना के समुद्री सिद्धांत, 2015 में परिवर्तन के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन और 2015 भारतीय समुद्री सुरक्षा रणनीति के लीड ड्राफ्टर रहे थे। उन्होंने 1992 में नेविगेशन और डायरेक्शन में विशेषज्ञता हासिल की। साल 2000 में यूके में एडवांस्ड कमांड एंड स्टाफ कोर्स किया। उन्होंने 2009 में नेवल वॉर कॉलेज, मुंबई से नेवल हायर कमांड कोर्स और 2012 में नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी कोर्स डिफेंस कॉलेज दिल्ली से किया। अधिकारियों के मुताबिक उन्होंने कई कमान, प्रशिक्षण और कर्मचारियों की नियुक्तियों की कमान संभाली है।

उन्होंने बीते तीन दशकों में भारतीय नौसेना के जहाजों के साथ काम किया है। भारतीय नौसेना ने उन्हें ईरान में अटेशे के तौर पर नियुक्त करके वहां खास दायित्व सौंपा था। फ्लैग रैंक में उन्होंने नौसेना मुख्यालय में सहायक प्रमुख (संचार, अंतरिक्ष और नेटवर्क-केंद्रित संचालन), कोच्चि में फ्लैग ऑफिसर सी ट्रेनिंग, मुंबई में फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग वेस्टर्न फ्लीट, गोवा में कमांडेंट नेवल वॉर कॉलेज और नियंत्राक कार्मिक सेवाएं के तहत अपनी सेवाएं दीं। नौसेना में किये गए अन्य बदलावों के तहत वाइस एडमिरल सूरज बेरी ने शनिवार को कार्मिक प्रमुख के तौर पर कमान संभाली। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने नियंत्रक कार्मिक सेवा के तौर पर तो वाइस एडमिरल अतुल आनंद ने नौसेना संचालन महानिदेशक का कार्यभार संभाला है।

प्रधानमंत्री ने सलीम दुरार्नी के निधन पर शोक जताया

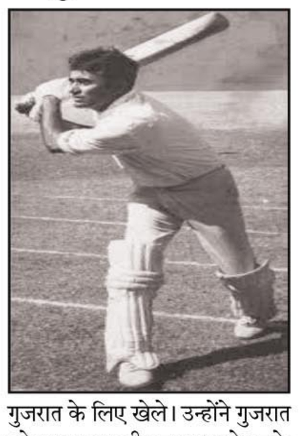

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिग्गज पूर्व क्रिकेटर सलीम दुरार्नी के निधन पर शोक जताया है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट संदेश में कहा, सलीम दुरार्नी जी क्रिकेट के दिग्गज थे, अपने आप में एक संस्थान थे। उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में भारत के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैदान के अंदर और बाहर वह अपने अंदाज के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से आहत हूं। उसके परिवार तथा मित्रों के लिए संवेदनाएं। उन्होंने कहा, सलीम दुरार्नी जी का गुजरात से बहुत पुराना और गहरा नाता रहा है। वह कुछ वर्षों तक सौराष्ट्र और गुजरात के लिए खेले। उन्होंने गुजरात को अपना घर भी बनाया। मुझे उनके साथ बातचीत करने का अवसर मिला है और मैं उनके बहुमुखी व्यक्तित्व से बहुत प्रभावित हुआ हूं। उनकी कमी जरूर खलेगी। भारत के पूर्व क्रिकेटर सलीम दुरार्नी का रविवार को उम्र संबंधी बीमारियों के कारण उनके जामनगर स्थित घर में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। दुरार्नी ने भारत के लिए 29 टेस्ट खेले और 177 रन देकर 10 के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े के साथ 75 विकेट लिए। हाथ में बल्ला लेकर उन्होंने 1962 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 104 के उच्चतम स्कोर के साथ कुल 1202 रन बनाए।

राहुल गांधी को देश कभी माफ नहीं करेगा : अनुराग ठाकुर

-केंद्रीय मंत्री ने कहा, 10 जन्म लें तब भी सावरकर नहीं बन सकते, ममता-नीतीश-केजरीवाल पर भी निशाना साधा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि राहुल गांधी ने वीर सावरकर का अपमान किया है। उसके लिए देश उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। राहुल गांधी 10 जन्म लेंगे तब भी सावरकर नहीं बन सकते। सावरकर ने आजादी के लिए पूरा जीवन खपा दिया। राहुल ने अंग्रेजों की सहायता लेकर भारत के लोकतंत्र को कमजोर करने में समय बिताया। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने आज (रविवार) यह टिप्पणी राष्ट्रीय राजधानी के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 'आईआईएफएल जीतो अहिंसा रन' के मौके पर की। उन्होंने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आईआईएफएल जीतो अहिंसा रन पर कहा कि यह दौड़ शांति और अहिंसा के साथ फिट इंडिया का संदेश दे रही है। ठाकुर ने कहा कानून व्यवस्था कैसे चरमराती है, इसकी सबसे बड़ी रोल मॉडल ममता बनर्जी हैं। एक वर्ग के साथ खड़े होकर हिंदुओं के खिलाफ हिंसा करने के लिए उकसाया कैसे जाता है वह ममता बनर्जी के बोलों से नजर आता है। बिहार की हालिया हिंसा पर भी केंद्रीय मंत्री ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य है कि बिहार फिर उसी राह पर है, जैसा लालूराज के समय था। तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर जंगलराज की वापसी हुई है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी हमला किया। उन्हें शराब घोटाले का किंगपिन कहा। ठाकुर ने कहा केजरीवाल झूठा नंबर-1 और घोटालेबाज नंबर-1 है।

नए सत्र से दिल्ली सरकार के वर्चुअल स्कूल में छात्रों को एक्सपर्ट्स से मिलेगी मदद

अजय त्यागी

नई दिल्ली। नए सत्र में दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल के कार्यान्वयन पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने फ्लैगशिप प्रोजेक्ट पर काम कर रही टीम के साथ रविवार को समीक्षा बैठक की। बैठक में शिक्षा मंत्री ने नए शैक्षणिक सत्र में वर्चुअल स्कूल के एक्शन प्लान को लेकर बहुत से महत्वपूर्ण सुझाव दिए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि, मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व व मनीष सिसोदिया के विजन के साथ आज भारत सहित पूरे विश्व में दिल्ली के शिक्षा क्रांति की चर्चा है। यही कारण है कि देश-विदेश से आकर लोग दिल्ली के शिक्षा मॉडल को देख रहे है, उसके अनूठेपन को समझ रहे है और अपने यहां अपना भी रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल के माध्यम से हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अधिक सुलभ और समावेशी बनाना है ताकि आसानी से, बड़ी संख्या में और भारत में कही से भी छात्र अपनी सुविधा के अनुसार इसका हिस्सा बन सकें। शिक्षा मंत्री ने कहा कि, क्वालिटी एजुकेशन सबके लिए सुलभ हो इसके शानदार विकल्प के रूप में हमने पिछले साल दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल की शुरूआत की। समीक्षा बैठक में शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि वर्तमान सत्र के साथ-साथ दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल के लिए अगले 5 साल का लॉन्ग टर्म एक्शन प्लान भी बनाया जाए। उल्लेखनीय है कि इस साल से दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल में छात्रों को एक्सपर्ट्स द्वारा जेईई और नीट जैसी कॉम्पीटीटीव परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग भी दी जाएगी। नए सत्र में दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल को और समृद्ध बनाते हुए टीम एजुकेशन ने इसमें इन-डिमांड जॉब ओरिएंटेड कोर्सेज जैसे कोडिंग, डिजिटल मीडिया एंड डिजाईन, फाइनेंस एंड एकाउंटिंग जैसे कोर्स भी शामिल किए है जो छात्रों को उनके आकांक्षी करियर को लेकर कौशल और स्पष्टता प्रदान करेंगे। साथ ही इस सत्र से वर्चुअल स्कूल में छात्रों को इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा डिजाईन किए गए शोर्ट टर्म और एडवांस कोर्सेज भी पेश किए जायेंगे।

डीएमवीएस क्या है? - दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल (डीएमवीएस), एक फुलटाइम नियमित ऑनलाइन स्कूल है जो पर्सनलाइज्ड टीचिंग-लर्निंग और अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग के माध्यम से दूरस्थ रूप से छात्रों को क्वालिटी एजुकेशन देता है।दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल अपनी तरह का पहला ऑनलाइन स्कूल है जिसमें फ्लेक्सिबल डिजिटल इंटरैक्शन के माध्यम से एक स्कूल की सभी खूबियां है। डीएमवीएस को बच्चों के लर्निंग नीड्स के अनुसार डिजाइन किया गया है। डीएमवीएस के लर्निंग प्लेटफॉर्म पर, छात्र और शिक्षक लाइव क्लासेस, छोटे ग्रुप्स में ट्यूटोरियल और एकैडमिक व इंडिविजुअल सपोर्ट के लिए वन-टू-वन मेंटरिंग जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

भाजपा ने वीडियो जारी कर कहा- कांग्रेस ने किया है 48 खराब से अधिक का घोटाला

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सोशल मीडिया कैंपेन की शुरूआत करते हुए रविवार को एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार के 10 साल के कार्यकाल में 48 खरब से अधिक के घोटाले का आरोप लगाया गया है। भाजपा की ओर से आज कांग्रेस फाइल्स नाम से इस सीरीज का पहला एपिसोड जारी किया गया। इसमें कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार के दौरान हुए कॉमनवेल्थ घोटाले, कोयला घोटाले, 2जी घोटाले, मनरेगा घोटाले जैसे अन्य घोटालों पर कांग्रेस को घेरने की कोशिश की गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस ने 48 खराब 20 अरब 69 करोड़ का घोटाला किया है। सरकार इस धन का इस्तेमाल कई महत्वपूर्ण कार्यों में कर सकती थी। पार्टी का कहना है कि इससे 1000 मंगल मिशन किए जा सकते थे।

चुपचाप महंगाई बढ़ाकर आम लोगों की जेब काटने का काम कर रही मोदी सरकार: राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि महंगाई पहले से ही लोगों का जीवन कठिन बना चुकी है, लेकिन सरकार चुपचाप महंगाई बढ़ाकर आम लोगों की जेब काटने का काम कर रही है। राहुल गांधी ने शनिवार को अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि महंगाई देश की सबसे जटिल समस्याओं में से एक है और इसकी जिम्मेदार भारत के इतिहास की सबसे नाकारा सरकार है। दवाइयों की कीमतें इस साल फिर से चुपचाप 11 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा दी गईं हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा का खर्च आसमान छूता जा रहा है। ये सारे जरूरी खर्चे हैं, आम लोगों के जीवन का अभिन्न अंग हैं। जहां सरकार को इन्हे धीरे-धीरे निःशुल्क करने की कोशिश करनी चहिए, उसे वे और महंगा करते जा रहे हैं। ऊपर से बेरोजगारी और सुस्त अर्थव्यवस्था के कारण नौकरीपेशा लोगों की आमदनी न बढ़ना और उसके ऊपर महंगाई की मार, ईएमआई की किस्तें बढ़ती जा रही हैं, ऋण लेकर उसे चुकाना और घर के खर्चे चलाने की जद्दोजहद में हर परिवार की जिदंगी फंसी हुई है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं यूं हीं इन्हें जेबकतरी सरकार नहीं कहता। आपकी जेब काटी जा रही है। मगर कहीं इस बात की चर्चा नहीं है। यूपीआई ट्रांसफर पर भी सरचार्ज लगेगा, ये कभी आपने सोचा था, जब आपको डिजिटल पेमेंट करने के लिए प्रेरित किया गया था। आप मेहनत कर के कमाएं, सरकार को टैक्स चुकाए और अब पैसों के लेन-देन में भी अलग से पैसे दें। राहुल गांधी ने कहा कि पेट्रोल-डीजल तो महंगा था ही, अब गाड़ियां और टोल टैक्स भी महंगा होगा। संदेश साफ है कि गाड़ी लेना चाहे आपकी जरूरत हो या ख्वाहिश, दोनों से आंखें मूंद लें। इस सरकार के रहते तो ये मुश्किल है। और ये मुश्किलें दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जाएंगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि संसद बंद है तो जाहिर सी बात है कि लोकतंत्र के मंदिर में भी इस पर सवाल जवाब नहीं होगा। मनमाने फैसले लेकर बिना विपक्ष या जनता से सलाह किए बस थोप देना, ये तानाशाही की किताब का पहला पन्ना है।

शराब घोटाला मामले में कोर्ट की टिप्पणियों के बाद आप पर हमलावर हुई भाजपा

अजय कुमार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने शराब घोटाला मामले में दिल्ली की एक अदालत की टिप्पणियों को लेकर आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमले तेज कर दिए हैं। भाजपा का कहना है कि शराब घोटाला केवल एक व्यक्ति से नहीं जुड़ा था बल्कि यह संस्थागत था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि अभी तक की सुनवाई में कोर्ट ने प्रथम दृष्ट्या पाया है कि सौ करोड़ का सीधा लेनदेन हुआ है। इस घोटाले में केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरी सरकार शामिल थी। इस घोटाले को छिपाने के लिए सरकार तरह-तरह के हथकंडे अपना रही थी। पूनावाला ने कहा कि शराब घोटाला मामले में कोर्ट ने आरोपित मनीष सिसोदिया को राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा है कि अगर सिसोदिया को छोड़ दिया गया तो वह स्वयं या उनका कोई साथी गवाहों को डरा धमका सकते हैं इसलिए उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले में कमीशन को 2 प्रतिशत से 12 प्रतिशत किया गया और उसमें 6 प्रतिशत किकबैक के तौर पर वापस आना था तो यह भ्रष्टाचार का मामला नहीं बल्कि असल में उगाही का मामला बनता है। पूनावाला ने कहा कि एक्सपर्ट विशेषज्ञ समिति ने सुझाव दिया था कि होलसेल बिक्री को सरकार को अपने हाथ में रखना चाहिए। इस कमेटी द्वारा सुझाई गई संरचना को आम आदमी पार्टी ने नहीं अपनाया।

भारत में ट्विटर ने 6.8 लाख खातों पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। एलन मस्क के अधिग्रहण के बाद ट्विटर ने 26 जनवरी से 25 फरवरी के बीच भारत में बाल यौन शोषण और गैर सहमति वाली नग्नता को बढ़ावा देने वाले रिकॉर्ड 682,420 खातों पर प्रतिबंध लगा दिया। मस्क के तहत मंथन के दौर से गुजर रहे माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 1,548 खातों को भी बंद कर दिया। ट्विटर ने नए आईटी नियम, 2021 के अनुपालन में अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा कि उसे शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से भारत में उपयोगकर्ताओं से सिर्फ 73 शिकायतें मिलीं। इसके अलावा ट्विटर ने 27 शिकायतों पर कार्रवाई की जो खाता निलंबन की अपील कर रहे थे। कंपनी ने कहा कि हमने स्थिति की बारीकियों की समीक्षा करने के बाद इनमें से 10 खातों के निलंबन को वापस ले लिया है। शेष रिपोर्ट किए गए खातों को निलंबित कर दिया गया है। हमें इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान ट्विटर खातों के बारे में सामान्य प्रश्नों से संबंधित 24 अनुरोध प्राप्त हुए। नए आईटी नियम 2021 के तहत 50 लाख से ज्यादा यूजर्स वाले बड़े डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को मासिक अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करनी होगी। रिपोर्ट तब आई जब ट्विटर सभी लीगेसी वेरिफाइड ब्लू चेक मार्क को हटाने के लिए तैयार था, और उपयोगकताओं को सत्यापन के साथ ब्लू बैज के लिए या तो 900 रुपए प्रति माह का भुगतान करना होगा, जैसे कुछ अतिरिक्त लाभ मिलेंगे, जैसे ट्वीट संपादित करने और लंबे टेक्स्ट, वीडियो पोस्ट करने की क्षमता।

सीएम उम्मीदवार के बिना ही कर्नाटक विस चुनाव में उतरी भाजपा-कांग्रेस

-कई धड़ों में बंटी भाजपा, कांग्रेस खेमेबाजी से हो रही परेशान

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक में भाजपा व कांग्रेस दोनों ही बिना सीएम उम्मीदवार घोषित किए ही चुनाव मैदान में हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों की घोषणा हो चुकी है। अब मतदान के लिए एक महीने के करीब ही समय बचा है। हालांकि, अभी तक ना तो भारतीय जनता पार्टी ने और ना ही कांग्रेस ने अपने सीएम कैंडिडेट की घोषणा की है। वहीं, जेडीएस एचडी कुमारस्वामी को सीएम पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार मानकर चल रही है। यदि सत्तारूढ़ भाजपा की बता करें तो भगवा पार्टी ने यह तो तय कर दिया है कि वह वर्तमान मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की अगुवाई में ही चुनावी मैदान में उतरेगी, लेकिन यह भी कहा है कि नतीजे सामने आने के बाद मुख्यमंत्री तय किया जाएगा। बीजेपी के इस स्टैंड ने दुविधा बढ़ा दी है। वहीं, दूसरी ओर कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी इन दिनों खेमेबाजी से जूढ रही है। कर्नाटक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीके शिवकुमार और विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धारमैया दोनों ही खुद को सीएम कैंडिडेट मानकर चल रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस ने दिल्ली से किसी का नाम तय करके नहीं भेजा है। कांग्रेस और भाजपा आखिर मुख्यमंत्री उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करने से परहेज क्यों कर रही है? आइए जानने की कोशिश करते हैं। गौरतलब है कि 2018 में जब कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हो रहे थे तो उस समय भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने एक साल पहले ही बीएस येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री उम्मीदवार बना दिया था। हालांकि, बीच में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पार्टी ने बसवराज बोम्मई के हाथों में प्रदेश की सत्ता सौंप दी। इस चुनाव में बीजेपी सतर्कता से आगे बढ़ रही है। पार्टी के पास वैसे भी येदियुरप्पा के कद का कोई कद्दावर चेहरा नहीं है। हिंदी भाषी राज्यों की तरह कर्नाटक में भी जाति हावी है। यही कारण है कि सत्तारूढ़ भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए दो प्रभावशाली जातियों लिंगायत और वोक्कालिगा को साधने की कोशिश कर रही है। हाल ही में दोनों के आरक्षण के कोटे में 2-2 प्रतिशत का इजाफा किया गया था। कर्नाटक में लिंगायत भाजपा के पारंपरिक वोटर माने जाते हैं। लेकिन वोक्कालिगा का समर्थन जेडीएस के पास है। कर्नाटक में लिंगायत सुमदाय के अब तक तीन मुख्यमंत्री रहे हैं। बीएस येदियुरप्पा, जगदीश शेट्टार और बीएस बोम्मई ने कर्नाटक की कमान संभाली थी। येदियुरप्पा ने अब अपने सियासी रिटायरमेंट की घोषणा कर दी है। वह न तो चुनाव लड़ेंगे और न ही सीएम पद के दावेदार हैं। अब बीजेपी लिंगायत और वोक्कालिगा दोनों को एक पटरी पर लाने की कोशिश कर रही है। यही कारण है कि बीजेपी चुनाव प्रचार समिति की जिम्मेदारी लिंगायत समुदाय से आने वाले बसवराज बोम्मई को दी है। वहीं, चुनाव प्रबंधन की कमान वोक्कालिगा समुदाय से आने वाली केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे के पास है। कर्नाटक में कुछ कैबिनेट मंत्री ऐसे भी हैं जो खुद को सीएम पद का प्रबल दावेदार मानते हैं। यहां भारतीय जनता पार्टी कई धड़ों में बंटी हुई है। बसवराज बोम्मई, बीएस येदियुरप्पा, बीएल संतोष के अपने-अपने खेमे हैं। बासनगौड़ा आर पाटिल, केएस ईश्वरप्पा, एएच विश्वनाथ, सीपी योगीश्वरा जैसे अनुभवी भाजपा नेताओं का भी एक मजबूत समर्थन आधार है। ऐसे में अगर पार्टी किसी एक चेहरे पर दांव लगाती है तो इससे दूसरे गुटों के नेताओं में असंतोष पैदा होगा। कर्नाटक में कांग्रेस का भी हाल बीजेपी के जैसा ही है। देश की सबसे पुरानी पार्टी यहां कई गुटों में बटी हुई है। एक तरफ प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार का खेमा है तो दूसरी तरफ पूर्व सीएम सिद्धारमैया का गुट है। दोनों नेता कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए खुलकर अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। कांग्रेस इस कलह को चुनाव तक रोकना चाहती है। दोनों नेताओं के राजनीतिक कद और आधार वोट का लाभ उठाना चाहती है। डीके शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कोरबा समुदाय से आते हैं। प्रदेश में उनकी छवि एक मजबूत ओबीसी नेता के तौर पर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक में कांग्रेस के सबसे मजबूत दलित चेहरा रहे हैं। हालांकि वह मुख्यमंत्री उम्मीदवार नहीं हैं। लेकिन कांग्रेस अगर सत्ता में आती है तो मुख्यमंत्री का फैसला करने वाले में वो भी रहेंगे। वह कलबुर्गी से नौ बार विधायक चुने जा चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष से पार्टी के लिए दलित वोटों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। कांग्रेस आज अपने राजनीतिक इतिहास में सबसे कमजोर स्थिति में है। कांग्रेस का जनाधार और राजनीतिक जमीन सिमटती जा रही है। पार्टी 9 साल से केंद्र की सत्ता से बाहर है।

कामयाब रहा इसरो का रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ऑटोनोमस लैंडिंग मिशन

- चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.6 किमी. की ऊंचाई पर हवा में छोड़ा गया रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल
- व्हीकल ने धीमी गति से उड़ान भरने के बाद लैंडिंग गियर के साथ एटीआर में लैंड किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को सुबह डीआरडीओ और भारतीय वायु सेना के साथ कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ऑटोनोमस लैंडिंग मिशन (आरएलवी लेक्स) का सफलतापूर्वक संचालन किया। भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.6 किमी. की ऊंचाई पर हवा में छोड़े गए रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ने खुद ही आधा घंटे बाद एटीआर में लैंड किया। इसरो ने एक बयान में बताया कि इस रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ऑटोनॉमस लैंडिंग मिशन को आज सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर कर्नाटक के चित्रदुर्ग के एटीआर से संचालित किया गया। आरएलवी लेक्स को भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाकर 4.6 किलोमीटर की रेंज पर छोड़ा गया। इसके बाद रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ने धीमी गति से उड़ान भरी। इसके कुछ देर बाद उसने लैंडिंग गियर के साथ खुद ही एटीआर में 7.40 बजे लैंड किया। यह परीक्षण सफल होने के बाद रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल के सहारे रॉकेट को दोबारा लॉन्च किया जा सकता है। इस परीक्षण में इसरो के साथ भारतीय वायु सेना, सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान और एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने योगदान दिया। इसरो बीते कुछ सालों में लगातार एक के बाद एक कामयाबी की इबारत लिख रहा है। इसी क्रम में यह परीक्षण भी एक और बड़ा कदम माना जा रहा है। इसरो इस पर काफी लंबे समय से काम कर रहा है कि कम लागत में कैसे अच्छी तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने भी कहा था कि आने वाले दिनों में इसरो अधिक से अधिक अनुसंधान और उसके डेवलपमेंट पर ध्यान देकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ा कामयाबी हासिल करेगा। यह एक स्वदेशी स्पेस शटल है, जिसे ऑर्बिटल री-एंट्री व्हीकल (ओआरवी) के नाम से भी जाना जाता है। आज का परीक्षण सफल होने के बाद भारत अंतरिक्ष में ना सिर्फ सैटेलाइट लॉन्च कर सकेगा, बल्कि भारत की आसमानी सुरक्षा और मजबूत होगी। ऐसी ही टेक्नोलॉजी का फायदा चीन, अमेरिका और रूस भी लेना चाहते है, क्योंकि ऐसे यानों की मदद से किसी भी दुश्मन के सैटेलाइट्स को उड़ाया जा सकता है। इतना ही नहीं, इन विमानों से डायरेक्टेड एनर्जी वेपन भी चलाया जा सकता है, जिससे दुश्मन की संचार तकनीक को ऊर्जा की किरण भेजकर खत्म किया जा सके। भारत इसी यान की मदद से अपने दुश्मन के इलाके में किसी कंप्यूटर सिस्टम को नष्ट करने या बिजली ग्रिड उड़ाने में सक्षम हो सकता है। इसरो इस प्रोजेक्ट को 2030 तक पूरा करने की तैयारी में है, ताकि बार-बार रॉकेट बनाने का खर्च बच सके। ये सैटेलाइट को अंतरिक्ष में छोड़कर वापस लौट आएगा, जिससे स्पेस मिशन की लागत 10 गुना कम हो जाएगी। अत्याधुनिक और रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल के अगले वर्जन से भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में भेजा जा सकेगा।

आगरा में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दिए संकेत, ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में होगा परिवर्तन

आगरा, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रविवार को आगरा नगर निगम सदन कक्ष में ब्लॉक प्रमुख, बीडीओ सम्मेलन में पहुंचे है। उन्होंने ग्राम विकास की विभागीय योजनाओं, आगरा मंडल के समस्त मुख्य विकास अधिकारियों, क्षेत्र पंचायत प्रमुखों एवं ग्राम विकास विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर दिशा निर्देश दिए। नगर निगम सदन कक्ष में आयोजित सम्मेलन में आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद व मैनपुरी से 42 से अधिक ब्लॉक प्रमुख व उनके प्रतिनिधि शामिल हुए। सम्मेलन में अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। सभी ने अलग-अलग विषयों पर चर्चा की। सम्मेलन में प्रमुखों ने शस्त्र लाइसेंस दिलाने, मनरेगा में बजट का प्रावधान करने, सार्वजनिक भूमि से कब्जे हटवाने और प्रमुखों का प्रोटोकॉल निर्धारित करने की मांग की। इसमें बीडीओ के लिए तबादला नीति बनाने की मांग भी की गयी। उपमुख्यमंत्री ने ब्लॉक प्रमुख के चुनावों में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं।

पूर्व मंत्री ने मायावती को दिया जवाब, गरीबों की दवा का ही कर दिया था घोटाला

– मायावती ने की नगर निकाय चुनाव की समीक्षा बैठक, स्वाती सिंह ने उनके भाषणों का दिया जवाब

लखनऊ, (हि.स.)। जब भी बसपा की सरकार आयी, भ्रष्टाचार लाई। आज भी सबको याद होगा, गरीबों के वोट से राज करने वाली बसपा ने एनआरएचएम घोटाला कर गरीबों की दवा ही खा गयीं थी। स्वयं महिला होकर भी आज तक एक भी महिला को राजनीति में आगे बढ़ने नहीं दिया। आज हर गरीब समझ चुका है कि जब नगर निकाय चुनाव आया तो बसपा को कानून व्यवस्था में खामियां नजर आने लगी। यह प्रतिक्रिया भाजपा नेता और पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने दीं। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुलने वाला है। वे बसपा प्रमुख द्वारा रविवार को नगर निकाय चुनाव को लेकर कार्यकताओं के बीच कही गयी बातों को लेकर हिन्दुस्थान समाचार से विशेष प्रतिक्रिया दे रही थीं। मायावती ने कहा था, बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और बदहाल कानून-व्यवस्था तथा इससे उत्पन्न अराजकता जैसी विकट समस्याओं से निपटने को सरकार ध्यान नहीं दे रही है, जो चिंता की बात है। पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कहा कि जिसके शासन काल में सर्वाधिक भ्रष्टाचार रहा हो, उसे रामराज्य में भ्रष्टाचार दिखाई दे रहा है। गरीबों के वोट पर राज करने वाली मायावती के बारे में आज हर गरीब समझ गया है। वह अब उनके छलावे में नहीं आने वाला। यही कारण है कि कभी सत्ता में रहने वाली बसपा का विधानसभा में मात्र एक सीट है। पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कहा कि गरीबों के लिए चिंता करने वाला इस देश में एक मात्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। उज्ज्वला योजना लाकर प्रधानमंत्री ने हर घर तक गैस-चूल्हा पहुंचाया। गरीबों को घर दिया। कोई गरीब भूखा न रहे, इसके लिए उन्होंने कोविड काल में फ्री राशन की व्यवस्था की, जो कोविड काल के बाद भी चल रहा है। स्वाती सिंह ने कहा कि मायावती हमेशा से महिला और दलित विरोधी रही हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में न तो कभी गरीबों के लिए कोई योजना चलाई और न ही महिलाओं को आगे लाने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमेशा जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिला और गरीबों के हितों का ध्यान रखा। स्वाती सिंह ने कहा कि मायावती चाहे जितना कोशिश कर लें, जनता जान चुकी है और नगर निकाय चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुलने वाला है।

एरोबिक विधि से धान की सीधी बुआई तकनीक को अपनाने की जरूरत : पीके सिंह

रांची, (हि.स.)। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के अपर निदेशक अनुसंधान डॉ. पीके सिंह ने कहा कि झारखंड राज्य की सबसे प्रमुख फसल धान है। ऐसी स्थिति में राज्य में मौसम परिवर्तन को देखते हुए किसानों को सीमित स्तर पर एरोबिक विधि से धान की सीधी बुआई तकनीक को अपनाने की जरूरत है। इससे विषम मौसम में भी किसानों को नुकसान नहीं होगा। डॉ सिंह रविवार को बीएयू के निदेशालय अनुसंधान अधीन संचालित अखिल भारतीय समन्वित चावल सुधार अनुसंधान परियोजना के जनजातीय उप परियोजना के तहत एकदिवसीय प्रशिक्षण सह उपादान वितरण कार्यक्रम के समापन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खरीफ 2021 में राज्य में धान का बंपर उत्पादन हुआ, जबकि मौसम के बेरुखी की वजह से खरीफ 2022 में धान के रकबा में 9.32 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल की कमी और करीब 35 लाख टन कम धान का उत्पादन हुआ। सिंह ने कहा कि किसानों के खेतों में बीएयू द्वारा विकसित सुगंधित किस्म बिरसा विकास धान-1 का बढ़िया प्रदर्शन देखने को मिला है।

इस किस्म की खेती और इसके चावल दाने को बेचकर किसान दुगुनी से अधिक कमाई कर सकते है। उन्होंने सभी किसानों को चावल सुधार परियोजना के अधीन बैटरी चालित स्प्रे मशीन उपादान स्वरूप प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान परियोजना प्रभारी (चावल सुधार) डॉ कृष्णा प्रसाद ने झारखंड में धान उत्पादन से संबंधित नई तकनीकी, डॉ एखलाख अहमद ने धान उत्पादन की बढ़ोतरी में फसल प्रजाति की भूमिका, डॉ वर्षा रानी ने सुखाड़ में धान फसल का प्रबंधन, डॉ पीबी साहा ने धान उत्पादन में माइक्रोन्यूट्रीएंट का महत्त्व, डॉ रबिन्द्र प्रसाद ने धान फसल में कीट व्याधि का प्रबंधन एवं डॉ एमके बर्नवाल ने धान फसल में प्रमुख रोगों का प्रबंधन के बारे में बताया। परियोजना प्रभारी (चावल सुधार) डॉ कृष्णा प्रसाद ने बताया कि इस कार्यक्रम में गुमला जिले सिसई के प्रखंड, खूंटी जिले के अड़की प्रखंड एवं रांची जिले के मांडर, इटकी, कांके एवं सोनाहातू प्रखंड के कुल 12 गांवों से कुल 50 किसानों ने भाग लिया। इन किसानों से खरीफ-2022 में बिरसा विकास धान-1 किस्म पर कराये गये अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण के प्रदर्शन एवं अनुभवों को साझा किया गया।

बिहार की सभी लोकसभा सीटें जीतेगी भाजपा, खत्म होगा जंगलराज : अमित शाह

नवादा (बिहार), (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार को बिहार की धरती पर राज्य की महागठबंधन सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने सबसे पहले बिहार में हुई हिंसा पर नीतीश सरकार को घेरा और कहा कि यहां जंगलराज की वापसी हो गई है लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा राज्य की सभी 40 लोकसभा सीटें जीतेगी। बिहार की जनता ने इसके लिए मन बना लिया है। इसी के साथ बिहार में जंगलराज का खात्मा हो जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री रविवार को नवादा जिले के हिसुआ इंटर स्कूल के मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार आज बारूद के ढेर पर बैठा है। बिहारशरीफ और सासाराम जल रहा है। नीतीश कुमार से प्रशासन संभल नहीं रहा। इस कारण दंगे हो रहे हैं। जब तक महागठबंधन की सरकार को खत्म नहीं किया जाएगा तब तक बिहार विकास के रास्ते पर कदम पर नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा, मुझे सासाराम जाना था। वहां सम्राट अशोक की जयंती पर कार्यक्रम होना था लेकिन दुर्भाग्य है कि वहां लोग मारे जा रहे हैं। गोलियां चल रही हैं। इसलिए वहीं जा सका। मैं वहां की जनता से यहीं से क्षमा मांगता हूं। अगले दौरे में सासाराम में सभा जरूर करूंगा। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि बिहार में जल्द ही शांति हो। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद बिहार में महागठबंधन की सरकार गिर जाएगी और भाजपा की सरकार बनेगी। देश की जनता ने तय किया है कि मोदी को तीसरी बार भी प्रधानमंत्री बनाएंगे। हमारी सरकार बनने पर दंगा करने वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम करेंगे। हम वोट बैंक की राजनीति नहीं करते। हमारी सरकार में दंगे नहीं होते हैं। शाह ने नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 2009 से 14 तक बिहार को केंद्र सरकार 50 हजार करोड़ दिया करती थी लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार बनते ही 2014 से 19 तक बिहार को 01 लाख 09 हजार करोड़ कर दी गई। साथ ही कहा बिहार में 85 लाख किसानों को 6 हजार खाते में दिए जा रहे हैं।

सवा चार लाख मैट्रिक टन अनाज गरीबों को बांटी जा रही है। बिहार के गरीबों के बीच एक करोड़ 10 लाख गैस सिलेंडर मुफ्त में बांटे गए। 85 लाख गरीबों को मुफ्त इलाज की व्यवस्था कराई गई है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि दो लाख डेयरी प्रोजेक्ट बिहार की सभी पंचायतों में खोलने की योजना है, ताकि रोजगार मुहैया कराई जा सके। वारसलीगंज तथा रजौली में परमाणविक संयंत्र के सहारे बिजली का उत्पादन किया जाएगा। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने क्यूल गया रेलखंड का दोहरीकरण, वारसलीगंज रेलवे ट्रैक पर ओवरब्रिज का निर्माण, नवादा से पावापुरी रेलखंड को जोड़ने का काम के साथ बख्तियारपुर से रजौली तक फोर लेन का निर्माण सहित कई उपयोगी कार्य कराएं हैं, जो दूसरी सरकार में संभव नहीं हो पाया था। अमित शाह ने कहा कि मैं बिहार की जनता और ललन बाबू को स्पष्ट कहना चाहता हूं कि चुनाव परिणामों के बाद भी नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे हमेशा के लिए बंद रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैंने राज्यपाल को फोन किया तो ललन सिंह बुरा मान गए। वे कहते हैं कि बिहार में क्यों हस्तक्षेप कर रहे हैं। नीतीश कुमार की सत्ता की भूख ने लालू की गोद में बैठने पर मजबूर कर दिया। हमारी कोई मजबूरी नहीं है। हम जनता के बीच जाएंगे। लोगों को बताएंगे। महागठबंधन की सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे।

जनसभा को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, पूर्व मंत्री राधामोहन सिंह, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, भाजपा के प्रांतीय अध्यक्ष सम्राट चौधरी, विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता विजय कुमार सिंह, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर संजय जायसवाल और मंगल पांडे ने भी संबोधित किया। जनसभा में शामिल होने के लिए नवादा समेत गया, नालंदा, शेखपुरा जिले से भी बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पहुचे। इसके लिए पिछले एक पखवाड़े से तमाम भाजपा के नेता गांव-गांव जाकर लोगों को आमंत्रण दे रहे थे।

चिकित्सा सेवा का लक्ष्य है मानव जीवन को सुगमता प्रदान करना : आनंदी बेन पटेल

– अंगदान किसी को जीवनदान देने का महत्वपूर्ण साधन है

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने रविवार को लखनऊ स्थित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, वेलसन मेडिसिटी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा का लक्ष्य मानव जीवन को सुगमता प्रदान करना है। चिकित्सा सेवा की अन्य मानव सेवाओं से कोई तुलना नहीं। राज्यपाल ने चिकित्सा संस्थान को बधाई देते हुए अपेक्षा की कि चिकित्सक रोगियों के उपचार में कोई कमी नहीं लायेगें। अस्पताल में आने वाले प्रत्येक रोगी को उत्कृष्ट चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करेंगे। रोगी के लिए डॉक्टर उसका भगवान होता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाएं यहां आने वाले मरीजों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी। राज्यपाल ने कहा कि लखनऊ शिक्षा का हब बनने के साथ-साथ अब चिकित्सा हब बनने की दिशा में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। यहां अनेक चिकित्सा संस्थाएं हैं जो अपनी विशिष्ट पहचान रखती हैं, जहां प्रदेश के ही नहीं, बल्कि अन्य प्रदेशों और यहां तक नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों से भी अनेक लोग उपचार के लिये आते हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध केजीएमयू, एसजीपीजीआई, आरएमएल आयुर्विज्ञान संस्थान जैसे चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा केन्द्रों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ में अनेक गम्भीर रोगों का इलाज भी होता है, जिससे यहां के लोगों को अंयत्र नहीं जाना पड़ता है। राज्यपाल ने भारत में स्वस्थ चिकित्सा परम्परा की चर्चा भी की और कहा कि हमारे चिकित्सकों में पेशे और स्वास्थ्य सेवा के ढांचे को श्रेष्ठ बनाने की क्षमता और समर्पण है। कम लागत और सस्ती चिकित्सा पद्धति की वजह से हमारे देश को चिकित्सा उपचार के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में जाना जाता है। चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा मिलने से कई देशों से चिकित्सा लाभ के लिये रोगी यहां आ रहे हैं। इसको बनाये रखने के लिये युवा चिकित्सकों पर बड़ी जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में अंगदान के महत्व पर जोर दिया और कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के इस युग में अंगदान किसी को जीवनदान देने का एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन बन गया है। अंगदान के पीछे सबसे बड़ी भावना यह होती है कि जाते समय भी किसी की जान बचाई जाए। उन्होंने सुझाव दिया अस्पताल अंगदान और रक्तदान के लिए मुहिम चलाये और ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसके लिये प्रेरित करे। राज्यपाल ने स्वस्थ जीवन के लिए मोटे अनाज के सेवन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इनका सेवन मानव के बेहतर स्वास्थ्य को बनाये रखने में सहायक होते हैं और अनेक बीमारियों से उन्हें बचाते भी हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि अस्पताल आने वाले मरीजों को हफ्ते में कम से कम दो बार मिलेट्स का आहार लेने के लिये प्रेरित किया जाए। इसके साथ ही अस्पताल की कैंटीन में भी मोटे अनाज से बने व्यंजनों को परोसा जाए। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की, कि अस्पताल में आने वाले हर वर्ग के मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले और धन के अभाव में किसी को इलाज से वंचित ना होना पड़े।

पश्चिम बंगाल में हिंसा से भारतीय अवाम पार्टी नाराज, ममता बनर्जी का पुतला फूंका

वाराणसी, (हि.स.)। रामनवमी शोभायात्रा पर पश्चिम बंगाल के हावड़ा में पत्थरबाजी को लेकर भारतीय अवाम पार्टी ने नाराजगी जताई है। पार्टी के कार्यकताओं ने रविवार को लमही स्थित मुंशी प्रेमचंद स्मृति द्वार पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंक आक्रोश जताया। कार्यकर्ताओं ने ममता सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में सनातन संस्कृति पर सुनियोजित हमला है। बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों ने अब पश्चिम बंगाल में तांडव शुरू कर दिया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने आतंकियों को खुली छूट दे रखी है। सरकार की मुखिया ममता बनर्जी ने चेताया था कि रमजान में किसी मुस्लिम के घर हमला हुआ तो मैं किसी को नहीं छोड़ूंगी। लेकिन रामनवमी पर्व को लेकर उन्होंने जिहादियों को कोई चेतावनी नहीं दी। जो अपनी घर की छतों से रामनवमी शोभायात्रा पर हर बार पत्थरबाजी करते हैं। सरकार की शह पर घुसपैठियों और रोहिंग्यों ने पश्चिम बंगाल से हिन्दुओं को भगाने और हर इलाके को मुस्लिम इलाका बनाने, हिन्दुओं के घरों पर कब्जा करने की बड़ी साजिश रची है। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष नजमा परवीन ने कहा कि ममता सरकार सारी हदें पार कर चुकी है। घुसपैठियों को सर पर चढ़ाकर हिन्दुओं पर अत्याचार करवा रही है। पश्चिम बंगाल में ममता सरकार को बर्खास्त कर तत्काल वहां राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। ममता और उसके भतीजे को गिरफ्तार कर जेल में डालना चाहिए। नजमा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की स्थिति भयावह हो चुकी है। कई इलाकों पर घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों का कब्जा हो चुका है। हिन्दुओं और सनातन संस्कृति के प्रति ममता के नफरत पूर्ण बयान आ रहे हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश ने कहा कि ममता बनर्जी का कहर दलितों पर टूट रहा है। दलित अब पश्चिम बंगाल में शोभायात्रा भी नहीं निकाल सकते। उन्हें पूजा के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। पुतला दहन कार्यक्रम में नाजनीन अंसारी, देवेन्द्र नाथ सिंह, अनिल कुमार पाण्डेय, अजय कुमार सिंह, ओ०पी० सिंह, सुनीता श्रीवास्तव, जय प्रताप सिंह, प्यारे लाल, सूरज कुमार आदि शामिल रहे।

रांची का बिरसा मुंडा एयरपोर्ट ग्राहक संतुष्टि मामले में दूसरे स्थान पर

रांची, (हि.स.)। रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट को ग्राहक संतुष्टि में देश भर में दूसरे स्थान पर रहा। पहले स्थान पर उदयपुर एयरपोर्ट रहा। यह सर्वे अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच घरेलू उड़ान भरने वाले लोगों से समीक्षा करके तैयार किया गया है। इस संबंध में एयरपोर्ट निदेशक केएल अग्रवाल ने बताया कि देश भर के 52 एयरपोर्ट में ग्राहक संतुष्टि सर्वे किया गया था। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एक निजी एजेंसी के माध्यम से सर्वे कराया था। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार उन्हें आगामी शुक्रवार को नयी दिल्ली में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित कार्यक्रम में दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुरस्कार मिलने से एयरपोर्ट कर्मियों और अधिकारियों में नई ऊर्जा का संचार होगा, और आने वाले दिनों में देश का नंबर वन एयरपोर्ट बनाने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस सर्वे में एयरपोर्ट पर मिलने वाली जनसुविधा और उसके कार्यप्रणाली का ध्यानपूर्वक जांच के बाद ग्रेडिंग की जाती है। इसमें 50 से अधिक मानक तय किये गये थे। जैसे एयरपोर्ट स्टाफ के व्यवहार, सफाई, शॉपिंग की सुविधा, पार्किंग की सुविधा, रेस्टोरेंट में पैसे के एवज में मिलने वाली सुविधाएं और ग्राउंड पर मिलनेवाली स्टाफ की सुविधाएं शामिल हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री के मंच पर कई दिग्गज भाजपा में शामिल, महिलाओं की भी जुटी भारी भीड़

नवादा, (हि.स.)। बिहार में नवादा जिले के हिसुआ में लोकसभा प्रवास यात्रा के तहत रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आगमन इंटर स्कूल के मैदान में हुआ। अमित शाह की सभा में भारी संख्या में भीड़ जुट चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारी संख्या में महिलाओं की भी भीड़ जुटी है ।मंच पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ,बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा, प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, शाहनवाज हुसैन, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष डॉ संजय जयसवाल ,पूर्व मंत्री मंगल पांडे, सुशील चौधरी ,डॉ पूनम शर्मा आदि मौजूद है। प्रान्त के बड़े नेताओं ने अमित शाह के आने के पूर्वी भाजपा से अलग हुए कई दिग्गजों को पार्टी में शामिल कराया। जिसमें भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष शशि भूषण सिंह उर्फ बबलू, नवादा के पूर्व सिविल सर्जन चर्चित चिकित्सक डॉ विमल कुमार सिंह, गोविंदपुर के विधानसभा प्रत्याशी रहे दबंग नेता रंजीत यादव सहित कई दिग्गजों को पार्टी की सदस्यता दिला कर उन्हें दल में शामिल करा लिया गया। उनके सैकड़ों समर्थकों को भी शामिल किया गया ।अमित शाह के आने के पूर्व भी सभा स्थल पर जुटे भारी संख्या में लोग" फिर अबकी बार मोदी सरकार "के नारे लगा रहे हैं। आकर्षक पंडालों में गर्मजोशी के साथ भारी संख्या में उपस्थित पार्टी कार्यकर्ता तथा नागरिक अमित शाह के आने का इंतजार कर रहे हैं। महत्वपूर्ण लोगों को पार्टी में शामिल कराए जाने से कार्यकताओं में खुशी देखी जा रही है ।जिंदाबाद के गगनभेदी नारे भी लगाए जा रहे हैं।

दो लाख से अधिक बेटियों को आत्मरक्षा में निपुण बनायेगी योगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार बेटियों को सक्षम और सशक्त बनाने के साथ ही अब उन्हें आत्मरक्षा में भी निपुण बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को बेसिक शिक्षा विभाग के तहत स्कूल चलो अभियान की शुरूआत के साथ ही वीरांगना लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के मॉड्यूल का भी विमोचन किया है। इस मॉड्यूल के तहत प्रदेश के 45 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली दो लाख से अधिक छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा। इस मॉड्यूल के तहत छह दिवसीय इस कार्यक्रम का पूरा शेड्यूल दिया गया है। जिसमें उन्हें प्रशिक्षण के साथ-साथ आत्मरक्षा के महत्व के बारे में भी बताया जाएगा। साथ ही उन्हें विभिन्न ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से ईव टीजिंग, साइबर बुलींग, एसिड अटैक जैसी चीजों के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा खेलकूद के माध्यम से छात्राओं को शारीरिक रूप से भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित परिषदीय एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं को मानसिक तथा शारीरिक रूप से शक्तिशाली बनाए जाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार इस कार्यक्रम को संचालित करने जा रही है। इस योजना के तहत 11 से 14 वर्ष की छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा। छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण के साथ-साथ मानसिक रूप से संतुलित एवं किसी भी अप्रत्याशित घटना के विरुद्ध सशक्त होने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। विद्यालयों में तैनात शारीरिक व्यायाम शिक्षक व अनुदेशक प्रत्येक कार्य दिवस में एक घंटे की अवधि का सत्र आयोजित करेंगे। इस सत्र में व्यायाम, योग, साफ-सफाई के साथ आत्मरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण को शामिल किया गया है। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इस मॉड्यूल के तहत 50-50 के बैच में 1200 शारीरिक शिक्षकों को एक सप्ताह तक स्पेशल ट्रेनिंग दी जाएगी। इसकी अवधि प्रतिदिन 6-8 घंटे (सोमवार-शनिवार) होगी। प्राथमिक कवरेज के तहत सभी 75 जनपदों में संचालित 45000 सरकारी विद्यालयों में कक्षा 06, 07 व 08 (11-14 वर्ष आयु) की छात्राओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। एक प्रशिक्षक और एक सहायक 50 प्रशिक्षणार्थियों के लिए नियुक्त किए जाएंगे। परियोजना के लिए सलाहकार एजेंसी के रूप में महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (डब्ल्यूसीएसओ) 1090 का सहयोग लिया गया है। यदि बालिकाएं आत्मरक्षा में सक्षम हो जाएं तो महिलाओं को कमजोर समझने वाले अपराधियों के हौसले भी पस्त कर सकती हैं। इस प्रशिक्षण के बाद असुरक्षा के कारण विद्यालय न जाने वाली बालिकाओं की शिक्षा में निरंतरता सुनिश्चित हो सकेगी। इस मॉड्यूल का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मरक्षा में सक्षम व स्वयं के प्रति सशक्त बनाना है। साथ ही बालिकाओं के प्रति अपराधों से संबंधित कानूनों, प्रावधानों के बारे में समझ विकसित करना भी है। बालिकाओं को सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन की सेवाओं के विषय में भी जानकारी दी जाएगी। बालिकाएं आत्मरक्षा की विधियों को सीखकर अन्य बालिकाओं को भी प्रेरित करेंगी।

भगवान महावीर आई हॉस्पिटल में होगा मरीजों को निःशुल्क इलाज : स्वास्थ्य मंत्री

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची के बरियातू रोड स्थित महावीर भवन में रविवार को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने भगवान महावीर आई हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। बन्ना गुप्ता ने कहा कि आंख की परेशानी राज्य के अधिकतर मरीजों में है। उम्मीद करते हैं कि निशुल्क बेहतरीन इलाज की सुविधा इस केंद्र में मिलेगी। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि भगवान महावीर आई हॉस्पिटल में मेडिका नहीं जुड़ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि या तो नाम में मेडिका जोड़ दिया जाये या फिर भगवान महावीर हटा दिया जाये। उन्होंने कहा कि मरीजों को अस्पतालों में ऐसे बिल थमाया जाता है कि मरीजों को सोना-चांदी, जमीन तक बेचना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर सरकारी सिस्टम ठीक हो जाये तो प्राइवेट अस्पतालों में मरीज लुटने से बच जायेंगे। रांची के भगवान महावीर मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल की ओर से मोबाइल नेत्र चिकित्सा वाहन चलाया जाता है। प्रबंधन ने जानकारी दी कि इस वाहन के जरिये राज्य भर में घूम-घूमकर 26047 मरीजों का नेत्र जांच किया जा चुका है। यह राज्य के दुर्गम इलाकों में चलाया जा रहा है। मेडिका की ओर से अस्पताल के बगल में ही परिजनों के रहने के लिए कम दाम पर रूम की व्यवस्था की गयी है। भगवान महावीर आई हॉस्पिटल में गरीब मरीजों को निशुल्क इलाज की सुविधा मिलेगी। यहां मोतियाबिंद का ऑपरेशन लेजर विधि से किया जायेगा। इसके अलावा अन्य आंख संबंधी परेशानियों का भी यहां इलाज मिल सकेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में मेडिका ग्रुप के उद्यन लाहिरी, पूरणमल जैन, सुभाष चंद्र विनायका, पद्म कुमार जैन, विधायक समरी लाल, सांसद संजय सेठ और राज्यसभा सांसद महुआ माजी मौजूद थे।

गजवा-ए-हिंद के रास्ते पर चल रहे नीतीश, बिहार को बंगाल बनाना चाहते हैं : गिरिराज

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि नीतीश कुमार बिहार को दूसरा बंगाल बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ममता बनर्जी के गजवा-ए-हिंद के रास्ते पर चल रहे हैं। बिहार की स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण हो गई है। इसका जवाब नीतीश कुमार को देना होगा। नालंदा एवं सासाराम में रामनवमी जुलूस के दौरान भड़की हिंसा को लेकर रविवार को जारी वीडियो में गिरिराज सिंह ने कहा है कि क्या नीतीश कुमार को पता नहीं था कि हर साल की तरह रामनवमी जुलूस निकलने वाला है। बिहार सरकार का आईबी, इंटेलिजेंस और सिस्टम क्या कर रहा था। जुलूस के मुस्लिम मोहल्ले में जाने पर पथराव कर दिया गया। साजिश के तहत हिंसा भड़काई गई। उन्होंने कहा कि ईंट-पत्थर ही नहीं, गोली और बम चलाए गए। रात भी नालंदा के हिंदू इलाके में जाकर मारा गया। गोलियां चलीं। लोग घायल हुए। हिंदू के जुलूस में तो बम और गोली नहीं होता है। यह प्रशासन की नाकामी नहीं तो और क्या है। हिंदू परिवार का जान-माल खतरे में है। रात में हिंसाग्रस्त इलाके के हिंदू परिवार और मोहल्ला को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है जबकि मुस्लिम मोहल्ले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। यह वोट बैंक की सोची-समझी रणनीति नहीं तो और क्या है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पटना स्थित आवास से दो किलोमीटर की दूरी पर फुलवारी शरीफ में पीएफआई का अड्डा चल रहा था। क्या यह नीतीश कुमार को पता नहीं था। इससे पहले भी फुलवारी शरीफ में लोगों को घर छोड़कर भागना पड़ा। बम ब्लास्ट हो रहा है। प्रशासन ने धारा-144 लगाया, फिर मुकर गई जबकि थानेदार का वीडियो चल रहा है। प्रशासन कह रहा है हमने 144 नहीं लगाया। थानेदार कह रहा है कि 144 लगा दिया गया है। गिरिराज ने कहा कि जिला अधिकारी का अब कहना है कि धारा-144 नहीं लगाई गई है। अगर नहीं लगाई गई है तो इसका साफ मतलब है कि सरकार और प्रशासन द्वारा जानबूझकर बड़े स्तर पर दंगे फैलाए गए। अब जवाब बिहार सरकार को देना है। प्रशासनिक अधिकारी माइक पर ऐलान कर रहे हैं। तमाम मीडिया धारा-144 की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या नीतीश कुमार का प्रशासन पर नियंत्रण नहीं है। नीतीश कुमार से जब अपना गृह जिला नालंदा नहीं संभल रहा है तो क्या करे हिंदू। प्रशासन और सरकार के संरक्षण में मुस्लिमों का मनोबल बढ़ा है, जिसका दुष्परिणाम सासाराम और नालंदा की घटना है।

संपादकीय

विदेशी हस्तक्षेप का एकसुर में विरोध हो

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि प्रकरण में सजा होने एवं संसद सदस्यता जाने के मामले में जिस तरह की प्रतिक्रियाएं जर्मनी एवं अमेरिका से आई हैं, उनके आधार पर कहा जा सकता है कि भारत के आंतरिक एवं लोकतांत्रिक मामलों में यूरोपीय देशों द्वारा हस्तक्षेप करने संबंधी राहुल गांधी के वक्तव्य का असर दिखना शुरू हो गया है। कांग्रेस के 'विदेशी दोस्त' अब भारत के आंतरिक, लोकतांत्रिक एवं न्यायिक व्यवस्था पर टिप्पणी कर रहे हैं। जर्मनी के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा, "हमने भारत के विपक्षी नेता राहुल गांधी के खिलाफ फैसले और उसके बाद संसद सदस्यता खत्म किए जाने को संज्ञान लिया है। जहां तक हमारी जानकारी है, मिस्टर गांधी फैसले के खिलाफ अपील करने की स्थिति में हैं। जर्मनी उम्मीद करता है कि इस प्रकरण में न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के मानकों को लागू किया जाएगा"। जरा सोचिए कि इससे पहले दर्जनभर जनप्रतिनिधियों को सजा हुई/दोषी साबित हुए और उनकी सदस्यता समाप्त हुई, तब किसी अमेरिका, जर्मनी या यूरोपीय देश की ओर से चिंता जताई गई थी? अचानक से इस तरह की भारत विरोधी टिप्पणियों के आने के मायने क्या हैं? उल्लेखनीय है कि जब राहुल गांधी ने लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत में कथित तौर पर खत्म होते लोकतंत्र पर अमेरिका एवं यूरोप की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उनकी प्रतिक्रियाओं को आमंत्रित किया, तब भारतीय जनता पार्टी सहित देश के प्रबुद्ध वर्ग ने इसका विरोध किया था। सबने हैरानी जताई थी कि देश की सबसे पुराने राजनीतिक दल का कोई नेता कैसे भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को आमंत्रित कर सकता है। तब कांग्रेस पर यह भी प्रश्न उठाए गए थे कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार सरकार में आने से रोकने के लिए विदेशी हस्तक्षेप की साजिश रची जा रही है? राहुल गांधी के बयान के बाद से कांग्रेस बचाव की मुद्रा में आ गई थी? उसने सफाई देने की भरपूर कोशिश की थी कि कांग्रेस भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की हामी नहीं है। हम अपने अंदरुनी मामले खुद ही अपने स्तर पर सुलझा लेंगे। परंतु जैसे ही जर्मनी के विदेश मंत्रालय एवं वहाँ की मीडिया ने राहुल गांधी प्रकरण में भारत विरोध टिप्पणी की, तब कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने उनका स्वागत करके, एक बार फिर भाजपा एवं प्रबुद्ध वर्ग की चिंताओं को गहरा दिया है कि कांग्रेस भारत के अंदरूनी मामलों में विदेशी हस्तक्षेप का आग्रह कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने ट्वीट करके जर्मनी एवं डायचे वेले के संपादक रिचर्ड वाल्कर का स्वागत किया है- "भारत में कैसे राहुल गांधी को प्रताड़ित कर लोकतंत्र से समझौता किया जा रहा है, यह बात संज्ञान में लेने के लिए जर्मनी के विदेश मंत्रालय का शुक्रिया।" अन्य नेताओं ने भी लगभग इसी स्वर में कहा है कि जब हम भारतीय नागरिकों के लिए आवाज उठा सकते हैं, तब विदेशी शक्तियां भारत के मामलों पर सवाल क्यों नहीं उठा सकती हैं? कांग्रेस की ओर से आई इस तरह की टिप्पणियों को देखकर यह क्यों नहीं माना चाहिए कि विदेश हस्तक्षेप को आमंत्रित करने के जो आरोप कांग्रेस पर लग रहे हैं, वे सत्य के नजदीक हैं? दिग्विजय सिंह कांग्रेस के कोई सामान्य नेता नहीं हैं, कांग्रेस की नीतियां तय करनेवाले नेताओं में उनका नाम शुमार है। जैसे राहुल गांधी के बयान के बाद कांग्रेस को सफाई देनी पड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब बन गई है। होना तो यह चाहिए था कि कांग्रेस के सभी नेता एकसुर में जर्मनी के विदेश मंत्रालय की ओर से आई टिप्पणी का कड़ा विरोध करते, लेकिन हो उल्टा रहा है। कांग्रेस के नेता प्रसन्नता जाहिर कर रहे हैं। बहरहाल, भारत सरकार को जर्मनी की टिप्पणी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए बल्कि उचित मंच पर इसके लिए कड़ी आपत्ति जतानी चाहिए। विदेशी ताकतों द्वारा भारत की लोकतांत्रिक एवं न्यायायिक व्यवस्था पर टिप्पणी करने या किसी भी प्रकार से दखल देने का प्रयास करना, स्वीकार नहीं किया जा सकता।

जर्मनी उम्मीद करता है कि इस प्रकरण में न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के मानकों को लागू किया जाएगा"। जरा सोचिए कि इससे पहले दर्जनभर जनप्रतिनिधियों को सजा हुई/दोषी साबित हुए और उनकी सदस्यता समाप्त हुई, तब किसी अमेरिका, जर्मनी या यूरोपीय देश की ओर से चिंता जताई गई थी? अचानक से इस तरह की भारत विरोधी टिप्पणियों के आने के मायने क्या हैं? उल्लेखनीय है कि जब राहुल गांधी ने लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत में कथित तौर पर खत्म होते लोकतंत्र पर अमेरिका एवं यूरोप की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उनकी प्रतिक्रियाओं को आमंत्रित किया, तब भारतीय जनता पार्टी सहित देश के प्रबुद्ध वर्ग ने इसका विरोध किया था। सबने हैरानी जताई थी कि देश की सबसे पुराने राजनीतिक दल का कोई नेता कैसे भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को आमंत्रित कर सकता है। तब कांग्रेस पर यह भी प्रश्न उठाए गए थे कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार सरकार में आने से रोकने के लिए विदेशी हस्तक्षेप की साजिश रची जा रही है? राहुल गांधी के बयान के बाद से कांग्रेस बचाव की मुद्रा में आ गई थी? उसने सफाई देने की भरपूर कोशिश की थी कि कांग्रेस भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की हामी नहीं है। हम अपने अंदरुनी मामले खुद ही अपने स्तर पर सुलझा लेंगे।

राजनीतिक दलों के नेता एवं संप्रदायों के कतिपय स्वनामधन्य नेताओं में परस्पर होड़ लगी हुई

नफरती सोच और घृणा भाषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी सभी के लिए बड़ा संदेश है

ललित गर्ग

भारत की एकता और अखण्डता को बांटना अक्षम्य अपराध है। इसलिये इनदिनों देश के ताजा मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने 'हेट स्पीच' एवं नफरती बयानों-भाषणों पर तल्ख टिप्पणी की है। दो न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि नेता जिस दिन राजनीति में धर्म का इस्तेमाल छोड़ देंगे, नफरती भाषण भी बंद हो जाएंगे। भारत के लोग दूसरे समुदायों के लोगों का अपमान न करने, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सद्भावना कायम करने का संकल्प क्यों नहीं लेते? अदालत ने जवाहर लाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके भाषणों को लोग दूर-दूर से सुनने आत थे। वैसी नजीर अब कोई नेता क्यों पेश नहीं करना चाहता। अदालत ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि लोग समुदाय विशेष को लेकर ही नफरती भाषणों के खिलाफ चुनिंदा तरीके से मुकदमें क्यों दर्ज कराते हैं।

राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले भाषणों की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। संकीर्णता एवं साम्प्रदायिकता का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। अब तो ऐसा भी महसूस होने लगा है कि देश की दंड व्यवस्था के तहत जहां 'हेट स्पीच' को नये सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है वहीं इस समस्या से निपटने के लिए 'हेट स्पीच' को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है? राजनेताओं एवं तथाकथित धर्मगुरुओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ भाषणों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर कड़ी टिप्पणी की है। एक मामले पर दो दिनों तक चली सुनवाई में अदालत ने केंद्र सरकार से पूछा कि ऐसे नफरती भाषणों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई है? हालांकि सर्वोच्च न्यायालय पहले भी अलग-अलग मामलों की सुनवाई करते हुए राजनेताओं और धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों को सार्वजनिक मंचों से बोलते वक्त संयम बरतने की नसीहत दे चुका है, मगर इस प्रवृत्ति में कोई सुधार नजर नहीं आता। कई बार तो ऐसा महसूस होता है कि समाज एवं राष्ट्र में उन्माद, अराजकता एवं अशांति पैदा करने के लिए नफरती भाषण देने की विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता एवं संप्रदायों के कतिपय स्वनामधन्य नेताओं में परस्पर होड़ लगी हुई। इस संबंध में धर्म संसदों में आपत्तिजनक भाषण, राजनीतिक सभाओं में घृणा एवं नफरती बोल एवं विभिन्न चैनलों पर बहस के दौरान आपत्तिजनक टिप्पणियां के दौरान हेट स्पीच के मामलों ने गंभीर एवं जटिल स्थितियों को जन्म दिया है। इस तरह भारत की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाना, 'वसुधैव कुटुम्बकम' एवं सर्वधर्म सद्भाव के मंत्रों को ध्वस्त करना, भारत की एकता और अखण्डता को बांटना अक्षम्य अपराध है। इसलिये इनदिनों देश के ताजा मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने 'हेट स्पीच' एवं नफरती बयानों-भाषणों पर तल्ख टिप्पणी की है। दो न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि नेता जिस दिन राजनीति में धर्म का इस्तेमाल छोड़ देंगे, नफरती भाषण भी बंद हो जाएंगे। भारत के लोग दूसरे समुदायों के लोगों का अपमान न करने, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सद्भावना कायम करने का संकल्प क्यों नहीं लेते? अदालत ने जवाहर लाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके भाषणों को लोग दूर-दूर से सुनने आत थे। वैसी नजीर अब कोई नेता क्यों पेश नहीं करना

चाहता। अदालत ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि लोग समुदाय विशेष को लेकर ही नफरती भाषणों के खिलाफ चुनिंदा तरीके से मुकदमें क्यों दर्ज कराते हैं। उनमें सभी समुदायों और पंथों के खिलाफ दिए गए नफरती भाषणों पर सख्ती क्यों नहीं दिखाई जाती। सर्वोच्च न्यायालय लंबे समय से ऐसे भाषणों, बयानों और तकरीरों के खिलाफ सख्त रहा है। बात केवल मुस्लिम कट्टरता एवं नफरती बयानों की ही नहीं है, करीब दो महीना पहले महाराष्ट्र में आयोजित सकल हिंदू समाज की रैली को लेकर भी न्यायालय ने निर्देश दिया था कि राज्य सरकार सुनिश्चित करे कि वहां कोई नफरती भाषण न होने पाए। उस रैली की वीडियो रिकार्डिंग का भी आदेश दिया था। जब जगह-जगह धर्म संसद करके समुदाय विशेष के खिलाफ नफरती और भड़काऊ भाषण दिए गए थे, तब भी अदालत ने सरकार को सख्त लहजे में इस पर काबू पाने को कहा था। मगर राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं और नेताओं को शायद ऐसी अदालती आदेशों-निर्देशों की कोई परवाह नहीं है। खुद सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात का उल्लेख किया है कि टीवी चैनलों पर आए दिन राजनीतिक दलों के प्रवक्ता सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले वक्तव्य देते रहते हैं। राजनेताओं से किसी भी ऐसे आचरण की अपेक्षा नहीं की जाती, जिससे सामाजिक ताने-बाने पर बुरा प्रभाव पड़ता है। मगर इस दौर की राजनीति का स्वरूप कुछ ऐसा बनता गया है कि दूसरे धर्मों, संप्रदायों, समुदायों के खिलाफ नफरती भाषण देकर अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास किया जाने लगा है। निश्चित ही यह विकृत एवं घृणित सोच वोट की राजनीति का हिस्सा बनती जा रही है। जाहिर है, उसमें भाषा की मर्यादा एवं शालीनता का भी ध्यान नहीं रखा जाता। स्थिति की गंभीरता का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि अब तो राजनीतिक दलों के नेताओं के अलावा धार्मिक नेता भी अपने प्रवचनों में उत्तेजना और कटुता पैदा करने वाले शब्दों का ज्यादा इस्तेमाल करने लगे हैं। इस प्रवृत्ति पर अविलंब अंकुश लगाने की आवश्यकता है ताकि इस समस्या को नासूर बनने से पहले ही इस पर प्रभावी तरीके से नियंत्रण पाया जा सके। उम्मीद है कि विधि आयोग की रिपोर्ट पर केंद्र की ठोस कार्यवाही नहीं करने के बावजूद अब देश की शीर्ष अदालत हेट स्पीच के मुद्दे को लेकर जागरूक होते हुए उचित दिशा-निर्देश दे रही है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर साम्प्रदायिक सौहार्द एवं राष्ट्रीय एकता के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। भारत के लोगों में सहन करने की अद्भुत शक्ति रही है, लेकिन विदेशी ताकतें एवं देश की विरोधी शक्तियां उन्माद एवं नफरत के बीज बौने के तरह-तरह के षड़यंत्र रचते रहते हैं। सोचने की बात तो यह है कि साम्प्रदायिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले सम्प्रदाय एवं समुदाय खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। तभी सर्वोच्च न्यायालय में इन मामलों की सुनवाई कर रही बेंच की अगुवाई कर रहे जस्टिस जोसेफ ने संयम, सहिष्णुता एवं सौहार्द की उपयोगिता को व्यक्त करते हुए कहा, 'सहिष्णुता क्या है? सहिष्णुता का सही अर्थ किसी को बर्दाश्त करना नहीं, बल्कि मतभेदों को स्वीकार करना है।' जरूरत है कि हमारे समाज में ऐसे मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे। निश्चित ही राजनीतिक एवं साम्प्रदायिक स्वार्थों के चलते देश को जोड़ने की बजाय तोड़ने के प्रयास हो रहे हैं, जो अक्षम्य है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी से स्पष्ट है कि इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए सरकारों को संजीदगी दिखाने की जरूरत है। मगर विडंबना है कि ऐसे देश तोडक मामलों को रोकने की जरूरत नहीं समझी गई और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता एवं धर्मगुरु विद्वेष पर भाषण देते रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की ताजा टिप्पणी को राजनीतिक दल एवं विभिन्न सम्प्रदायों के धर्मगुरु-धर्मनेता कितनी गंभीरता से लेंगे, यह कहना मुश्किल है। क्या भारत के लोग खुद ही संकल्प नहीं ले सकते कि वे दूसरे नागरिकों और समुदायों का अपमान नहीं करेंगे। आजादी के अमृत-काल में नफरत एवं उन्माद की आंधी को नियंत्रित करने के लिये विभिन्न धर्मों के बीच एकता, सौहार्द और समन्वय का उद्घोष करना होगा। तभी समूचा भारत नफरती सोच एवं हेट स्पीच के अशोभनीय-परिवेश से मुक्त होगा।

प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ भारत की लड़ाई

प्लास्टिक की थैलियों की अनुमत मोटाई, वर्तमान में 50 माइक्रोन, होगी 30 सितंबर, 2021 से 75 माइक्रोन और 31 दिसंबर, 2022 से 120 माइक्रोन तक बढ़ाया गया। नीति स्तर पर, 2016 के नियमों के तहत पहले से उल्लिखित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) की अवधारणा को बढ़ावा दिया जाना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य प्रदूषण निकायों के साथ, प्रतिबंध की निगरानी करेगा, उल्लंघनों की पहचान करेगा और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत पहले से निर्धारित दंड लगाएगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया है कि 22 राज्यों ने अतीत में एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है, लेकिन इसका बहुत कम प्रभाव आर्द्रभूमि और जलमार्गों को चोक करने और महासागरों में ले जाकर माइक्रोप्लास्टिक में बदलने के संकट पर पड़ा है। अब तक, 22 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश प्लास्टिक प्रदूषण को मात देने की लड़ाई में शामिल हो गए हैं और कैरी बैग, कप, प्लेट, कटलरी, स्ट्रॉ और थर्मोकोल उत्पादों जैसे एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। भारत ने पिछले साल विश्व पर्यावरण दिवस पर घोषित अपने ₹बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन₹ संकल्प के लिए वैश्विक प्रशंसा भी हासिल की है, जिसके तहत उसने 2022 तक सिंगल-यूज प्लास्टिक को खत्म करने का संकल्प लिया है।

भारत ने हाल ही में नैरोबी में होने वाली पांचवीं संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा से एक महीने पहले प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए एक मसौदा प्रस्ताव जारी किया। कुछ अन्य देशों द्वारा प्रस्तुत मसौदों के विपरीत, भारत के ढांचे ने कानूनी रूप से बाध्यकारी होने के बजाय एक स्वैच्छिक दृष्टिकोण का प्रस्ताव दिया। 2019 में, केंद्र सरकार ने 2022 तक भारत को एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक से मुक्त करने के लिए, देश भर में एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए एक बहु-मंत्रालयी योजना बनाई थी। वर्तमान में, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 देश में 50 माइक्रोन से कम मोटाई वाले कैरी बैग और प्लास्टिक शीट के निर्माण, आयात, स्टॉकिंग, वितरण, बिक्री और उपयोग पर रोक लगाता है। पर्यावरण मंत्रालय ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम, 2021 को अधिसूचित किया है। ये नियम 2022 तक विशिष्ट एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं पर रोक लगाते हैं, जिनकी ₹कम उपयोगिता और उच्च कूड़ेदान क्षमता₹ है। प्लास्टिक की थैलियों की अनुमत मोटाई, वर्तमान में 50 माइक्रोन, होगी 30 सितंबर, 2021 से 75 माइक्रोन और 31 दिसंबर, 2022 से 120 माइक्रोन तक बढ़ाया गया। नीति स्तर पर, 2016 के नियमों के तहत पहले से उल्लिखित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) की अवधारणा को बढ़ावा दिया जाना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य प्रदूषण निकायों के साथ, प्रतिबंध की निगरानी करेगा, उल्लंघनों की पहचान करेगा और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत पहले से निर्धारित दंड लगाएगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया है कि 22 राज्यों ने अतीत में एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है, लेकिन इसका बहुत कम प्रभाव आर्द्रभूमि और जलमार्गों को चोक करने और महासागरों में ले जाकर माइक्रोप्लास्टिक में बदलने के संकट पर पड़ा है। अब तक, 22 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश प्लास्टिक प्रदूषण को मात देने की लड़ाई में शामिल हो गए हैं और कैरी बैग, कप, प्लेट, कटलरी, स्ट्रॉ और थर्मोकोल उत्पादों जैसे एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। भारत ने पिछले साल विश्व पर्यावरण दिवस पर घोषित अपने बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन संकल्प के लिए वैश्विक प्रशंसा भी हासिल की है, जिसके तहत उसने 2022 तक सिंगल-यूज प्लास्टिक को खत्म करने का संकल्प लिया है। राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर – उदाहरण के लिए, सभी पेट्रोकेमिकल उद्योगों को – प्रतिबंधित वस्तुओं में लगे उद्योगों को कच्चे माल की आपूर्ति नहीं करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदूषण नियंत्रण समितियां एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं में लगे उद्योगों के लिए वायु/जल अधिनियम के तहत जारी सहमति को संशोधित या रद्द कर देंगी। स्थानीय अधिकारियों को इस शर्त के साथ नए वाणिज्यिक लाइसेंस जारी करने का निर्देश दिया गया है कि उनके परिसर में एसयूपी आइटम नहीं बेचे जाएंगे, और मौजूदा वाणिज्यिक लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे यदि वे इन वस्तुओं को बेचते पाए गए। कम्पोस्टेबल प्लास्टिक के 200 निर्माताओं को एकमुश्त प्रमाणपत्र जारी किया है और बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक के लिए बीआईएस मानकों को पारित किया है। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत दंडित किया जा सकता है – जो 5 साल तक की कैद, या 1 लाख रुपये तक का जुर्माना, या दोनों की अनुमति देता है। उल्लंघनकर्ताओं को पर्यावरण क्षति मुआवजे का भुगतान करने के लिए भी कहा जा सकता है। प्लास्टिक पर कानूनी रूप से बाध्यकारी वैश्विक संधि के गुण सभी देशों पर कानूनों का एक समान सेट लागू होता है जिससे प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए दुनिया भर में संचयी प्रयास को बढ़ावा मिलता है। भूमि, समुद्री आदि सभी प्रकार के प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए वैश्विक अभियान को मजबूत करता है। प्लास्टिक प्रदूषण से लड़ने के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए एक वित्तीय तंत्र बनाने में मदद करता है। सभी देश संधि का पालन करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं क्योंकि प्लास्टिक का विकल्प अवहनीय या दुर्गम या अनुपलब्ध हो सकता है। सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों के सिद्धांत के खिलाफ जाता है। उपभोक्ताओं के रूप में, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे घरों से निकलने वाले सभी प्लास्टिक कचरे को अलग किया जाए और खाद्य अपशिष्ट से दूषित न हो। प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन के लिए प्रभावी ज्ञान की आवश्यकता होती है, न केवल प्लास्टिक का उत्पादन करने वालों में बल्कि इसे संभालने वालों में भी। ब्रांड के मालिक और निर्माता को यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि पैकेजिंग का उद्देश्य पूरा होने के बाद एक प्लास्टिक पैकेजिंग सामग्री का क्या अंजाम होगा। नागरिकों को व्यवहार में बदलाव लाना होगा और कूड़ा नहीं फैलाना होगा और अपशिष्ट पृथक्करण और अपशिष्ट प्रबंधन में मदद करनी होगी। चिन्हित एकल उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के डिजिटल समाधानों के विकल्प के विकास में नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए, स्टार्ट-अप इंडिया पहल के तहत मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों और स्टार्ट-अप के छात्रों के लिए इंडिया प्लास्टिक चैलेंज- हैकथॉन 2021 का आयोजन किया गया है। कॉटन, खादी बैग और बायो-डिग्रेडेबल प्लास्टिक जैसे विकल्पों को बढ़ावा देकर पर्यावरण के अनुकूल और उद्देश्य के अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करें जो अधिक नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। समर्थन में कर छूट, अनुसंधान और विकास निधि, प्रौद्योगिकी ऊष्मायन, सार्वजनिक-निजी भागीदारी, और उन परियोजनाओं का समर्थन शामिल हो सकता है जो एकल-उपयोग की वस्तुओं को रीसायकल करते हैं और कचरे को एक संसाधन में बदल देते हैं जिसे फिर से उपयोग किया जा सकता है। विकल्प बनाने के लिए प्रयुक्त सामग्री के आयात पर करों को कम करना या समाप्त करना। उद्योग को कर छूट या अन्य शर्तों को लागू करके इसके संक्रमण का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करें। प्लास्टिक पैकेजिंग के आयातकों और वितरकों सहित सरकारों को प्लास्टिक उद्योग के प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। उन्हें अनुकूल होने का समय दें।

देश दुनीया से

हर साल लाखों की जान क्यों ले रहा टीबी

टीबी एक ऐसी बीमारी है, जिसने 19वीं सदी में बड़ी संख्या में लोगों की जान ली। अजीब बात है कि आज भी यह संक्रामक बीमारी दुनिया में सबसे अधिक जानें ले रही है। फिर भी इस आपदा की ओर से लोगों ने आंखें बंद कर रखी हैं। 2030 तक के लिए तय किए गए सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स में से ज्यादातर में हम पीछे चल रहे हैं, लेकिन टीबी के मामले में स्थिति कहीं बुरी है। कोरोना महामारी के दौरान जब दुनिया भर में लॉकडाउन लगा तो उससे यह मसला और गंभीर हुआ। इस दौरान कई लोगों में इस बीमारी की पहचान नहीं हो सकी और इसी वजह से उनका इलाज भी नहीं हो पाया। ऐसे में 2030 तक टीबी को लेकर जो लक्ष्य तय किए गए हैं, उसे हासिल करना मुश्किल लग रहा है। वहीं, दूसरे लक्ष्यों को लेकर अभी जो स्थिति है, उसे देखकर लग रहा है कि सभी लक्ष्यों को हासिल करने में 50 साल की देरी होगी। इसकी असल वजह यह है कि इसके तहत 169 प्राथमिकताएं तय की गई हैं, जो बहुत बड़ी संख्या है। इससे पोषण, शिक्षा और टीबी जैसी चुनिंदा समस्याओं और उनसे जुड़े लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो गया है। इन 169 प्राथमिकताओं में रीसाइक्लिंग, शहरी पार्क और पर्यावरणसम्मत जीवनशैली जैसी चीजें भी शामिल हैं, जबकि ये शिक्षा, टीबी और पोषण जितनी महत्वपूर्ण नहीं हैं। फिर भी टीबी को लेकर हाल में हुए एक शोध से उम्मीद जगी है। इस शोध के नतीजों को डॉक्टरों के बड़े वर्ग से भी मान्यता मिली है। अगर इन नतीजों पर अमल किया जाए तो टीबी पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। इस शोध का एक संदेश यह भी है कि 2030 तक के लिए डिवेलपमेंट गोल्स की अहम प्राथमिकताओं में इसे शुमार किया जाए। आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में जितने भी लोग हैं, उनमें से 25 फीसदी में टीबी का बैक्टीरिया है। यहां तक कि यूरोप और अमेरिका जैसे अमीर देशों में भी हर 10वें शख्स में यह कीटाणु है। लेकिन जिन्हें अच्छा और पौष्टिक भोजन मिलता है, उनमें यह रोग का रूप धारण नहीं कर पाता। हर साल करीब 1 करोड़ लोगों को टीबी होती है। लेकिन संसाधनों की कमी के कारण 2021 में सिर्फ 60 लाख लोगों में ही इस मर्ज की पहचान हो पाई। यह बात इसलिए गंभीर है क्योंकि टीबी के जिन मरीजों का इलाज नहीं होता, उनमें से 50 फीसदी की मौत हो जाती है। और जिन लोगों की मौत नहीं होगी, वे इसे दूसरों में फैलाना जारी रखेंगे। अगर कोई इस रोग से पीड़ित है तो वह साल भर में औसतन 5 से 15 लोगों को संक्रमित कर सकता है। 2021 में जिन 60 लाख टीबी के मरीजों की पहचान हुई और जिनका इलाज चल रहा है, उसमें भी दिक्कतें आ रही हैं। इस मर्ज के इलाज के लिए 6 महीने तक दवाएं लेनी पड़ती हैं, लेकिन इनके कई साइड-इफेक्ट भी होते हैं। साथ ही, इन दवाओं से बुखार और वजन में कमी जैसे टीबी के मुख्य लक्षण कुछ ही हफ्तों में चले जाते हैं, इसलिए कई लोग बीच में ही इलाज बंद कर देते हैं। इससे न सिर्फ बीमारी के दूसरों में फैलने की आशंका बढ़ जाती है बल्कि यह डर भी रहता है कि टीबी के बैक्टीरिया कहीं दवाओं के प्रति प्रतिरोधी क्षमता न हासिल कर लें। ऐसी स्थिति में इलाज डेढ़ से दो साल तक लंबा खिंच जाता है और खर्च भी पहले से अधिक आता है। टीबी की रोकथाम के लिए हम इससे कहीं अधिक कर सकते हैं। पहले तो अधिक से अधिक लोगों की जांच होनी चाहिए और यह भी पक्का किया जाए कि मरीज दवा का पूरा कोर्स पूरा करें। कोपेनहेगन कंसेंसस की एक नई शोध से पता चला है कि इस काम के लिए और 5 अरब डॉलर सालाना की जरूरत पड़ेगी। 2018 में संयुक्त राष्ट्र ने 2022 तक इस मद में हर साल 6-7 अरब डॉलर खर्च करने का वादा किया था। अफसोस की बात यह है कि 2018 के बाद से इस खर्च में कमी आई है। टीबी के लिए 5 अरब डॉलर की अतिरिक्त मदद से 95 फीसदी लोगों में इस रोग का पता लगाया जा सकेगा। इसके साथ लोगों को 6 महीने तक दवा का कोर्स पूरा करने के लिए कुछ अतिरिक्त इंसेंटिव दिए जा सकते हैं।

2030 तक के लिए तय किए गए सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स में से ज्यादातर में हम पीछे चल रहे हैं, लेकिन टीबी के मामले में स्थिति कहीं बुरी है। कोरोना महामारी के दौरान जब दुनिया भर में लॉकडाउन लगा तो उससे यह मसला और गंभीर हुआ। इस दौरान कई लोगों में इस बीमारी की पहचान नहीं हो सकी और इसी वजह से उनका इलाज भी नहीं हो पाया। ऐसे में 2030 तक टीबी को लेकर जो लक्ष्य तय किए गए हैं, उसे हासिल करना मुश्किल लग रहा है। वहीं, दूसरे लक्ष्यों को लेकर अभी जो स्थिति है, उसे देखकर लग रहा है कि सभी लक्ष्यों को हासिल करने में 50 साल की देरी होगी।

कुछ अलग

कौन हैं असली दोषी ?

मई 2008 के जयपुर सीरियल ब्लास्ट मामले में राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला न केवल चौंकाता है बल्कि कई अहम सवाल भी खड़े करता है। उन भीषण धमाकों में 71 लोगों की मौत हुई थी और 200 लोग घायल हुए थे। इस मामले में गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में से चार को विशेष अदालत ने दिसंबर 2019 में फांसी की सजा सुनाई थी, जबकि एक शख्स को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। अब हाईकोर्ट ने इन चारों को बरी कर दिया है। उसके मुताबिक, इनके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य पेश नहीं किए गए। पुलिस को लापरवाही का दोषी पाते हुए हाईकोर्ट ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के निर्देश भी दिए हैं। उसकी इस बात से सहमति जताई जा सकती है कि किसी भी मामले में साक्ष्यों की परख कड़ाई से की जानी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि साक्ष्यों की परख का पैमाना क्या हो? हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस ने लापरवाही बरती और ठोस अकाट्य सबूत नहीं जुटाए। लेकिन फांसी की सजा सुनाने वाली विशेष अदालत का कहना था कि ऐसे मामलों में चश्मदीद गवाहों का मिलना मुश्किल होता है। इसलिए परिस्थितियों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर फैसला दिया जा सकता है। तो सवाल तो उठता है कि ऐसे मामलों में परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर फैसला दिया जाना चाहिए या नहीं? दो भिन्न अदालतों के इतने अलग-अलग फैसले देख कर आम लोगों के मन में भी सवाल उठना लाजिमी है। यह कोई सामान्य बात तो नहीं कि जिन साक्ष्यों को एक अदालत ने फांसी जैसी सजा के लिए काफी माना, उन साक्ष्यों को दूसरी अदालत ने किसी भी सजा के लायक नहीं माना। उसने सबको बरी कर दिया। तो क्या पकड़े गए इन लोगों का सीरियल ब्लास्ट से कोई लेना-देना ही नहीं था? पुलिस ने निर्दोष लोगों को पकड़ लिया था? अगर ऐसा है तो फिर वे कौन लोग थे, जिन्होंने सीरियल ब्लास्ट को सचमुच अंजाम दिया था? क्या वे अब भी खुले घूम रहे हैं? हर हाल में पुलिस तंत्र और न्याय व्यवस्था को कड़े सवालों का सामना करना ही पड़ेगा। गौर करने की बात है कि यह कोई अकेला मामला नहीं है। बम धमाकों और आतंकी हमलों से जुड़े कई मामलों में पकड़े गए लोग ऊपरी अदालतों से छूटते रहे हैं। ऐसे में इस मामले को एक नजीर की तरह लेते हुए यह देखना जरूरी है कि आखिर गड़बड़ी कहां हो रही है? क्या पुलिस दोषियों को पकड़ने में आवश्यक सावधानी नहीं बरत रही या उनके खिलाफ सबूत जुटाने में लापरवाही हो रही है या फिर साक्ष्यों को परखने की प्रक्रिया में ही ऐसी कसौटियां अपनाई जा रही हैं, जो व्यावहारिक नहीं हैं? उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट में इन तमाम पहलुओं पर न सिर्फ बारीकी से विचार होगा बल्कि व्यावहारिक राह भी निकाली जाएगी।

नागरिक बोध

जनता जनार्दन ने बारी बारी यूपी में हर दल को सत्ता के गलियारों तक पहुंचाया

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में हर दल को सत्ता के गलियारों तक पहुंचाने में जनता जनार्दन ने अहम भूमिका निभाई है। सबसे ज्यादा शासन कांग्रेस ने किया। समाजवादी, कांग्रेस, भाजपा और बहुजन समाज पार्टी ने बारी बारी सत्ता का सुख हासिल किया है। सत्ता के नशे में राज्य को अभावग्रस्त बना दिया। राज्य में चारो तरफ अराजकता व्याप्त थी। कानून का कोई शासन नही था। बहन बेटियो की इज्जत से खिलवाड़, भयग्रस्त जीवन, भ्रष्टाचार, बेईमानी जुठ फरेब की राजनीति को जनता से पछाड़ फेंका है। योगी को सत्ता मिलने के बाद भयाक्रांत सत्ता लोलुप राजनेताओ को चैन नही है। गुण्डाराज और जंगलराज के लेबल से बाहर निकाल कर भाजपा ने कानून व्यवस्था के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए जनता सरकार की सराहना करती थकती नही है। समाजवादी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते सवालों के घेरे में जरूर रहते है। उनके कार्यकाल में गुंडाओ को सरंक्षण देने और अतीक अहमद जैसे माफियो को शरण देने पर सवाल के जवाब में सदन में हड़कंप मच गया था। बहुजन समाजवादी पार्टी की मुखिया मायावती को सूबे की सत्ता तक पहुंचाने का जनता ने सुनहरा मौका दिया था। दलित, मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग को लुभाने और मतदाताओं को रिझाने में भरपूर कोशिश की गई। मायावती को दोनों विधानसभा में हार के बाद पुनः नए समीकरण के साथ मायावती ने निकाय चुनाव में कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए है। समाजवादी दो टर्म से सत्ता से बाहर है। जबकि मायावती डेढ़ दशक से सत्ता पर नही होने के कारण रास्ट्रीय पार्टी का दर्जा रहने और नही रहने पर आशंका जताई जा रही है। पार्टी के कम प्रतिशत वोट के कारण खराब परिस्थितिया पैदा हो चुकी है। योगी के विकासवाद ने उत्तरप्रदेश की राजनीतिक दलों की कामयाबी में सेंध लगा दी है। जिसके योगी और भाजपा हरदम विपक्ष के निशाने पर रहते है।

ईरान में हिजाब न पहनने पर दो महिलाओं पर फेंका दही, आरोपी हिरासत में, राष्ट्रपति दे चुके हैं चेतावनी

ईरान।

ईरान में पिछले साल शुरु हुए हिजाब विरोधी प्रदर्शन रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। प्रदर्शन करने वालों में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा है जो बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर आई हैं। लेकिन ईरानी सरकार भी लोगों की आवाज को दबाने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। इसके चलते महसा अमीनी समेत कई महिलाओं ने अपनी जान गंवाई। वहीं ईरान में एक व्यक्ति को दो महिलाओं पर दही फेंकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। महिलाओं पर इस तरह का हमला तब हुआ है जब राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान में हिजाब कानून है इसका पालन करना जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों महिलाएं मां और बेटी हैं। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि दोनों महिलाएं एक दुकान पर खड़ी हैं और दोनों ने सार्वजनिक रूप से अपने बाल नहीं ढके। इस दौरान एक शख्स उनके पास आता है और कुछ बहसबाजी करता है। देखते ही देखते वह उनके सिर पर दही फैंक देता है। इसके बाद दुकानदार ने हमलावर को धक्का देकर दुकान से बाहर कर दिया। आरोपी व्यक्ति को सार्वजनिक व्यवस्था में खलल डालने के आरोप में भी गिरफ्तार किया गया है। साथ ही दोनों महिलाओं को अपने बाल दिखाने के लिए हिरासत में लिया गया है, जो ईरान में अवैध है।

दिसंबर से अब तक हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया है और चार प्रदर्शनकारियों को मार दिया गया है। लेकिन सरकार के झुकने का कोई संकेत नहीं है। ईरान में महिलाओं के लिए सार्वजनिक रूप से हिजाब नहीं पहनना गैरकानूनी है, हालांकि बड़े शहरों में महिलाएं नियमों के बावजूद हिजाब के बिना घूम रही हैं। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने कहा कि ईरानी महिलाओं को धार्मिक आवश्यकता के रूप में हिजाब पहनना चाहिए। ईरानी मुख्य न्यायाधीश गोलेमहोसिन मोहसेनी एजे ने कहा है कि जितना अधिक महिलाएं ईरान में अनिवार्य ड्रेस कोड की को नहीं मानेंगी उन पर सख्त कानूनी की जाएगी। ईरानी मीडिया के हवाले से लिखा है कि न्यायपालिका प्रमुख गोलेमहोसिन मोहसेनी एजे ने धमकी दी है कि जो औरतें मुल्क में बगैर हिजाब के सार्वजनिक जगहों पर दिखाई देंगी उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ बगैर किस रहम के मुकदमा चलाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत से संबंध बहाल करना चाहते थे पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख बाजवा! इमरान खान ने किया दावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया है कि उन्हें देश के पूर्व सेना प्रमुख

कमर जावेद बाजवा ने दो देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध विकसित करने के लिए भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था। रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि बाजवा सिद्धांतों से जुड़े व्यक्ति नहीं थे। खान ने आगे कहा कि अगर 90 दिनों में चुनाव नहीं हुए तो देश में संविधान नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें सीधी कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। इमरान की यह टिप्पणी शहबाज सरकार की उस पृष्ठभूमि में आया है जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान नई दिल्ली के साथ पर्दे के पीछे किसी तरह की बातचीत से इनकार करता है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने इससे पहले एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा था कि आज जो हालात हैं, इस दौर में पाकिस्तान और भारत के बीच पर्दे के पीछे किसी तरह की बातचीत संभव नहीं है। उन्होंने कहा था, नियमित रूप से सीमा पार आतंकवाद, युद्धविराम उल्लंघन, क्षेत्रीय विवाद आदि के साथ भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध जटिल बने हुए हैं। दोनों देशों के बीच संबंध 2019 में उस समय और खराब दौर से गुजरा जब भारत के युद्धक विमानों ने उस वर्ष पुलवामा आतंकी हमले की प्रतिक्रिया के रूप में पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद द्वारा चलाए जा रहे एक प्रशिक्षण शिविर पर एयर स्ट्राइक को अंजाम दिया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को रद्द करने के बाद इस रिश्ते में और कड़वाहट आ गई।

अमेरिका में तूफान और बवंडर का कहर : 21 लोगों की मौत, 100 से अधिक घायल, छह लाख से ज्यादा घरों में बिजली गुल

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक बार फिर से तूफान और बवंडर ने बड़ी तबाही मचाई दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यहां दक्षिण-मध्य और पूर्वी अमेरिका में आए तूफान के चलते मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 21 हो गया है। जबकि 100 से ज्यादा घायल बताए जा रहे हैं। टेनेसी में आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के एक प्रवक्ता ने एएफपी को इस तूफान से सात मौतों की पुष्टि की। इसके अलावा दक्षिण में अर्कांसस, मिसिसिपी और अलबामा और मिडवेस्ट में इंडियाना और इलिनोइस में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है। राज्य के गवर्नर सारा हुकाबी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तूफान के बाद कई बवंडर आए। इसके चलते काफी तबाही हुई। दूसरे दिन दिन के उजाले में इसका आकलन किया जा सका। बड़ी संख्या में लोगों के घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बिजली की लाइनें टूट गईं। पेड़ उखड़ गए। कारें पलट गईं। सारा हुकाबी सैंडर्स ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है और रिकवरी प्रयासों में मदद के लिए नेशनल गार्ड को सक्रिय कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में राष्टपति जो बाइडेन से भी बात हुई है। उन्होंने जल्द से जल्द मदद का भरोसा दिया है।

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती, डॉक्टर कर रहे निगरानी

काठमांडू । नेपाल के राष्टपति रामचंद्र पौडेल को पेट में दर्द की शिकायत के बाद काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अस्पताल की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राष्टपति पौडेल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं। 78 वर्षीय पौडेल दो हफ्ते पहले ही नेपाल के नए राष्टपति के रूप में शपथ ली है। पिछले महीने हुए राष्टपति चुनाव में नेपाली कांग्रेस पार्टी के नेता रामचंद्र पौडेल को 33,802 मत मिले थे। पौडेल को संसद के 214 सदस्यों और प्रांतीय विधानसभाओं के 352 सदस्यों का समर्थन मिला था। पौडेल आठ दलों के गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार थे। इनमें नेपाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल- माओइस्ट सेंटर (सीपीएन- माओइस्ट सेंटर) शामिल थीं। 14 अक्टूबर 1944 को बाहुनपोखरी में एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार में जन्मे पौडेल युवा अवस्था में ही राजनीति से जुड़ गए थे। वह साल 1970 में नेपाली कांग्रेस की छात्र इकाई नेपाल स्टुडेंट्स यूनियन के संस्थापक सदस्य बने। पौडेल वर्ष 1980 में नेपाली कांग्रेस (प्रतिबंधित) के तन्हुं जिला समिति के उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए। वर्ष 1987 में उन्हें पदोन्नति मिली और पार्टी की केंद्रीय कार्य समिति में जगह दी गई। इसी साल उन्हें पार्टी प्रचार समिति का सदस्य बनाया गया।

रूस बना यूएनएससी का प्रेसिडेंट

यूक्रेन बोला- यह अप्रैल फूल पर सबसे भद्दा मजाक ; पिछली अध्यक्षता के दौरान ही शुरू हुई थी जंग

न्यूयॉर्क।

रूस एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बन गया है। रूस की प्रेसिडेंसी को लेकर यूक्रेन पिछले कुछ दिनों से लगातार विरोध करता आ रहा है। यूएनएससी के सभी 15 सदस्यों के पास 1-1 महीने के लिए अध्यक्षता आती है। इसके तहत अब अप्रैल महीने के लिए रूस के पास यूएनएससी की अध्यक्षता रहेगी।

इससे पहले रूस पिछले साल फरवरी में यूएनएससी का प्रेसिडेंट बना था। तभी उसने यूक्रेन के साथ जंग का ऐलान कर दिया था। यूक्रेन पर चल रहे काउंसिल के एक सेशन के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने वहां स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन शुरू करने की घोषणा की थी।

जेलेंस्की ने कहा था यूएनएससी को भंग करें

वहीं रूस की अध्यक्षता पर यूक्रेन के विदेश मंत्री मायखाइलो पोडोलीक ने कहा- यूएनएससी का काम दुनिया में शान्ति और सुरक्षा बनाए रखना है। ऐसे में रूस का प्रेसिडेंट होना अप्रैल फूल के दिन सबसे बुरा मजाक है। इससे साबित होता है कि यूएनएससी के काम करने के ढंग में ही कुछ कमी है। पिछले साल यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूएनएससी पर रूस को रोकने में नाकामयाब रहने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि काउंसिल को अपने वर्किंग सिस्टम में बदलाव करने की जरूरत है वरना इसे भंग कर दिया जाना चाहिए।

अमेरिका बोला- हम कुछ नहीं कर सकते

यूक्रेन की तरफ से लगातार विरोध के बावजूद रूस की अध्यक्षता को लेकर अमेरिका ने हाथ पीछे कर लिए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरीन जीन ने कहा- रूस काउंसिल का स्थायी सदस्य है। ऐसे में कोई भी इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन उनसे 1 महीने की अध्यक्षता नहीं छीन सकता है। ये नीयमों के खिलाफ होगा। हमें लगता है कि रूस इस पावर का इस्तेमाल गलत जानकारी फैलाने और यूक्रेन में अपनी हरकतों को सही ठहराने के लिए करेगा। लेकिन हम इसमें कुछ नहीं कर सकते हैं।

क्या है यूएनएससी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कुल 15 देश हैं। इनमें अमेरिका, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन और चीन स्थाई सदस्य देश हैं। वहीं 10 देशों को अस्थाई सदस्यता दी जाती है। गैर-स्थाई सदस्यों का कार्यकाल 2 साल के लिए होता है। इसकी सदस्यता को चुनाव के बाद बढ़ाया जाता है। इसके लिए यूएनएससी हर साल पांच गैर-स्थाई सदस्यों के लिए चुनाव कराती है।

भारत यूएनएससी का स्थायी सदस्य क्यों नहीं है

भारत काफी समय से सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का प्रयास कर रहा है, लेकिन भारत की राह में सबसे बड़ा रोड़ा चीन है। चीन के अलावा फ्रांस, अमेरिका, रूस और ब्रिटेन भारत को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाने पर अपनी सहमति जता चुके हैं, लेकिन चीन अलग-अलग बहानों से भारत की स्थायी सदस्यता का विरोध करता रहा है।

इसके अलावा कई बार यूएनएससी के स्ट्रक्चर में बदलाव की मांगें भी उठती रही हैं। तर्क दिया जाता है कि यूएनएससी में विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व कम है, लेकिन स्थायी सदस्य नहीं चाहते कि इसमें किसी तरह का बदलाव हो और किसी दूसरी देश को वीटो पॉवर मिले। भारत के अलावा जापान, जर्मनी और ब्राजील भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का प्रयास कर रहे हैं।

किम जोंग के बम-ईंधन में विस्तार के आदेश के बाद एक्शन में उत्तर कोरिया, परमाणु साइट पर देखी गई हलचल

प्योंगयांग।

उत्तर कोरिया के परमाणु साइट पर हलचल देखी गई। अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि किम जोंग उन के बम-ईंधन के ऑर्डर के बाद तीन और 17 मार्च को मुख्य परमाणु साइट योंगब्योन पर हलचल देखी गई थी और जल्द ही नॉर्थ कोरिया परमाणु परीक्षण कर सकता है। अमेरिकी थिंक टैंक ने बताया कि उत्तरी कोरिया के नेता किम जोंग उन द्वारा देश के परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करने के लिए बम ईंधन के उत्पादन में वृद्धि के आदेश के बाद सैटेलाइट तस्वीरों में उत्तरी कोरिया की मुख्य परमाणु साइट पर उच्च स्तर की गतिविधि देखी गई है। वाशिंगटन स्थित 38 नॉर्थ नॉर्थ कोरिया मॉनिटरिंग प्रोजेक्ट ने बताया कि तीन और 17 मार्च की तस्वीरों में देखा जा सकता है कि न्यूक्लियर साइट पर गतिविधि देखी गई थी। यह संकेत देता है कि योंगब्योन साइट पर एक्सपेरिमेंटल लाइट वाटर रिएक्टर (ईएलडब्ल्यूआर) पूरा होने और परिचालन स्थिति के करीब है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि योंगब्योन में पांच मेगावाट के रिएक्टर का काम करना जारी है और ईएलडब्ल्यूआर के आसपास एक सहायक इमारत पर निर्माण शुरू हो गया है। इसके अलावा उस रिएक्टर के कूलिंग सिस्टम से पानी के निर्वहन का पता चला था। योंगब्योन के यूरेनियम संवर्धन संयंत्र के आसपास नया निर्माण भी शुरू हो गया है, जिससे इसकी क्षमताओं का विस्तार होने की संभावना है। रिपोर्ट में उत्तर कोरियाई नेता का जिक्र करते हुए कहा गया है कि ये घटनाक्रम किम जोंग उन के हालिया निर्देश को दर्शाते हैं कि देश के परमाणु हथियारों के शस्त्रागार का विस्तार करने के लिए देश के विखंडनीय सामग्री का उत्पादन को बढ़ाया जाए। उत्तर कोरिया ने नए छोटे परमाणु हथियारों का अनावरण किया था और दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों की निंदा करते हुए अपने शस्त्रागार का विस्तार करने के लिए अधिक हथियार-ग्रेड परमाणु सामग्री का उत्पादन करने की कसम खाई थी। नार्थ कोरिया के सरकारी मीडिया ने कहा कि किम जोंग ने देश के परमाणु शस्त्रागार को तेजी से बढ़ाने के लिए दूरदर्शी तरीके से हथियार-ग्रेड सामग्री के उत्पादन का आदेश दिया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उत्तर कोरिया ने अपने द्वारा प्रदर्शित किए गए छोटे हथियारों पर फिट होने के लिए पूरी तरह से छोटे परमाणु हथियार विकसित किए हैं या नहीं। लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि अगर यह 2017 के बाद पहली बार परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करता है तो इस तरह के हथियारों को बेहतर बनाना एक महत्वपूर्ण लक्ष्य होगा। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने 2022 की शुरुआत में ही चेतावनी दी थी कि उत्तर कोरिया किसी भी समय परमाणु परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ने बीते साल एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि उत्तर कोरिया ने 20 परमाणु हथियार इकट्ठे किए हैं और शायद 45-55 परमाणु उपकरणों के लिए उसके पास पर्याप्त सामग्री है।

दवाओं की विषाक्तता पता लगाने में मदद करेगी कृत्रिम किडनी, बचेगी हजारों लोगों की जान

सियोल।

दक्षिण कोरिया की पोहांग यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों ने कृत्रिम किडनी विकसित की है। यह किडनी दवाओं की विषाक्तता और इसके दुष्प्रभावों की पहचान करने में मदद करेगी।

शोध से जुड़े प्रोफेसर दोंग वू चो कहते हैं, किडनी की मूलभूत संरचनात्मक और कार्यात्मक इकाई नेफ्रॉन है, जिसमें ग्लोमेरुलस नामक छोटी रक्त वाहिकाओं का नेटवर्क शामिल होता है। जब शरीर में अधिक मात्रा में दवाएं दी जाती हैं, तो दवा विषाक्तता प्रदर्शित करने वाला नेफ्रॉन पहला अंग होता है। दवाओं के रोगियों पर इस्तेमाल से पहले उनकी विषाक्तता की सीमा का अध्ययन करने के लिए कृत्रिम किडनी विकसित की गई है। वू चो ने बताया कि उन्होंने ग्लोमेरुलस इकाइयों का एक कृत्रिम विकल्प तैयार किया है, जिसे माइक्रोवेसल चिप से जोड़ा गया है। इसमें ग्लोमेरुलर एंडोथेलियल कोशिकाएं, पोडोसाइट परतें और एक ग्लोमेरुलर बेसमेंट मेम्ब्रेन (जीबीएम) शामिल हैं, जो सिंगल स्टेप फैब्रिकेशन प्रोसेस का उपयोग करते हैं। वू चो ने बताया कि कृत्रिम किडनी से नैदानिक अभ्यास,

दवाओं की निगरानी व नेफ्रोटॉक्सिसिटी परीक्षण की असीम संभावनाएं व क्षमता मिलती हैं। प्रो. वू चो ने बताया चिप मोनोलेयर ग्लोमेरुलर एंडोथेलियम, पॉडोसाइट एपिथेलियम की परस्पर क्रिया की अनुमति देती है, जिससे जीबीएम प्रोटीन का उत्पादन होता हैग्लोमेरुलर कोशिकाओं की कार्यक्षमता प्रदर्शित होती है। विज्ञानी चो ने बताया, किडनी रक्तप्रवाह में मौजूद ज्यादातर विषाक्त पदार्थों व चयापचय अपशिष्ट को शरीर से बाहर कर होमियोस्टैसिस बनाए रखता है, लेकिन, फिर भी कुछ दवाएं ऐसी होती हैं, जो किडनी में ही विषाक्तता पैदा कर देती हैं, जिससे पूरा शरीर प्रभावित होता है।

इटली में आधिकारिक संचार में अंग्रेजी पर प्रतिबंध की तैयारी, उल्लंघन पर एक लाख यूरो जुर्माने का प्रस्ताव

रोम (इटली)।

इटली सरकार अपने देश में अंग्रेजी भाषा के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने जा रही है। सीएनएन के अ नुसार, आधिकारिक संचार के लिए इटली में नागरिकों द्वारा अंग्रेजी या किसी अन्य विदेशी भाषा का उपयोग करने पर जल्द ही भारी जुर्माना लगाया जाएगा। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी ने नया कानून पेश किया है जिसमें आधिकारिक संचार में किसी भी विदेशी भाषा, विशेष रूप सेअंग्रेजी का उपयोग करने पर एक लाख यूरो तक का जुर्माना प्रस्तावित है। अगर इटली के लोग अपने आधिकारिक संचार के दौरान अंग्रेजी या किसी अन्य विदेशी भाषा का उपयोग करते हैं, तो उन्हें प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी

द्वारा पेश किए गए नए कानून के तहत एक लाख यूरो (1,08,705 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना देना होगा। इटली की चैंबर ऑफ डेप्युटीज (लोअर हाउस) में नेता फैबियो रामपेली ने यह कानून पेश किया जिसे प्रधानमंत्री द्वारा समर्थित किया गया है। इस कानून में किसी भी विदेशी भाषा के इस्तेमाल नहीं करने के बारे में बात की गई है, लेकिन यह विशेष रूप से एंग्लोमेनिया या अंग्रेजी शब्दों के उपयोग पर केंद्रित है। कानून के मसौदे में कहा गया है कि विदेशी भाषा का इस्तेमाल इतालवी भाषा को नीचा दिखाता है और अपमानित करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में यह और भी बुरा है जब ब्रिटेन अब यूरोपीय संघ का हिस्सा नहीं है।

हालांकि, इस बिल को अभी संसद में बहस के लिए लाया जाना है और इसके लिए इतालवी भाषा का लिखित और मौखिक ज्ञान और महारत रखने के लिए लोक प्रशासन में एक कार्यालय रखना आवश्यक है। यह कानून आधिकारिक दस्तावेजों में अंग्रेजी के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाता है, जिसमें देश में काम कर रही कंपनियों में नौकरी की भूमिकाओं के परिवर्णी शब्द और नाम शामिल हैं। सीएनएन द्वारा देखे गए कानून के मसौदे के अनुसार, विदेशी संस्थाओं के पास सभी आंतरिक नियमों और रोजगार अनुबंधों के लिए इतालवी भाषा संस्करण होने चाहिए। मसौदे में कहा गया है कि यह केवल फैशन की बात नहीं है,क्योंकि फैशन गुजर जाता है, लेकिन एंग्लोमेनिया का प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है।

तालिबान की सीक्रेट पुलिस की कैद में 3 ब्रिटिश नागरिक

एनजीओ ने किया दावा, सरकार बोली- उन्हें निकालने की पूरी कोशिश कर रहे

काबुल।

ब्रिटेन के एक एनजीओ ने दावा किया है कि उनके तीन नागरिक तालिबान की सीक्रेट पुलिस की कैद में हैं। प्रेसिडियम नाम के एनजीओ के प्रवक्ता स्कॉट रिचर्ड ने 1 अप्रैल को इसकी जानकारी दी। तीनों लोगों को अफगानिस्तान में पिछले तीन महीने से तालिबान ने अपने कब्जे में रख रखा है। एनजीओ ने कहा कि वो दो लोगों के परिवारों के साथ मिलकर उन्हें छुड़वाने का काम कर रहे हैं। वहीं, ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने भी इस संबंध में एक बयान जारी किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा, हम ब्रिटिश नागरिकों की सुरक्षा के लिए लगातार काउंसलर के संपर्क में है। उन्हें छुड़ाने के लिए कड़ी मेहनत की जा रही है।

कौन हैं ब्रिटेन के तीन नागरिक जिन्हें तालिबान ने कैद किया

प्रेसीडियम नेटवर्क के स्कॉट रिचर्ड्स ने बताया कि तालिबान की कैद में एक
अधेड़ उम्र का व्यक्ति केविन कॉर्नवेल है। जो युद्ध वाले इलाकों में लोगों को मेडिकल एसिस्टेंस देता है। उन्हें जनवरी में एक रेड के दौरान पकड़ा गया

था। तालिबान ने उन पर गैर कानूनी तरीके से हथियार रखने के आरोप लगाए थे। हालांकि उनके परिवार का कहना है कि तालिबान ने खुद उन्हें एक हैंडगन रखने का लाइसेंस दिया था।

तालिबान की कैद में दूसरे व्यक्ति का नाम माइल्स रुटलेज है। इसकी उम्र 23 साल है। इसे दो साल पहले भी अफगानिस्तान से एयर लिफ्ट किया गया था। माइल्स खुद को डेंजर टूरिस्ट कहता है। तीसरे व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है हालांकि, बताया जा रहा है कि वो काबुल में समाज सेवियों के लिए एक होटल मैनेज करता है। इसे तालिबान ने जनवरी में हिरासत में लिया।

प्रेसिडियम के प्रवक्ता ने कहा कि तीनों का स्वास्थ्य अच्छा है। हमें पूरी उम्मीद है कि उनके साथ कुछ गलत नहीं हो रहा है। हालांकि, अभी एनजीओ का तालिबान के अधिकारियों से कोई सार्थक संपर्क नहीं हो पाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तीनों पर अभी कोई आरोप तय नहीं किए हैं।

ब्रिटेन ने पिछले साल भी 5 लोगों को छुड़वाया था

पिछले साल भी तालिबान ने एक अनुभवी टेलीविजन कैमरामैन और चार अन्य ब्रिटिश नागरिकों को छह महीने के बाद रिहा कर दिया था। पीटर जौवेनल ब्रिटेन के उन नागरिकों में से एक थे, जिनके बारे में लंदन में सरकार ने कहा था कि वो कट्टर इस्लामवादियों के पास है। ब्रिटेन की सरकार ने कहा था कि पांचों ने सरकार के मना करने के बाद भी अफगानिस्तान कि यात्रा की थी।

अफगानिस्तान की कैद में अमेरिका के भी 175 नागरिक

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पिछले हफ्ते एक बयान जारी कर बताया था कि उनके 175 नगारिक अब भी तालिबान की कैद में हैं। सरकार उन्हें वहां से निकालने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। अमेरिका के विदेश मंत्री ने तालिबान की कैद में अमेरिका के नागरिकों के फंसे होने का खुलासा अमेरिकन डिप्लोमेसी पर एक चर्चा के दौरान किया। ये चर्चा अमेरिका की फॉरेन अफेयर्स कमिटी करवा रही थी। ब्लिंकन ने बताया कि जो अमेरिकी अभी अफगानिस्तान में फंसे हैं सरकार उनके परिवार वालों की पहचान उजागर नहीं कर सकती है। साथ ही उन्हें इस मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर बात करने से मना किया गया है। दरअसल, अमेरिका ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अपने सारे सैनिकों को वापस बुला लिया था। इसके बाद तालिबान के सत्ता में आने के डर से दुनिया भर के देशों ने अपने नागरिकों को अफगानिस्तान से निकालने के लिए ऑपरेशन चलाए थे।

अहिंसा और शांति के रास्ते ही हम आगे बढ़ेंगे : गहलोत

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार की *शांति और अहिंसा* की भावना को साकार करती *जीतो अहिंसा रन* रविवार को आयोजित हुई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सुबह महावीर जैन दिगंबर विद्यालय से फ्लैग ऑफ कर धावकों का उत्साहवर्धन किया। गहलोत ने कहा कि भगवान महावीर और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसा, शांति और सत्य के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। हम सभी को उनके बताए रास्तों पर चलने के साथ उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। हमें मैराथन जैसी गतिविधियों में हिस्सा लेकर जीवन में अहिंसा का प्रण लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वही परिवार, समाज, प्रदेश आगे बढ़ता है, जो अहिंसा और शांति के रास्ते पर चलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा एवं शांति के रास्ते से ही भारत आगे बढ़ रहा है। राजस्थान सरकार भी इसी सोच के साथ प्रतिबद्धता से जनकल्याण की दिशा में कार्य कर रही है। आजादी की जंग भी सत्य और अहिंसा के आधार पर जीती गई। पूरी दुनिया में भारत से ही अहिंसा और शांति का संदेश फैला है। गहलोत ने कहा कि जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) और लेडीज विंग की यह पहल युवाओं को प्रेरित करेगी। उन्होंने अक्टूबर में प्रस्तावित *जीतो कनेक्ट 2023* के पोस्टर का विमोचन भी किया। इस अवसर पर आदर्श नगर विधायक रफीक खान, जीतो जयपुर चैप्टर के चेयरमैन नितिन जैन, जीतो कनेक्ट के कन्वीनर विमल सिंघवी और महिला मुख्य संरक्षक जयपुर सलोनी जैन सहित अन्य पदाधिकारी, आयोजक और हजारों धावक उपस्थित रहे।

प्रतापगढ़, जालौर और राजसमंद में स्थापित होंगे नए मेडिकल कॉलेज

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रतापगढ़, जालौर और राजसमंद में नया मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। उन्होंने कहा कि सरकार आधारभूत चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। प्रत्येक मेडिकल कॉलेज का निर्माण 250 करोड़ रुपए की लागत से होगा। साथ ही इन कॉलेजों में आवश्यक उपकरण, फर्नीचर एवं पुस्तकों के लिए 75 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचा मजबूत होगा। विद्यार्थियों को मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उल्लेखनीय वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में प्रतापगढ़, जालौर और राजसमंद में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा हुई थी।

जेंडर इक्वेलिटी की मांग को लेकर टीम पुरुष आयोग ने किया प्रदर्शन

फरीदाबाद (हिंस)। टीम पुरुष आयोग की टीम द्वारा रविवार को बीके चौक पर जेंडर इक्वेलिटी की मांग को प्रदर्शन किया। बीके चौक से नीलम चौक तक पैदल मार्च भी निकालते हुए जिला उपायुक्त को एक ज्ञापन भी सौंपा। टीम पुरुष आयोग के संस्थापक नरेश मेंहदीरत्ता ने बताया कि ज्ञापन में पुरुष विरोधी असंवैधानिक कानूनी व्यवस्था के विरोध, महिला का परजीवी बनाने वाले स्थाई गुजारा भत्ता का विरोध, पुरुष आयोग का गठन करने, प्रस्तावित मैरिटल रेप कानून की मांग को रद्द करके, विवाह संस्था को बचाया जाए, घरेलू हिंसा कानून को लिंगभेद रहित किया जाए, स्वस्थ एवं पढ़ी-लिखी महिला को गुजारा भत्ता क्यों, धारा 497 को वापस बहाल करो, लिव-इन रिलेशन अवैध हो आदि मांग शामिल है। इस मौके पर टीम पुरुष आयोग के संस्थापक नरेश मेंहदीरत्ता, सचिव अनुराधा भारद्वाज, उपाध्यक्ष महिमा मेंहदीरत्ता के अलावा अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेन्द्र शर्मा बबली, अनशनकारी बाबा रामकेवल, एडवोकेट राजेश खटाना, रविंद्र सिद्ध, ए.पी. सिंह, युवा नेता जसवंत पंवार, राजेश वशिष्ठ, प्रवेश मलिक, सुनील यादव, भुवनेश्वर हिंदुस्तानी, जगविजय, उमेश कुंडु, सचिन तंवर, भगवान दास, संतोष बृजवासी, राजू बेदी, अवधेश ओझा, नंदी बाबा, बिजय सिंह, आर्यन मित्तल, राजेंद्र प्रसाद बेतिया, हेमा, रूपम, आयुष, महेंद्र मेंहदीरत्ता, मनीष जांगड़ा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आरटीई के तहत अब 12वीं कक्षा तक के छात्रों को भी नि:शुल्क शिक्षा

जयपुर (हिंस)। अब निजी विद्यालयों में 12वीं कक्षा तक के छात्रों को भी नि:शुल्क शिक्षा मिलेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत अध्ययनरत छात्रों की फीस पुनर्भरण के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इस पर 46 करोड़ रुपए का व्यय होगा। आरटीई के माध्यम से कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए ही नि:शुल्क शिक्षा का प्रावधान है। सीएम गहलोत द्वारा बजट में राज्य सरकार के खर्चे पर छात्राओं के लिए कक्षा 9 से 12वीं तक निजी विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा जारी रखने का प्रावधान किया गया था। इसी क्रम में अब छात्रों को भी कक्षा 1 से 12 तक आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश लेने पर नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री गहलोत द्वारा वर्ष 2023-24 के बजट में इस संबंध में घोषणा की गई थी। राज्य सरकार द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर अहम निर्णय लिए गए हैं। इनमें महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मुख्यमंत्री नि:शुल्क यूनिफार्म योजना, मुख्यमंत्री बाल-गोपाल योजना सहित कई योजनाएं शामिल हैं।

रामलला को टेंट में देखने वालों के बंगले खाली हो रहे हैं : कपिल मिश्रा

जयपुर (हिंस)। हिंदू इकोसिस्टम के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मिश्रा ने रविवार को जयपुर के एक कार्यक्रम में आक्रामक तेवर में कहा कि राम लला को जो लोग टेंट में देखना चार रहे थे उनके बंगले खाली हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग जो राम मंदिर का विरोध कर रहे थे, आज वे लोग रामलला को भव्य मंदिर में विराजमान होते देख रहे हैं। वे हमेशा रामलला के मंदिर, रामसेतु पर सवाल उठाते थे। सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट देते थे कि राम मंदिर तो था ही नहीं, राम तो काल्पनिक हैं। उनको सबक मिल चुका है। कपिल मिश्रा जयपुर के एक निजी होटल में नवोन्मेष फाउंडेशन के कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अभी राहुल गांधी का एक स्टेंटमेंट सुना कि मैं गांधी हूं। सावरकर नहीं हूं। मिश्रा ने कहा कि वे असली गांधी भी नहीं हैं। सावरकर तो आप हो ही नहीं सकते। सावरकर होने की एक शर्त है कि आपका राष्ट्रभक्त होना जरूरी है। जहां तक गांधी सरनेम की बात है तो एक उदाहरण है कि मुरादाबाद में खान साहब एक दुकान खोलकर बैठे थे। उस पर लिखा था कि आगरा का मशहूर पेठा हमारे यहां मिलता है। खान साहब से जब पूछा कि आगरा का पेठा तो आगरा में बनता होगा। तब उन्होंने कहा साहब बोर्ड नहीं लगाऊंगा तो धंधा कैसे चलेगा। इसलिए ये लोग भी गांधी सरनेम नहीं लगाएंगे तो इनका धंधा कैसे चलेगा। मिश्रा ने कहा कि उनके नाम के आगे गांधी राजघाट पर समाधि की वजह से नहीं है। नाम के आगे गांधी उनके नाम पर लगा है, जिनकी प्रयागराज में कब्र है। मिश्रा ने कहा कि उन्हें अपने असली पूर्वजों को सामने लाना चाहिए। उनकी कब्र पर फूल जरूर चढ़ाने चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी पर कपिल मिश्रा ने कहा कि मोदी दीवार बनकर खड़े हैं। ये लोग भारत की आर्थिक बर्बादी का सपना देखते हैं। मोदी दीवार बनकर खड़े हैं। ये लोग विदेशी वैक्सीन का गुलाम बनाने की बात करते हैं। मोदी स्वदेशी वैक्सीन के साथ दीवार बनकर खड़े हैं। वे धारा 370 को फिर से लगाने की बात करते हैं। मोदी दीवार बनकर खड़े हैं। वे पीएफआई का नेटवर्क पूरे देश में खड़ा करना चाह रहे हैं। इनके लिए मोदी दीवार बनकर खड़े हैं। मिश्रा ने कहा कि इस देश को ऐसा नेतृत्व और ऐसा प्रधान ही चाहिए। कपिल मिश्रा ने कहा कि खालिस्तान की तुलना हिंदुत्व से करने वालों को इस नववर्ष में सत्ता से हटने की कामना है। मिश्रा ने आक्रोश भरे स्वर में कहा कि रामनवमी के दौरान अभी एक दिन की छुट्टी पड़ती है। देश में जो माहौल है, उससे यह तीन दिन की हो जाएगी। यह इसलिए क्योंकि दो दिन की छुट्टी इलाज और मरहमपट्टी करवाने के लिए लेनी पड़ेगी। यही माहौल इन दिनों देश में है। एक दिन त्योहार मनाओ। दो दिन मरहम लगाओ। लोग कहेंगे चोट लगेगी तो एडवांस में छुट्टी अप्लाई कर देंगे। कपिल मिश्रा ने कहा कि कुछ लोगों ने कहा कि रामनवमी पर मुस्लिम इलाकों से यात्रा निकलेगी तो पथराव होगा। दंगा होगा ही। वे यह कहना ठीक उसी तरह का कहना है कि बिटिया छोटे कपड़े पहनेगी तो बलात्कार होगा ही। अब पीड़ित को अपराध का दोषी बताया जा रहा है। विक्टिम को क्रिमिनल बताने की कोशिश हो रही है। यह तो ऐसा हो गया कि ऊंचा टावर बनाओगे तो कोई हवाई जहाज मारेगा ही। यानी आतंकवादी की गलती नहीं, बल्कि टावर बनाने वाले की है।

गांव स्तर पर लोगों को मिल रहा आयुष्मान का लाभ : मनोहर लाल

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भिवानी जिले के गांव खरक से मिशन 2024 की शुरूआत करते हुए कहा कि इस गांव में 4000 नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। 286 लोगों ने बीमारी के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा का लाभ लिया है, जिसके लिए लगभग साढ़े 30 लाख रुपए की राशि अस्पतालों को दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड की तरह वृद्धजनों की पेंशन भी ऑटोमेटिक बनाई जा रही है। इस गांव में भी 22 बुजुर्गों की पेंशन बनी है। सरकार ने मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत अंतोदय मेले भी लगाएं हैं, जिसमें स्वरोजगार के लिए पात्र परिवारों को ऋण उपलब्ध कराए गए हैं। इस गांव में भी 17 परिवारों को ऋण उपलब्ध कराए गए हैं। मनोहर लाल ने कहा कि पिछले 8 साल में युवाओं को लगभग एक लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं। भिवानी जिले में ही 10 हजार से अधिक नौकरियां मिली हैं। खरक कलां गांव में 40 से ज्यादा नौकरियां युवाओं को मिली हैं। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल 2023 से हरियाणा रोडवेज की बसों में वृद्धजनों को किराए में 50 प्रतिशत की छूट मिलने की आयु सीमा को 65 वर्ष से घटाकर 60 वर्ष कर दिया है। सरकार की ओर से सभी वृद्धजनों को कार्ड बना कर दिए जाएंगे। कार्यक्रम में एक नागरिक ने मुख्यमंत्री के समक्ष खरक कला गांव में रेलवे स्टेशन बनाने की मांग रखी, जिस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि स्थानीय सांसद ने रेलवे मंत्रालय को पहले ही इस बारे पत्र लिखा है। इसके अलावा उनकी ओर से भी रेलवे मंत्रालय को पत्र लिखा जाएगा।

मसीही समाज ने मनाया उल्लास सहित पाम संडे

उदयपुर (हिंस)। मसीही समुदाय ने रविवार को पाम संडे (खजूर का पर्व) श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया। उदयपुर के चेतक सर्किल स्थित शेपर्ड मेमोरियल चर्च में प्रात: 8:30 बजे प्रारंभ हुई आराधना में चर्च के संडे स्कूल के बच्चों ने हाथों में खजूर की शाखें लेकर चर्च की परिक्रमा करते हुए चर्च में प्रवेश किया। चर्च की परिक्रमा के दौरान बच्चों ने गीत *स्वर्ग की ओर हम चलते हैं जय हलिलूयाह, खजूर की शाख हम ले आवेंगे जय जय हलिलूयाह...., देखो देखो कोई आ रहा है कैसा जलवा मसीह आ रहा है, अपनी आंखें उठा कर तो देखो कैसी शान से मसीह आ रहा है....* गाया। दमोह (म.प्र.) से आए मसीही वक्ता पास्टर जीवन मैसी ने कहा कि संसार में आज चारों ओर भय, दुख व पीड़ा का वातावरण बना हुआ है, ऐसी विकट परिस्थिति व संकट के काल में प्रभु यीशु मसीह अपनी दया, अनुग्रह व शांति को मनुष्यों पर प्रकट कर उनकी समस्याओं का निवारण करते हैं। मनुष्य अपने आप को असहाय न समझे क्योंकि प्रभु हमारा साथ कभी नहीं छोड़ते। हर व्यक्ति को चाहिए कि अपने मन को सदैव प्रसन्न रखे व निरंतर प्रभु को अपनी सुरक्षा व प्राप्त समस्त आशीषों के लिए धन्यवाद दे। समाज के परमिनास मैथ्यू ने बताया कि सोमवार से शनिवार तक चर्च में दुख भोग सप्ताह (पेशन वीक) की संध्याकालीन आराधना चर्च में जारी रहेंगी। दुख भोग सप्ताह के दौरान ही प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर समर्पित सिद्ध बलिदान का प्रतीक पर्व गुड फ्राइडे 7 अप्रैल को मनाया जाएगा। गुड फ्राइडे को दो आराधना सभा होंगी। पहली आराधना सुबह 8 से 9 बजे तथा दूसरी आराधना दोपहर 12 से 3 बजे तक होगी जिसमें प्रभु यीशु मसीह द्वारा क्रूस से कहे गए सात वचनों (सेवन वर्ड्स फ्रॉम दि क्रॉस) पर मुख्य वक्ता पास्टर जीवन मैसी प्रकाश डालेंगे। अपनी मृत्यु के पश्चात तीसरे दिन पुन: जीवित होने का पर्व *ईस्टर* रविवार 9 अप्रैल को मनाया जाएगा।

पंजाब में किसानों ने फिर शुरू किया आंदोलन

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में किसानों ने एक बार फिर से आंदोलन शुरू कर दिया है। भारत माला प्रोजेक्ट के तहत निकलने वाले हाईवे के लिए अधिग्रहित जमीनों का मुआवजा न मिलने,गन्ने का बकाया भुगतान समेत कई मांगों को लेकर किसान रविवार को अमृतसर-पठानकोट रेलवे ट्रैक पर बैठ गए। किसान-मजदूर संघर्ष कमेटी ने तीन महीने पहले सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन पर बटाला और गुरदासपुर में किए रेल रोको आंदोलन को खत्म किया था लेकिन मांगे न माने जाने के बाद रविवार को अमृतसर-पठानकोट रेल मार्ग पर गुरदासपुर जिले के अंतर्गत आते बटाला में अनिश्चितकालीन रेल रोको आंदोलन शुरू किया है। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने बताया कि पिछले तीन महीने किसानों की मांगों को लेकर बटाला और गुरदासपुर में रेलवे ट्रैक रोका था। उसमें जो तीन नेशनल हाइवे बनने जा रहे हैं, उनमें जो किसानों की जमीन एक्वायर की जा रही है, उनका मुआवजा किसानों को एक जैसा नहीं दिया जा रहा है। किसानों के ट्रैक पर बैठ जाने के बाद प्रशासनिक अधिकारी भी बात करने के लिए पहुंचे लेकिन बैठक बेनतीजा निकली जिसके बाद किसानों ने अर्द्ध-नग्न होकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। पंधेर ने कहा कि भारत माला प्रोजेक्ट में अधिग्रहित की गई जमीनों का एक सा मूल्य किसानों को नहीं मिल रहा है। मांगों को लेकर किसानों ने रेल रोको आंदोलन शुरू किया है। उन्होंने कहा कि मांगे पूरी होने के बाद ही यह आंदोलन समाप्त किया जाएगा।

हरियाणा में बढ़ रहा कोरोना

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में कोरोना फिर से अपने पांव पसारने लगा है। प्रदेश में लगातार बढ़ रहे कोरोना मामलों के मद्देनजर स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने सोमवार को अधिकारियों के साथ बैठक की जिसमें सभी जिलों की कोरोना स्टेटस रिपोर्ट के अलावा कोरोना मरीजों के लिए किए गए इंतजामों पर जानकारी ली गई है। हरियाणा में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। शनिवार की शाम तक प्रदेश में कोरोना रोगियों की संख्या 580 तक पहुंच चुकी है। प्रदेश में एक ही दिन में 142 नए केस आए हैं। इसके अलावा पलवल में कोरोना के कारण एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल समेत नौ जिले कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि कोरोना के मामलों का सारा जायजा लेने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की सोमवार दोपहर बैठक बुलाई गई है और बैठक के उपरांत ही आगामी रूपरेखा तय की जाएगी। विज ने कहा कि कोरोना के मामलों को लेकर हमने पूरी निगाह बनाई हुई है और इससे निपटने के लिए हमारे पास पूरी तैयारियां है। इसका जायजा लेने के लिए ही बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में प्रत्येक जिले से रिपोर्ट मांगी गई है। अतीत में केंद्र द्वारा जारी की गई गाइडलाइन को हरियाणा में लागू किया जा रहा है। विज ने कहा कि सभी जिलों में कोरोना से बचाव के लिए र्प्याप्त प्रबंध हैं। इसके बावजूद एनसीआर के कुछ जिलों की तरफ अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

राष्ट्रीय पक्षी मोर की करंट लगने से मौत

सोनीपत (हिंस)। रविवार को खरखौदा के थाना कलां मार्ग पर वार्ड संख्या-4 में बिजली का करंट लगने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। सुबह के समय मोर को करंट लगा। जब लोग अपने घरों से बाहर निकले तो उन्होंने देखा कि मोर करंट की चपेट में आकर जमीन पर गिरा हुआ है। जांच करने पर पाया कि मोर की मौत हो चुकी है। वार्ड वासी संदीप ने इस घटना की जानकारी खरखौदा पुलिस को दी। पुलिस द्वारा इस घटना की जानकारी वन विभाग को दी गई हैं। स्थानीय निवासी बलवान सिंह दहिया बताया कि इससे पहले भी कई मोर बिजली की तारों की वजह से करंट की चपेट में आने के कारण घायल हो चुके हैं। इस हाई वोल्टेज की तार को बदला जाए। ताकि अन्य हादसे होने से बचा जा सके। फिलहाल वन विभाग की टीम से गार्ड प्रवीन व नीरज मौके पर पहुंचे और बताया कि खरखौदा पुलिस द्वारा उन्हें सूचना प्राप्त हुई, उन्होंने मृत मोर को अपने कब्जे में ले लिया है। मोर का पोस्टमार्टम कराकर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

सही कानून बनाना सरकार की इच्छा शक्ति पर निर्भर है : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

व्यापारियों और अभिभावकों ने समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

यमुनानगर (हिंस)। उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा के शिष्टमंडल ने प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र मित्तल के नेतृत्व में जगाधरी के लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को व्यापारी व अभिभावकों की समस्याओं के मांग पत्र सौंपे। प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र मित्तल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हमारी आवाज को विधानसभा में उठाएं और समस्याओं का समाधान करवायें। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से व्यापारियों पर जबरन थोपा गया ट्रेड टैक्स की समाप्ति, डेवलपमेंट चार्ज का तानाशाही कानून, प्रॉपर्टी आईडी की समस्याएं, गारबेज टैक्स, अभिभावकों पर जबरन थोपी जा रही निजी प्रकाशकों की किताबें व वर्दी, बच्चो की स्कूल फीस मे भारी वृद्धि व सार्वजनिक बसों की भारी कमी जैसी मुख्य समस्याओं है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आश्वासन दिया कि यहां की समस्याओं का गंभीरता से अध्ययन कर समाधान करवाया जाएगा। किसी को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्रेड टैक्स का कानून खत्म होने में सरकार द्वारा यह बताया जाता है कि विपक्ष के विधायक ट्रेड टैक्स को खत्म नहीं होने दे रहे। जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि हमारी तरफ से टैक्स खत्म करने में कोई भी अड़चन नहीं है। यह सरकार की इच्छा पर निर्भर है कि कौन सा कानून बनाना है और किस कानून को समाप्त करना है। विपक्ष की इसमें कोई भूमिका नहीं है। सरकार द्वारा व्यापारियों को भ्रमित किया जा रहा है। जनता को केवल बरगलाया जा रहा है।

पंजाब के सीएम ने जारी किए आदेश, किसानों से मिलेंगे विधायक

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को ऐलान किया है कि प्राकृतिक आपदा का शिकार किसानों को वैसाखी के त्योहार से पहले नुकसान का मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकों को किसानों से मिलकर उनकी शिकायतें सुननी चाहिए। इसी तरह अधिकारियों को यह यकीन बनाना चाहिए कि विशेष गिरदावरी जल्द मुकम्मल की जाए, जिससे हम वैसाखी से पहले मुआवजे की अदायगी कर सकें। लगातार बारिश और ओलावृष्टि के कारण फसलों का नुकसान से परेशान किसानों से मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस मुश्किल घड़ी में अन्नदाता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि एक-एक पैसे के नुकसान की भरपायी की जाएगी और इस नेक कार्य में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। भगवंत मान ने कहा कि वह खऱाब मौसम के कारण हुए भारी नुकसान के कारण किसान भाईचारे को पेश मुश्किलों से अच्छी तरह अवगत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह निजी तौर पर इस सारी मुहिम की रोजमर्रा के आधार पर निगरानी कर रहे हैं, जिससे यह यकीनी बनाया जा सके कि प्रभावित किसानों को पारदर्शी ढंग और तेजी के साथ मुआवजा दिया जाए। भगवंत मान ने कहा कि क्योंकि वह एक सांझे परिवार के साथ संबंध रखते हैं, इसलिए वह निजी तौर पर किसानों के दुख-दर्द से अवगत हैं और उनको बनता मुआवजा देना राज्य सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गिरदावरी के दौरान सरकारी तंत्र की किसी भी स्तर पर किसी भी तरह की ढील या कोताही बर्दाश्त नहीं किया जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गहरे संकट की इस घड़ी में पूरी तरह पीड़ित किसानी के साथ है। उन्होंने कहा कि गिरदावरी से पहले सारी प्रक्रिया के बारे सार्वजनिक मुनादी की जा रही है जिससे सभी लोगों को इस संबंधी जागरूक किया जा सके।

बेरोजगारी का लगातार रिकॉर्ड बना रही गठबंधन सरकार : कुमारी सैलजा

पेपर लीक व भर्ती कांड में संलिप्त सरकार रोजगार को लेकर नहीं है गंभीर

चंडीगढ़ (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस की महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार बेरोजगारी के मामले में प्रदेश को लगातार पहले स्थान पर कायम रखते हुए अपने रिकॉर्ड को और मजबूत कर रही है। पेपर लीक व भर्ती कांडों में शामिल सरकार प्रदेश के युवाओं को सरकारी रोजगार देने के लिए कतई गंभीर नहीं है। प्राइवेट क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित करने के वादे भी हवा-हवाई ही साबित हो रहे हैं। रविवार को एक बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनमी (सीएमआईई) की ताजा रिपोर्ट बताती है कि देश में बेरोजगारी दर तीन माह के उच्च स्तर 7.8 प्रतिशत पर रही है। देश की इस औसत के मुकाबले हरियाणा की स्थिति बेहद खराब रही। हरियाणा में देश की बेरोजगारी दर से तीन गुणा से भी अधिक बेरोजगारी रिकॉर्ड की गई। यहां पर यह देश में सर्वाधिक 26.8 प्रतिशत रही। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार सीएमआईई के आंकड़ों पर जवाब देने की बजाए या प्रदेश की हालत को सुधारने की बजाए इस रिपोर्ट को ही नकारने में लग जाती है। रोजगार के मामले में प्रदेश की हालत सुधारने के बावजूद सिर्फ शिक्षकों के पदों के नए निर्धारण में 13462 पदों की सीधे कटौती कर दी और करीब 25 हजार पदों को फ्रीज कर दिया। सरकारी आंकड़ा बताता है कि प्रदेश में सरकारी नौकरियों के 4.58 लाख पद थे, जो घटाकर 4.45 लाख कर दिए हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि 80 के दशक में प्रदेश की आबादी सवा करोड़ थी और तब सरकारी कर्मियों के साढ़े चार लाख पद थे। अब आबादी बढ़कर तीन करोड़ के आसपास पहुंच चुकी है, तो कर्मियों की संख्या 10 लाख से अधिक होनी चाहिए थी। इसके विपरित पदों को बढ़ाने की बजाए घटाया जा रहा है। जिससे कर्मचारियों पर वर्क लोड बढ़ रहा है और वे मानसिक रूप से परेशान हो रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह कितनी बड़ी विड़बना है कि सरकारी विभागों में कर्मियों के 41 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। साल 2022 के दौरान सिर्फ 6010 पदों की भर्ती प्रक्रिया ही पूरी की गई है। आम लोगों से सीधे जुड़ाव वाले पुलिस, जनस्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, पशुपालन, सिंचाई, स्वास्थ्य, पंचायत जैसे महकमों में सबसे अधिक पद खाली पड़े हुए हैं। हैरानी की बात है कि हाउसिंग फॉर ऑल विभाग में सिर्फ एक पद ही भरा हुआ है, जबकि विजिलेंस के 12 पदों में से 11 खाली पड़े हैं।

गूगल का लागत में कटौती अभियान, कर्मचारियों के कई भत्तों को खत्म करने की तैयारी

नई दिल्ली।
टेक दिग्गज कंपनी गूगल के कर्मचारियों के लिए आने वाला महीना मुश्किल भरा हो सकता है। गूगल के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) रूथ पोराट के एक लीक मेमो से पता चला है कि गूगल लागत में कटौती के उपायों की एक श्रृंखला शुरू करने जा रहा है।

वैश्विक स्तर पर 3,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बाद आने वाले महीनों में गूगल यह कदम उठाने जा रहा है। पोराट की ओर से 31 मार्च को गूगल कर्मचारियों को भेजे गए एक ज्ञापन में उन्हें सूचित किया गया है कि लागत में कटौती अभियान के तहत, कंपनी कई तरह के भत्तों को कम करेगा।

क्या कहता है मेमो

मेमो के अनुसार, गूगल अपने कुछ माइक्रो किचन को बंद कर देगा; ये वो माइक्रो किचन हैं जहां कर्मचारियों को मुफ्त स्नैक्स और पेय पदार्थ मिलते हैं, जबकि कुछ ऑन-कैंपस कैफे उन दिनों बंद किए जा सकते हैं जब इनमें कम भीड़ देखी जाती है। माउंटेन व्यू-मुख्यालय फर्म ने कहा कि यह भोजन की बर्बादी को कम करेगा और पर्यावरण के लिए बेहतर होगा। इसके अतिरिक्त, फिटनेस कक्षाओं के कार्यक्रम में बदलाव किया जाएगा और कंपनी द्वारा प्रदान किए गए उपकरण जैसे लैपटॉप पर खर्च कम किया जाएगा। मेमो में कहा गया है कि उपकरण पर होने वाले खर्च कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण खर्च है, इसमें कटौती के जरिये हम यहां सार्थक रूप से बचत करने में सक्षम होंगे।

गूगल का बयान

गूगल ने अपने एक बयान में बदलावों की पुष्टि की है। बयान में कहा गया है कि जैसा कि हमने सार्वजनिक रूप से कहा है, हमारा लक्ष्य तेज रफ्तार और दक्षता के माध्यम से स्थायी परिवर्तन करना है।इसलिए हम प्रमुख उद्योगों में मिलने वाले भत्तों, लाभों और सुविधाओं की पेशकश जारी रखते हुए, अपने संसाधनों के जिम्मेदार प्रबंधक बने रहने में मदद करने के लिए कुछ व्यावहारिक परिवर्तन कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बेरोजगारी दर तीन माह के उच्चस्तर 7.8प्रतिशत पर, फरवरी में यह 7.45 फीसदी थी

मुंबई । देश में बेरोजगारी दर मार्च में तीन महीने के उच्चस्तर 7.8 फीसदी पर पहुंच गई। यह देश के श्रम बाजार में गिरावट के चलते हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था की निगरानी पर केंद्र (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले साल बेरोजगारी दर 8.30 फीसदी हो गई थी, लेकिन इस साल जनवरी में यह घटकर 7.14 फीसदी पर आ गई थी। हालांकि यह फरवरी में फिर से बढ़कर 7.45 प्रतिशत हो गई थी। सीएमआईई के जारी रिपोर्ट के अनुसार, मार्च के दौरान शहरी इलाकों में बेरोजगारी दर 8.4 फीसदी, जबकि ग्रामीण इलाकों में यह 7.5 फीसदी रही। सीएमआईई के प्रबंध निदेशक महेश व्यास ने बताया कि मार्च 2023 में भारत के श्रम बाजारों में गिरावट आई। इसके चलते बेरोजगारी दर फरवरी के 7.5 फीसदी से बढ़कर मार्च में 7.8 फीसदी हो गई। इसका प्रभाव श्रम बल भागीदारी दर में नजर आया, जोकि 39.9 फीसदी से गिरकर 39.8 फीसदी हो गया। उन्होंने कहा कि इससे फरवरी में रोजगार दर 36.9 फीसदी से गिरकर मार्च में 36.7 फीसदी हो गई। साथ ही रोजगार 40.99 करोड़ से घटकर 40.76 करोड़ रह गया। हरियाणा में सबसे अधिक बेरोजगारी... राज्यों की बात करें तो हरियाणा में सबसे अधिक बेरोजगारी दर 26.8 फीसदी रही। इसके बाद राजस्थान में 26.4 फीसदी, जम्मू-कश्मीर में 23.1 फीसदी, सिक्किम में 20.7 फीसदी, बिहार में 17.6 फीसदी और झारखंड में 17.5 फीसदी रही।

भारत में 2 लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों की एंट्री: आईआरडीएआई ने इंश्योरेंस बिजनेस के लिए एको और क्रेडिट एक्सेस को लाइसेंस दिया

नई दिल्ली। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने भारत में 2 नई कंपनियों के इंश्योरेंस लाइसेंस को मंजूरी दे दी है। आईआरडीएआई ने एको लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड और क्रेडिट एक्सेस लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड को यह मंजूरी 25 मार्च 2023 को आयोजित 121वीं बैठक में दिया है। आईआरडीएआई ने इंश्योरेंस बिजनेस करने के लिए यह मंजूरी 12 साल बाद दी है। इससे पहले साल 2011 में लाइसेंस के लिए मंजूरी दी गई थी। इन दोनों कंपनियों को लाइसेंस देने के बाद भारत में इंश्योरेंस बिजनेस ऑपरेटिंग कंपनियों की संख्या 26 हो गई है। आईआरडीएआई ने बयान जारी करते हुए कहा है कि इन दोनों कंपनियों के अलावा 20 इंश्योरेंस कंपनियों के लाइसेंस रजिस्ट्रेशन के अलग-अलग स्टेज में पेंडिंग हैं। कोविड के बाद इंश्योरटेक कंपनियों ने जुटाया पैसा एको पहले से ही एको जनरल इंश्योरेंस नाम की एक इंश्योरेंस कंपनी चलाती है।

कच्चा तेल स्थिर, कुछ राज्यों में बदली पेट्रोल और डीजल की कीमत

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 75.67 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 79.77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत जारी कर दी है। भारत में हर सुबह 6 ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। गुजरात में पेट्रोल की कीमत 63 पैसे गिरकर 96.49 रुपए हो गई है। यहां डीजल 64 पैसे की गिरावट के साथ 92.23 रुपए प्रति लीटर हो गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 30 पैसे और डीजल 29 पैसे गिरकर क्रमशः 106.21 और 92.73 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। पंजाब और उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में गिरावट दिख रही है। वहीं बिहार में पेट्रोल 18 पैसे और डीजल 17 पैसे महंगा हो गया है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है।

अडाणी ग्रुप ने एक और कंपनी खरीदी

अडाणी पोर्ट्स ने 1,485 करोड़ रुपए में कराईकल पोर्ट का किया अधिग्रहण

मुंबई ।
अडाणी ग्रुप की अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने कराईकल पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को 1,485 करोड़ रुपए में खरीद लिया है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की मंजूरी मिलने के बाद ही अडाणी पोर्ट्स ने केपीपीएल का अधिग्रहण पूरा किया। इससे पहले अडाणी पोर्ट्स को केपीपीएल की कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रोसेस के तहत एक सक्सेसफुल रेजोल्यूशन एप्लिकेंट अनाउंस किया गया था। कराईकल पोर्ट भारत के ईस्टर्न कोस्ट पर एक ऑल-वेदर डीप-वाटर पोर्ट है। जिसे पुडुचेरी सरकार ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत बिल्ड, ऑपरेट और ट्रांसफर फॉर्मेट पर बनाया गया था।

कराईकल पोर्ट को 2009 में किया गया था कमीशन - कराईकल पोर्ट को 2009 में कमीशन किया गया था और इसे केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी के कराईकल जिले में विकसित किया गया था, जो चेन्नई से लगभग 300 किलोमीटर साउथ में है। यह चेन्नई और तूतीकोरिन के बीच एकमात्र प्रमुख पोर्ट है और इसकी स्ट्रेटेजिक लोकेशन इस बंदरगाह को मध्य तमिलनाडु के इंडस्ट्रियल-रिच इलाकों तक आसान पहुंच प्रदान करती है।

एपीएसईजेड के सीईओ करण अडाणी ने क्या कहा - अडाणी पोर्ट्स ने बयान में कहा कि बंदरगाह तमिलनाडु के कंटेनराइज्ड कार्गो ओरिएंटेड इंडस्ट्री सेंटर्स और अपकमिंग 9 रिफाइनरी के करीब है। एपीएसईजेड के सीईओ और होल-टाइम डायरेक्टर करण अडाणी ने कहा, कराईकल पोर्ट का अधिग्रहण भारत की सबसे बड़ी ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करने में एक और माइलस्टोन है। कराईकल पोर्ट को खरीदने के बाद अब अडाणी पोर्ट्स भारत में 14 पोर्ट्स को ऑपरेट करने वाली कंपनी बन जाएगी।

ग्राहकों के लिए लॉजिस्टिक कॉस्ट को कम करेंगे - करण अडाणी ने कहा, एपीएसईजेड ग्राहकों के लिए लॉजिस्टिक कॉस्ट को कम करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करेगा, इसके लिए कंपनी समय के साथ 850 करोड़ रुपए खर्च करेगी। हम अगले 5 सालों में बंदरगाह की क्षमता को दोगुना करने पर काम कर रहे हैं और इसे एक मल्टीपरपज पोर्ट बनाने के लिए कंटेनर टर्मिनल भी जोड़ रहे हैं।

600 एकड़ लैंड एरिया में फेला हुआ कराईकल पोर्ट - कराईकल पोर्ट में 14 मीटर पानी का ड्राफ्ट मिलता है और यह 600 एकड़ से ज्यादा लैंड एरिया में फेला हुआ है। इसके मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर में 5 ऑपरेशनल बर्थ, 3 रेलवे साइडिंग, मैकेनाइज्ड वैगन-लोडिंग और ट्रक-लोडिंग सिस्टम सहित मैकेनाइज्ड बल्क कार्गो हैंडलिंग सिस्टम, 2 मोबाइल हार्बर क्रेन और एक बड़ा कार्गो स्टोरेज स्पेस शामिल है। जिसमें एक ओपन यार्ड, 10 कवर्ड वेयरहाउस और 4 लिक्विड स्टोरेज टैंक्स शामिल हैं।

21.5 एमएमटी की बिल्ट-इन कार्गो हैंडलिंग कैपेसिटी के साथ पोर्ट मुख्य रूप से कोयला, सीमेंट, फर्टिलाइजर, लाइमस्टोन, स्टील और लिक्विड्स को संभालता है। तमिलनाडु के नागपट्टिनम में अपकमिंग सीपीसीएल की 9 की नई रिफाइनरी कराईकल पोर्ट के लिए ज्यादा बड़ी मात्रा में लिक्विड कार्गो को संभालने का अवसर पेश करेगी।

जीईएम से वित्त वर्ष 2022-23 में दो लाख करोड़ की खरीद: गोयल

मुंबई । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकारी खरीद के ऑनलाइन मंच जीईएम से माल एवं सेवाओं की खरीद ने वित्त वर्ष 2022-23 में दो लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया जिसमें महिला उद्यमियों, एमएसएमई और स्टार्टअप की प्रमुख सहभागिता रही। गोयल ने कहा कि जीईएम के माध्यम से 12 महीने के अंदर दो लाख करोड़ रुपए की सरकारी खरीद होना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच को दर्शाती है। प्रधानमंत्री का इस पर पूरा जोर है कि सरकार को उच्चतम स्तर की ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ चलना चाहिए। गोयल ने कहा कि यह सरकारी खरीद चक्र में पूरे देश की भागीदारी और निष्पक्ष व न्यायसंगत तरीके से भाग लेने के लिए महिला उद्यमियों, स्टार्टअप और एमएसएमई की क्षमता से स्पष्ट है। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि जीईएम तेजी से बढ़ेगा लिहाजा सरकारी खरीद प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अधिक से अधिक विक्रेताओं को इस खरीद मंच से जुड़ना चाहिए।

यात्री वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल, 27 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।
बीते वित्तीय वर्ष में देश में यात्री वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। इस दौरान समग्र बिक्री में 27 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। मारुति सुजुकी, ह्यूंडई और टाटा मोटर्स ने अब तक की सबसे बेहतर थोक बिक्री की है। इसके चलते घरेलू यात्री वाहन उद्योग में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिला है।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने 2022-23 में 19,66,164 यात्री वाहनों की डीलरों को आपूर्ति की है। यह 2021-22 के 16,52,653 वाहनों की तुलना में 19 फीसदी ज्यादा है। घरेलू डीलरों को कंपनी ने 17,06,831 वाहन बेचे हैं जो पिछले वित्त वर्ष के 14,14,277 की तुलना में 21 फीसदी अधिक है।

ह्यूंडई मोटर इंडिया ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में उसकी कुल थोक बिक्री भारत में परिचालन शूरू करने के बाद से अब तक की सबसे अधिक रही। कंपनी ने इस दौरान डीलरों को 7,20,565 वाहनों की आपूर्ति की, जो 2021-22 की 6,10,760 इकाइयों की तुलना में 18 फीसदी अधिक है। इसमें घरेलू डीलरों का हिस्सा 5,67,546 है जो उससे पूर्व के वित्त वर्ष के 4,81,500 इकाइयों के मुकाबले भी 18 फीसदी अधिक है। कंपनी ने कहा कि घरेलू बाजार में एक वित्त वर्ष में उसकी यह अब तक सर्वाधिक बिक्री है। टाटा मोटर्स ने 5.38 लाख वाहन बेचे... टाटा मोटर्स की थोक बिक्री में 45 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने 2022-23 में कुल 5,38,640 वाहनों की थोक बिक्री है, जबकि 2021-22 में 3,70,372 वाहन बेचे थे।

कुल 38.89 लाख यात्री वाहनों की हुई बिक्री

मारुति सुजुकी इंडिया के मार्केटिंग और सेल्स विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शशांक श्रीवास्तव ने कहा, चिप की कमी के बावजूद कंपनी ने एक वित्त वर्ष में अब तक की सर्वश्रेष्ठ बिक्री की है। उन्होंने कहा, अगर समग्र उद्योग की बिक्री की बात करें तो बीते वित्त वर्ष में 38.89 लाख वाहनों की बिक्री हुई, जबकि 2021-22 में 30.69 लाख इकाई बिकी थी, इस तरह 27प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मार्च में 1.60 लाख करोड़ का जीएसटी कलेक्शन: सालाना आधार पर 13प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, फरवरी में 1.49 लाख करोड़ रहा था

नई दिल्ली।
सरकार ने मार्च 2023 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स से 1.60 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। सालाना आधार पर इसमें लगभग 13प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल मार्च 2022 में 1.42 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। वहीं एक महीने पहले फरवरी 2023 में ये 1.49 लाख करोड़ रुपए रहा था।

वित्त मत्रांलय के अनुसार, इस जीएसटी कलेक्शन में सीजीएसटी के रूप में 29,546 करोड़ रुपए, एसजीएसटी से 37,314 करोड़ रुपए और आइजीएसटी के रूप में 82,907 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ है। आइजीएसटी की राशि में 42,503 करोड़ रुपए वस्तुओं के आयात पर लगने वाले टैक्स के रूप में वसूला गया है। मार्च-2023 महीने में अब तक का सबसे अधिक आइजीएसटी कलेक्शन भी हुआ है। इस महीने में 10,355 करोड़ रुपए का टोटल सेस कलेक्शन किया गया, जिसमें इंपोर्ट ऑफ गुड्स से कलेक्ट किए गए 960 करोड़ रुपए शामिल हैं।

अब तक का दूसरा सबसे ज्यादा

जीएसटी कलेक्शन

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में अप्रैल महीने में सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन हुआ था। अप्रैल में ये 1.67 लाख करोड़ रुपए रहा था। इसके बाद सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन मार्च 2023 में 1.60 लाख करोड़ रुपए का रहा, जो अब तक का दूसरा सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन है। मार्च 2023 में अब तक के सबसे ज्यादा जीएसटी रिटर्न भी जमा किए गए हैं।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोटल 18.10 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन हुआ है।

गणित-रीजनिंग भी सॉल्व करेगा गूगल का एआई चैटबॉट: गूगल के सीईओ ने एआई चैटबॉट समेत कई मुद्दों पर बात की

नई दिल्ली ।
सुंदर पिचाई 2016 में गूगल के सीईओ बने तो घोषणा की थी कि उनके लिए गूगल सबसे पहला एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) है। यह भी भविष्यवाणी की थी कि एआई का प्रभाव बिजली या आग से बड़ा होगा। हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट ने एआई चैटबॉट चैटजीपीटी लॉन्च किया और यह सुर्खियों में आ गया। इसकी क्षमता और सीमाओं को लेकर नई बहस छिड़ गई।

गूगल ने अपना नया एआई बार्ड 21 मार्च को प्रायोगिक तौर पर लॉन्च किया। इसकी विशेषताओं और खामियों की तुलना चैटजीटी से होने लगी। बार्ड को लेकर आलोचनाएं भी शुरू हो गई। बार्ड की क्षमता पर सवाल उठे। अब एआई को लेकर टेस्ला प्रमुख एलन मस्क समेत दुनियाभर के 2 हजार से ज्यादा शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों ने एआई को लेकर चिंता जताई है।

एआई में दुनिया बेहतर बनाने की क्षमता

एआई प्रोजेक्ट को छह महीने तक रोकने की अपील की गई है। इस पर पिचाई ने कहा है कि

उनकी कंपनी जल्द ही अधिक सक्षम एआई मॉडल जारी करेगी। अब गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ पिचाई ने कहा कि इतने विशेषज्ञों की अपील को दरकिनार नहीं किया जा सकता है, लेकिन एआई को छोड़ा भी नहीं जा सकता है, क्योंकि इसमें दुनिया को बेहतर बनाने की क्षमता है।

गूगल एआई पर आगे बढ़ेगा

बार्ड को लेकर पिचाई ने कहा- हमारे पास स्पष्ट रूप से अधिक सक्षम मॉडल हैं। बहुत जल्द हम बार्ड को अपने कुछ अधिक सक्षम पाथवेज लैंग्वेज मॉडल में अपग्रेड करेंगे। यह अधिक क्षमताएं लाएगा। रीजनिंग, कोडिंग में हो, यह गणित के सवालों का बेहतर उत्तर दे सकता है। उन्होंने कहा- तो आप अगले सप्ताह के दौरान प्रगति देखेंगे। पिचाई ने कहा कि बार्ड की सीमित क्षमताओं के कारण गूगल के भीतर सावधानी की भावना थी।

एआई का विकास वर्तमान में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा

पिचाई ने कहा कि एआई के काम को लेकर गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन के साथ बात कर रहे हैं। उन्होंने यह चिंता जताई कि एआई का विकास अभी बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह शायद समाज के लिए खतरा बन गया है। इस पर बहुत बहस की जरूरत है, कोई भी सभी जवाब नहीं जानता है।

एसबीआई और पोस्ट ऑफिस आरडी : कहां पैसा लगाना रहेगा ज्यादा फायदेमंद

नई दिल्ली।

पोस्ट ऑफिस रिकरिंग डिपॉजिट पर अब आपको ज्यादा ब्याज मिलेगा। सरकार ने 1 अप्रैल से इसकी ब्याज दर को 5.8प्रतिशत से बढ़ाकर 6.2प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले फरवरी में देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने भी आरडी की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की थी। इस समय ये आरडी पर अधिकतम 7प्रतिशत ब्याज दे रहा है। हम आपको एसबीआई और पोस्ट ऑफिस आरडी के बारे में बता रहे हैं। ताकि आप सही जगह निवेश कर सकें।

सबसे पहले समझें आरडी क्या है

रिकरिंग डिपॉजिट, या आरडी बड़ी बचत में

आपकी मदद कर सकती है। आप इसका इस्तेमाल गुल्लक की तरह कर सकते हैं। मतलब आप इसमें हर महीने सैलरी आने पर एक निश्चित रकम डालते रहें और इसके मैच्योर होने पर आपके हाथ में बड़ी रकम होगी।

एसबीआई आरडी से जुड़ी खास बातें

एसबीआई में आप 1 साल से लेकर 10 साल तक के लिए निवेश कर सकते हैं। एसबीआई आरडी पर अधिकतम 7प्रतिशत अधिकतम ब्याज मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को इस पर 0.50प्रतिशत ज्यादा ब्याज मिलता है। इसमें मिनिमम 100 रुपए हर महीने निवेश कर सकते हैं। इससे ज्यादा 10 के मल्टीपल में आप कोई भी रकम जमा करा सकते हैं। मैक्सिमम जमा राशि की कोई लिमिट नहीं है। पोस्ट ऑफिस आरडी से जुड़ी खास बातें इंडिया पोस्ट की आरडी पर 6.2प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। इसमें मिनिमम 100 रुपए हर महीने निवेश कर सकते हैं। इससे ज्यादा 10 के मल्टीपल में आप कोई भी रकम जमा करा सकते हैं। मैक्सिमम जमा राशि की कोई लिमिट नहीं है।

कहां निवेश करने पर कितना रिटर्न

अगर आप पोस्ट ऑफिस आरडी में 5 साल के लिए हर महीने हजार रुपए निवेश करते हैं तो 5 साल बाद आपको करीब 70 हजार 431 रुपए मिलेंगे। वहीं अगर आप एसबीआई की आरडी में 5 साल तक हर महीने हजार रुपए निवेश करते हैं तो आपको 70 हजार 989 रुपए मिलेंगे। हम यहां आपको बता रहे हैं कि 5 साल की आरडी में हर महीने हजार और 2 हजार रुपए निवेश करके आप कितना फंड तैयार कर सकते हैं।

आरडी से ब्याज पर टैक्स

रिकरिंग डिपॉजिट से होने वाली ब्याज आय अगर 40 हजार रुपए (सीनियर सिटीजन के मामले में 50 हजार रुपए) तक है तो इस पर आपको कोई टैक्स नहीं देना होता। इससे ज्यादा आय होने पर 10प्रतिशत टीडीएस काटा जाता है।

इनकम टैक्स के दायरे में नहीं हैं तो फॉर्म 15एच और 15जी करें जमा

अगर आपकी आरडी से सालाना ब्याज आय 40 हजार रुपए (सीनियर सिटीजन के मामले में 50 हजार रुपए) से अधिक है, लेकिन आपकी कुल सालाना आय (ब्याज आय मिलाकर) उस सीमा तक नहीं है, जहां उस पर टैक्स लगे तो बैंक टीडीएस नहीं काटता है।

इसके लिए सीनियर सिटीजन को बैंक में फॉर्म 15एच और अन्य लोगों को फॉर्म 15जी जमा करना होता है। फॉर्म 15जी या फॉर्म 15एच खुद से की गई घोषणा वाला फॉर्म है। इसमें आप यह बताते हैं कि आपकी आय टैक्स की सीमा से बाहर है। जो इस फॉर्म को भरता है उसे टैक्स की सीमा से बाहर रखा जाएगा।

ऑस्कर विजेता निर्माता गुनीत मोंगा के गुटर गू का प्रीमियर शो होगा 5 को

मुंबई (ईएमएस)। ऑस्कर विजेता निमार्ता गुनीत मोंगा एक और प्रोजेक्ट गुटर गू लेकर आ रहे हैं, जो टीनएजर के प्यार और उन मुद्दों के बारे में है जो उनके रिश्तों को प्रभावित कर सकते हैं। इसमें द फैमिली मैन फेम अक्षेषा ठाकुर और ये मेरी फैमिली के विशेष बंसल शामिल हैं। शॉर्ट फिल्म गुप्त ज्ञान में अक्षेषा और विशेष को कास्ट करने के बाद उन्होंने निर्देशक साकिब पंडोर के साथ इस वेब सीरीज में उन्हीं को कास्ट किया है। सीरीज में रितु और अनुज के बीच टीनएज रोमांस को दिखाया गया है, साथ ही दिखाया कैसे उनके लिए चीजें समय के साथ चुनौतीपूर्ण होती चली जाती हैं। वह कहती हैं कि पहला प्यार हमेशा बहुत खास होता है और यह हमारे साथ उन्हें फिर से जीने का समय है। गुप्त ज्ञान के लिए बेहद प्यार मिलने के बाद हम निर्देशक शाकिब पंडोर के साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जो हमारी शॉर्ट फिल्म को अपनी वेब सीरीज में बदल रहे हैं। गुटर गू रितु और अनुज की कहानी का एक नया चैप्टर है, जो सख्त माता-पिता, डेटिंग प्रोटोकॉल और मासूमियत और पहले प्यार के क्षणों को नेविगेट करते हुए किशोर संबंधों के कई उतार-चढ़ाव को दशार्ता है। वह आगे कहती हैं कि पहला प्यार की इस खूबसूरत कहानी से जुड़ने के लिए बहुत कुछ है और हम दर्शकों के लिए हमारे साथ युवा प्रेम की पुरानी यादों को फिर से जीने के लिए बेहद उत्साहित हैं। गुनीत मोंगा की सिख एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, गुटर गू में अक्षेषा ठाकुर और विशेष बंसल हैं। गुटर गू का प्रीमियर शो 5 अप्रैल को अमेजन मिनी टीवी पर होगा।

साल 2002 में रजनीकांत की फिल्म बाबा के फ्लॉप होने के बाद साउथ करियर हो गया खत्मः मनीषा कोइराला

मुंबई (ईएमएस)। कार्तिक आर्यन की फिल्म शहजादा में हाल ही में उनकी मां की भूमिका में अभिनेत्री मनीषा कोइराला नजर आईं। अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि साल 2002 में रजनीकांत की फिल्म बाबा के फ्लॉप होने के बाद साउथ इंडस्ट्री में उनका करियर खत्म हो गया। रजनीकांत अभिनीत यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म थी, जिसमें मनीषा कोइराला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म की कहानी एक ऐसे युवक की है, जो नास्तिक होता है और बाद में उसे पता चलता है कि वो एक हिमालयी संत का पुनर्जन्म है। आश्चर्य की बात है कि गत वर्ष 2022 में रजनीकांत के जन्मदिन के मौके पर इस फिल्म को फिर से तमिल में प्रदर्शित किया गया था, जहां इसने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के नए पायदान को छुआ था। बातचीत में मीडिया से मनीषा ने कहा कि बाबा शायद मेरी आखिरी बड़ी तमिल फिल्म थी। उस वक्त ये बहुत बुरी तरह फ्लॉप हुई थी, तो मुझे लगा कि साउथ फिल्मों में मेरा करियर पूरी तरह से खत्म हो गया और हुआ भी बिल्कुल ऐसा ही। अपने साक्षात्कार में मनीषा ने आगे कहा कि बाबा रिलीज होने से पहले मैं कई साउथ फिल्में कर रही थी, लेकिन बाबा की बॉक्स ऑफिस क्राइसिस के बाद मुझे फिल्मों के ऑफर कम आने लगे। धीरे-धीरे मुझे ऑफर्स आने बंद हो गए। जब बाबा बॉक्स ऑफिस पर दोबारा रिलीज की गई, तो वो हिट साबित हुई, क्योंकि ऐसा रजनी सर की फिल्में कभी फ्लॉप नहीं हो सकती हैं। वो अपने काम को लेकर हमेशा ही बेहद एक्टिव और प्रोफेशनल रहे हैं। ज्ञातव्य है कि बाबा को पिछले साल रजनीकांत के जन्मदिन के अवसर पर फिर से रिलीज किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छी कमाई की थी। रजनीकांत के लिए फिल्म बाबा बहुत महत्वपूर्ण थी, लेकिन शुरूआत में फिल्म उनके प्रशंसकों को प्रभावित करने में असफल रही थी। रजनीकांत न केवल बाबा के लीड एक्टर थे, बल्कि इसके निर्देशक और स्क्रीनप्ले राइटर भी थे।

इजराइल व यूएसए में भी चोर निकल के भागा का चला जादू

बॉलीवुड अदाकार यामी गौतम धर ने जताई खुशी

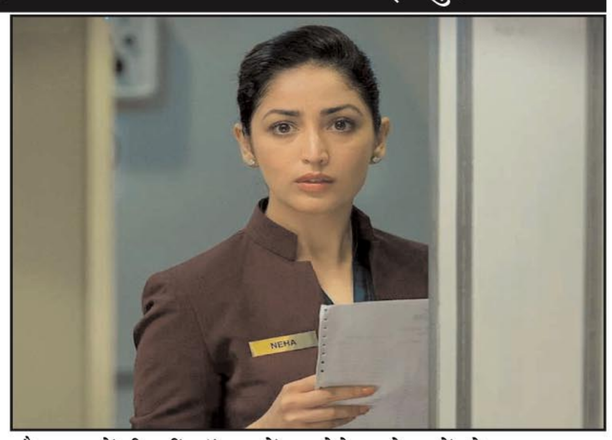

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अदाकार यामी गौतम धर ने अपनी बैक-टू-बैक हिट फिल्मों के साथ न सिर्फ दर्शकों को लुभाया बल्कि उनके दिलों पर राज भी करती हैं। ए थ्रसडे, दसवीं और लॉस्ट के बाद अब यामी अपनी हालिया रिलीज चोर निकल के भागा में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए तारीफे हासिल कर रही हैं। ये फिल्म देश से बाहर भी लोगों पर अपना जादू चला रही है और भारत और अमेरिका में टॉप पर ट्रेंड कर रही है। फैन्स ने यामी की तारीफ करते हुए पूरे सोशल मीडिया यूनिवर्स पर कमेंट्स की बाढ़ ला दी, वह वास्तव में सभी से मिल रही शानदार प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। चोर निकल के भागा को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया के बारे में अपना उत्साह साझा करते हुए यामी ने कहा कि चोर निकल के भागा और मेरे किरदार को मिली प्रतिक्रिया कम से कम कहने के लिए संतुष्टिदायक और विनम्र रही है। यह फिल्म सिर्फ भारत और यूएस में ही नहीं, टॉप पर ट्रेंड हो रही है, बल्कि इजराइल में भी नंबर-2 पोजीशन पर है, जो एक हिंदी फिल्म के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यामी ने आगे कहा कि मैं सोशल मीडिया पर जितना हो सके उतने संदेश और प्रतिक्रियाएं पढ़ने की कोशिश कर रही हूं, जो लोग फिल्म के लिए डाल रहे हैं और मैं लॉस्ट के बाद चोर के लिए लिखे गए ऐसे अच्छे शब्दों को पढ़कर वास्तव में बहुत खुश और प्रेरित महसूस कर रही हूं। और यह कि मैं न केवल उन्हें इन भूमिकाओं में सरप्राइज करने में सफल रही बल्कि उन्होंने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उसके साथ न्याय भी कर सकी। वहीं आने वाले समय में यामी नेक्स्ट प्रतीक गांधी के साथ धूम धाम और अक्षय कुमार के साथ ओएमजी 2 में दिखाई देंगी।

काइली जेनर की फोटो इंटरनेट पर मचा रही धमाल

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर ने अपनी कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब धमाल मचा रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में काइली जेनर बैकलेस ब्लैक ड्रेस में कहर ढाती नजर आ रही है। इस ड्रेस में उनका उनका कर्वी फिगर देखने को मिल रहा है। चेजिंग रूम में सेक्सी ड्रेस पहन काइली कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं। खुले बालों में वह अपने बैक फ्लॉन्ट करते हुए फैंस के दिलों पर प्रहार कर रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब देखी जा रही हैं। बता दें काइली सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 384 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

बता दें कि हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर अपने लुक्स को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। एक्ट्रेस अपने अलग-अलग लुक की तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ भी शेयर करती है।

भोला को मिल रहे हैं पॉजिटिव रिस्पॉन्स

बालीवुड एक्टर अजय देवगन की भोला को क्रिटिक्स और दर्शकों की तरफ से फिल्म को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहे हैं। फिल्म में तब्बू एक पुलिस ऑफिस के किरदार में नजर आ रही हैं, जहां उन्होंने भी हाई-एक्शन किया है। एक्ट्रेस को इस फिल्म के लिए 4 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं फिल्म में अजय देवगन की पत्नी का रोल निभा रही अमाला पॉल को 25 लाख फीस मिली है। तो वहीं दीपक डोबरियाल को करीब 65 लाख रुपये का अमाउंमट चार्ज किया है। वहीं संजय मिश्रा को 85 लाख रुपये फीस दी गई है और मकरंद देशपांडे ने 35 लाख और किरण कुमार ने 15 लाख रुपये फीस लिए हैं। मालूम हो कि सभी सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है, जो साउथ फिल्म कैथी का रीमेक है। फिल्म में अजय देवगन के अलावा तब्बू, संजय मिश्रा, दीपक डोबरियाल और श्रीधर दुबे ने भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म में विजुअल्स और एक्शन्स कमाल के हैं।

सुट्टा के सॉन्ग से काफी कुछ सीखने को मिला, म्यूजिक की नई शैली से हुए अवगतः जान कुमार शानू

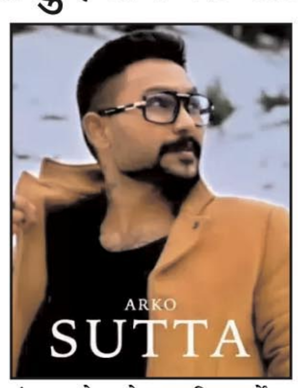

मुंबई (ईएमएस)। दिग्गज प्लेबैक सिंगर कुमार शानू के बेटे और प्लेबैक सिंगर जान कुमार शानू ने कहा है कि सुट्टा के सॉन्ग से काफी कुछ सीखने को मिला और म्यूजिक की नई शैली से अवगत हुए। जान कुमार शानू ने कंपोजर-सिंगर अर्को प्रावो मुखर्जी के साथ सुट्टा नामक ट्रैक के लिए कोलैबोरेट किया है। जान कुमार शानू ने कहा कि इस सॉन्ग से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है, क्योंकि इस गाने ने उन्हें म्यूजिक की एक पूरी नई शैली से अवगत कराया। सुट्टा एक पेप्पी पार्टी ट्रैक है। जान ने अर्को प्रावो मुखर्जी के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। ट्रैक एक आरएंडबी सिंगल है। सॉन्ग के रिलीजिंग को लेकर जान ने कहा कि मेरे मेरे अपकमिंग सॉन्ग का नाम सुट्टा है और यह एक ऐसा गाना है जो बहुत अलग है। यह उन चीजों से बहुत अलग है जो मैं आमतौर पर करता हूं। जान ने आगे कहा कि अर्को दा के साथ काम करने का अनुभव ईमानदारी से किसी सपने के सच होने से कम नहीं था, क्योंकि आर्को दा उन लोगों में से एक रहे हैं, जो बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। वे अद्भुत हैं और मैं उनके काम पर टिप्पणी करने के लिए बहुत छोटा हूं। मैं अर्को दा के गानों का बड़ा फैन हूं। गाने पर काम करने के दौरान अपने सीखने के अनुभव के बारे में बात करते हुए सिंगर ने कहा कि इस गाने के दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा, मैंने सीखा कि संगीत की एक पूरी शैली है जिसे मैं एक्सप्लोर करने के लिए यहां हूं और ईमानदारी से कहूं तो अर्को दा ही वह कारण है, जिससे मैंने यह कदम उठाया। इस अलग और हिप हॉप शैली में मैंने गाना गाया है। गाना रिकॉर्ड करते समय दादा से यह अद्भुत सीख मिली। उन्होंने कहा कि दादा ने मुझे बहुत सी चीजें सिखाईं जो मैं कर सकता हूं। जब आप अर्को दादा जैसे महान शख्यित से मार्गदर्शन पाते है, तो आत्मविश्वास बढ़ता है। वे मुझे टिप्स देते थे, वे मुझे सलाह हैं, जो मेरे व्यक्तित्व में निखार लाता था। यह एक शानदार अनुभव रहा। हमने इस वीडियो को कश्मीर में शूट किया और मुझे स्पष्ट रूप से याद है, क्योंकि यह मेरे जीवन की सबसे आश्चर्यजनक यात्राओं में से एक है।

अजय देवगन की आगामी फिल्म मैदान का टीजर जारी

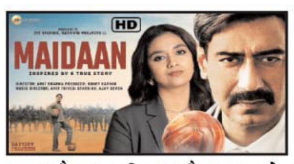

आगामी फिल्म मैदान का टीजर जारी किया गया। फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन ने प्रमुख भूमिका निभाई है। ट्रेलर 1952 के हेलसिंकी, फिनलैंड में आयोजित ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के मोनोक्रोम शॉट्स के साथ शुरू होता है और फुटबॉल में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कहानी बताता है। 1952 से 1962 के दशक को भारतीय फुटबॉल का स्वर्ण युग माना जाता है। यह फिल्म हैदराबाद के महान फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की सच्ची कहानी बताती है, जिन्होंने अपने सबसे शानदार दिनों में भारतीय टीम का नेतृत्व किया। यह फिल्म 23 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में प्रियामणि, गजराज राव और बंगाली अभिनेता रुद्रनील घोष भी हैं। अमित रविंद्रनाथ शर्मा द्वारा निर्देशित, जी स्टूडियो, बोनी कपूर, अरुणव जॉय सेनगुप्ता और आकाश चावला द्वारा निर्मित, फिल्म की पटकथा और संवाद क्रमशः साईविन क्वाड्रास और रितेश शाह द्वारा लिखे गए हैं, संगीत एआर रहमान का है।

शिल्पा शेट्टी के पति राज कोविड की चपेट में

हाल ही में फिर टीवी इंडस्ट्री से कोरोना का ताजा मामला सामने आया है। एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा कोविड 19 की चपेट में आ गए हैं। राज कुंद्रा के कोरोना पॉजिटिव होने की खबर की पुष्टि जाने-माने फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर की है। भयानी ने कैप्शन में लिखा, उनके पास बहुत से मास्क हैं, लेकिन क्या फायदा वापस कोविड का ठप्पा लग गया। राज कुंद्रा अपने प्यारे परिवार से दूर आइसोलेशन में हैं। जल्दी ठीक हो जाओ। बता दें, शिल्पा शेट्टी के पति को अक्सर आउटिंग के दौरान चेहरा कवर किए स्पॉट किया जाता है। एयरपोर्ट हो या नॉर्मल आउटिंग वह अपने चेहरे को मास्क से कवर किए नजर आते हैं। ऐसे में इतनी सेफ्टी रखने के बावजूद भी कोरोना पॉजिटव होने के चलते लोग उनके खूब मजे ले रहे हैं।

साउथ जोन की मूवी दसरा ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन ही कमाए 38 करोड़

-नानी की दसरा व देवगन की भोला में चल रही टक्कर

मुंबई (ईएमएस)। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार नानी ने हमेशा से ही नेचुरल एक्टिंग के जरिये लोगों का दिल जीतते आए हैं। उनकी दमदार अदाकारी और एक्शन करने के तरीके ने बड़े पर्दे पर उनकी एक अलग छवि बनाई है। कुछ ऐसा ही मैजिक उनकी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म दसरा में भी देखने को मिल रहा है। साउथ जोन से आई इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन ठिकठाक एमाउंट से खाता खोला। अभिनेता नानी की फिल्म दसरा एक ऐसे समय पर रिलीज हुई है, जब अजय देवगन की भोला भी बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को ला पाने में कामयाब रही है। दोनों ही फिल्मों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिल रही है। नानी तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री के बड़े स्टार हैं। पैन इंडिया लेवल पर रिलीज हुई इस फिल्म को पहले दिन उनकी फैन फॉलोइंग का बड़ा फायदा मिला। फिर दर्शकों का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जो लीड एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश को भी बड़े पर्दे पर देखना पसंद करता है। दसरा ने पहले दिन दुनियाभर में 38 करोड़ की कमाई की थी। वहीं, हिंदी बेल्ट में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 6.78 करोड़ के आसपास आकर सिमट गया। जबकि, कुल कलेक्शन 17 करोड़ था।

दोस्ती, प्यार और धोखे को दिखाती इस फिल्म ने दूसरे दिन 12 करोड़ का कलेक्शन (यह शुरूआती आंकड़े हैं) किया है। दसरा के आगे अगर भोला की कमाई देखें, तो पहले दिन हिंदी बेल्ट में 11.20 करोड़ कमाने के बाद फिल्म ने दूसरे दिन सात करोड़ का कारोबार किया। नानी को लीड रोल में लेते हुए बनी इस फिल्म में लव ट्राइएंगल दिखाया गया है। इसी प्यार के बीच दोस्ती और धोखे की अनोखी कड़ी भी है, जिसे परत दर परत फिल्म में खोला गया है। धरनी (नानी) और सूरी (दीक्षित शेट्टी) दोनों पक्के दोस्त हैं। यह दोनों वेनेला बनीं कीर्ति सुरेश से प्यार करते हैं। ऐसे में धरनी अपने दोस्त के लिए अपने प्यार को कुर्बान कर देता है। सब कुछ ठीक चल ही रहा होता है कि गांव में दो गुटों के बीच राजनीति होती है, और इस साजिश में तीनों की जिंदगी बदल जाती है।

एक बार फिर बोल्ड फोटोज की वजह से ट्रोल हुईं हिना खान

टीवी एक्ट्रेस हिना खान हमेशा ही चर्चा में रहती हैं। हिना को 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल से खास पहचान मिली थी। सीरियल के बाद हिना खान बिग बॉस के घर में नजर आईं। दिलचस्प बात यह है कि हिना खान सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहती हैं। हिना अक्सर अपने फैंस के लिए बोल्ड तस्वीरें शेयर करती नजर आती हैं। हालांकि हिना खान पिछले कुछ दिनों से नेटिजंस के निशाने पर हैं। हाल ही में हिना खान ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिससे नेटिजन्स उन्हें कड़ी टक्कर देते नजर आ रहे हैं। कुछ दिन पहले हिना खान रमजान शुरू होने से पहले मक्का पहुंची थीं। हिना खान ने हाल ही में अपनी जिंदगी का पहला उमरा किया। उन्होंने होटल से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। दिलचस्प बात यह है कि इन तस्वीरों में हिना खान हिजाब में नजर आ रही हैं। इस मौके पर हिना खान ने कई फोटोज भी शेयर कीं। अब हाल ही में शेयर की गई फोटो की वजह से हिना खान एक बार फिर ट्रोल हो रही हैं। हिना खान ने रैंप वॉक से कुछ बोल्ड फोटोज शेयर की हैं। इस फोटो के कारण उन्हें काफी ट्रोल किया जा रहा है। इस फोटो के चलते कई लोग सीधे तौर पर उनकी आलोचना करने लगे हैं और यूजर्स कहते नजर आ रहे हैं कि उन्हें शर्म आनी चाहिए।

सूडोकु नवताल- 6389

★★★✯☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6388 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7136

सा	द	गा	वि	ग	म	हे	श	भू	प	ति
दें	नि	ल	क	श्व	दों	अं	जु	जॉ	र्ज	ड़
क	स	या	ल	र्म	ना	स	या	दी	ख	क
ध	न	रा	ज	पि	ल्लै	थ	र	ल	श	गो
क	री	दो	ग	क	बा	र	आ	ग	झ	पी
जी	श्री	ना	थ	इ	इ	उ	द्वा	नं	घ	चं
ज	दा	ल	चुं	सं	चुं	म	र	कौ	द	द
क	ही	ग	र	मे	ग	क	फ	या	श	फु
क	द	र	प	न	भू	स	रा	औ	प	ले
क	र	ल	खा	व	टि	ना	चि	ओ	प	ला
क	क	ल	प	न	या	स	व्य	न	प	या

शब्द जाल में 10 खिलाड़ियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर एवं तिरछे भी हैं.

सानिया, अंजु जॉर्ज, धनराज पिल्लै, सचिन, बाइचुंग भूटिया, गोपीचंद फुलेला, विश्वनाथ आनंद, श्रीनाथ, जहीर खान, महेश भूपति.

शब्दजाल - 7135 का हल

त	स	आ	त्म	ली	न	षा	गु	बा	प	दे
क	अ	अ	त्म	त	अ	ला	र	न	द	जू
आ	स	आ	क	प्र	न	भि	द	नं	जू	व
जी	अ	चा	आ	र	ति	गु	आ	प	दे	न
व	अ	र्य	त	अ	ला	ष्ठा	न	श	म	क
न	आ	चा	र	वा	न	द	शा	च	व	त
वा	अ	सौ	र	जा	ला	गु	आ	प	दे	आ
ह	आ	मो	व	आ	वा	द	ह	यु	व	ग
क	जा	ह	व	प	गो	द	व	प	र	र
र	दी	ब्ब	फा	प	स	श	ह	वि	बा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	आ	गा	ह	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6089

3		1			2	
	36	6	32	2	27	1
5		7	4		6	
4	33		32		31	4
		3		5		2
7	34		29		39	
2		5	1		4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6088 का हल

5	3	1	4	6	7	2
4	25	2	32	2	36	7
1	5	4	6	7	2	3
6	31	3	42	5	33	6
3	2	7	6	4	5	1
7	37	5	35	3	30	5
2	5	6	3	1	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

पहले टी-20 में श्रीलंका की रोमांचक जीत: सुपर ओवर में न्यूजीलैंड को हराया, असलंका और परेरा का अर्धशतक

नई दिल्ली।

चरित असलंका की शानदार पारी के दम पर श्रीलंका ने न्यूजीलैंड पर रोमांचक जीत दर्ज की। उसने सांसे थाम देने वाले मुकाबले में न्यूजीलैंड को सुपर ओवर में हराया। श्रीलंका ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 196 रन बनाए। न्यूजीलैंड को आखिरी ओवर में 13 रन चाहिए थे। ईश सोढी श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर मैच को टाइब्रेकर में ले गए।

श्रीलंका के लिए असलंका और परेरा ने अर्धशतकीय पारी खेली - न्यूजीलैंड ने टॉस जीत कर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका टीम के लिए चरित असलंका ने 67 और नाबाद रहे कुशल परेरा ने 53 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए जेम्स नीशम ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि हेनरी शिप्ले, बेंजामिन लिस्टर और एडम मिल्ने ने 1-1 सफलता मिली।

न्यूजीलैंड के लिए मिचेल ने अर्धशतकीय पारी खेली - 196 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत खराब रही। टीम को पहला झटका एक रन के स्कोर पर लगा। टिम सीफर्ट शून्य पर आउट हो गए। न्यूजीलैंड टीम के लिए डेरिल मिचेल ने 66 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्रीलंका के लिए प्रमोद मदुशन वानिंदु हसरंगा डी सिल्वा और दासुन शनाका ने 2-2 विकेट लिए। जबकि दिलशान मदुशंका-महेश थीक्षाना को 1-1 सफलता मिली।

सुपर ओवर का रोमांच - न्यूजीलैंड की पारी (8 रन बने) सुपर ओवर में न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिचेल, जिम्मी नीशम और मार्क चैपमैन उतरे जबकि श्रीलंका के लिए महीश तीक्षणा के लिए उतरे। पहली गेंद - डेरिल मिशेल ने एक रन लिया।, दूसरी गेंद - नीशाम आउट हो गए।, तीसरी गेंद - डॉट, चौथी गेंद - चैपमैन ने दो रन लिए।, पांचवीं गेंद - चैपमैन ने चौका लगाया।, छठी गेंद - चैपमैन आउट हो गए।

श्रीलंका की पारी (12 रन बने) - श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस और चरित असालांका उतरे और गेंदबाज जिम्मी नीशम थे। पहली गेंद - मेंडिस एक रन बनाए।, दूसरी गेंद - असालांका ने छक्का लगा दिया।, तीसरी गेंद - असालांका ने चौका लगा दिया।

ये होता है सुपर ओवर - सुपर ओवर के दौरान दोनों टीमों को एक-एक ओवर फेंकने होते हैं। इसमें जो भी टीम ज्यादा रन बनाती है, मैच का नतीजा उसके हक में जाता है। हालांकि, सुपर ओवर में बनाए गए रन खिलाड़ी और टीम के करियर रिकॉर्ड में शामिल नहीं किए जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

पीवी सिंधु इस साल पहली बार किसी फाइनल में खेलेंगी, सिंगापुर की खिलाड़ी को दी शिकस्त

मैड्रिड। दो बार ओलंपिक पदक जीतने वालीं पीवी सिंधु मैड्रिड स्पेन मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गईं। उन्होंने सेमीफाइनल में सिंगापुर की येओ जिया मिन को सीधे गेमों में हराकर बाहर किया।

सिंधु इस साल पहली बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची हैं। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने इस मैच को 24-22, 22-20 से अपने नाम किया। सिंधु की मिन के खिलाफ यह चौथी जीत है। वह सिंगापुर की इस खिलाड़ी के खिलाफ अब तक नहीं हारी। सिंधु पहले गेम में एक समय 15-20 से पीछे चल रही थीं। उन्होंने इसके बाद वापसी की और सात गेम पॉइंट बचाए। सिंधु ने पहले गेम को 24-22 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी सिंधु 1-4 से शुरू में पीछे चल रही थीं। उसके बाद उन्होंने लगातार अंक हासिल किए और 11-6 से आगे हो गईं। विश्व की 33वें नंबर की खिलाड़ी मिन ने सिंधु को कड़ी टक्कर दी और मैच को अंत तक रोमांचक बनाए रखा। सिंधु ने दूसरे गेम को 22-20 से जीतने में सफल रहीं। पिछले साल राष्टमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद सिंधु का यह पहला फाइनल है। वह स्थानीय खिलाड़ी और शीर्ष वरीयता प्राप्त कैरोलिना मारिन और इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया तुनजुंग के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। इस जीत से सिंधु का मनोबल बढ़ेगा। वह चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद वापसी करने के बाद से फार्म के लिए संघर्ष कर रही हैं। सिंधु नवंबर 2016 के बाद पहली बार शीर्ष 10 से बाहर हैं। वह प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से पहले दौर में बाहर हो गई थीं। इसके अलावा इस महीने की शुरुआत में स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन खिताब का बचाव करने में विफल रहीं। वह जनवरी में इंडियन ओपन और मलेशिया ओपन के पहले दौर में बाहर हो गई थीं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सलीम दुर्रानी का निधनः 88 की उम्र में ली आखिरी सांस, भारतीय क्रिकेट टीम में खेलने वाले पहले अफगानी थे

जामनगर। भारत के पूर्व क्रिकेटर सलीम दुरानी ने 88 साल की उम्र में अपने जामनगर स्थित घर में अंतिम सांस ली, उनके परिवार ने इस बात की पुष्टि की। भारतीय टीम के ऑलराउंडर दुर्रानी ने भारत के लिए 29 टेस्ट खेले और 1202 बनाए और 75 विकेट लिए है। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दुर्रानी ने 170 मैच में 8545 रन और 484 विकेट है। सलीम दुर्रानी का जन्म 11 दिसंबर 1934 को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुआ था। बाद में दुर्रानी का परिवार कराची आकर बस गया था। भारत-पाकिस्तान बटवांरे के समय दुर्रानी का परिवार भारत आ कर बस गया था।

भिवानी में गोल्डन गर्ल का जोरदार स्वागतः नीतू घनघस ने बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड; शहर में विजय जुलूस निकाला

भिवानी। अपने दमदार मुक्कों की बदौलत देश को वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाने वाली गोल्डन गर्ल नीतू घनघस का भिवानी पहुंचे पर जोरदार स्वागत किया गया। शहर में विजय जुलूस निकाला गया।

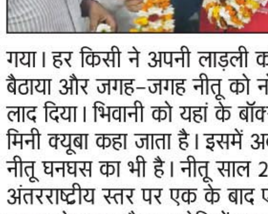

हर किसी ने अपनी लाड़ली को सिर आंखों पर बैठाया और जगह-जगह नीतू को नोटों की मालाओं से लाद दिया। भिवानी को यहां के बॉक्सरों की बदौलत मिनी क्यूबा कहा जाता है। इसमें अब एक नाम बॉक्सर नीतू घनघस का भी है। नीतू साल 2017 से अंतरराष्टीय स्तर पर एक के बाद एक गोल्ड मेडल लाकर देश का गौरव व बेटियों का मान बढ़ा रही है। बीते साल कॉमनवेल्थ में और अब हाल में वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में नीतू ने अपने दमदार मुक्कों की बदौलत देश की झोली में गोल्ड मेडल डाला है। नीतू ने इस कहावत को पूरा किया है, जिसके तहत कहा जाता है कि म्हारी बेटी, बेटों से कम नहीं। शहर में नीतू का जुलूस किसी नेता से कहीं बड़ा और शानदार रहा। रंग गुलाल उठा कर खिलाड़ी नाचते गाते खुशी मना रहे थे। भिवानी बॉक्सर क्लब में खुद सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह नीतू को सम्मानित करने पहुंचे और 11 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने नीतू, उनके कोच व परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों की बदौलत भिवानी का नाम दुनिया में चमका है।

राजस्थान ने हैदराबाद को 72 रन से हराया

बटलर, जायसवाल और सैमसन ने जमाए अर्धशतक, चहल ने चटकाए चार विकेट

हैदराबाद।

राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन में धमाकेदार आगाज किया है। टीम ने चौथे मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को उसी के घर में 72 रनों के बड़े अंतर से हराया। टीम ने 10वीं बार 200 या उससे ज्यादा के स्कोर को डिफेंड किया है। यह राजस्थान की हैदराबाद पर ओवरऑल 9वीं जीत है। दोनों टीमें 17 बार आमने-सामने हो चुकी हैं। हैदराबाद ने 8 मुकाबले ही जीते हैं। हैदराबाद के मैदान पर राजस्थान ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 203 रन बनाए। 204 रन के टारगेट को चेज करने उतरी हैदराबाद की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 131 रन ही बना सकी। आखिरी ओवर में अब्दुल समद ने आखिरी ओवर में 23 रन बनाते हुए जीत के अंतर को कम किया। उन्होंने नवदीप सैनी की बॉल पर दो चौके और दो छक्के जमाए।

राजस्थान की जीत के 2 बड़े कारण

बटलर, जायसवाल और सैमसन की फिफ्टी पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान का टॉप आर्डर सफलता रहा। टीम के टॉप-3 बल्लेबाजों ने अर्धशतक जमाए। पहले जोस बटलर ने 20 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया। उसके बाद यशस्वी जायसवाल ने फिफ्टी जमाई। इन दोनों के बाद कप्तान संजू सैमसन ने 28 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया। फिर मिडिल ऑर्डर पर हेटमायर ने 22 रन बनाकर टीम का स्कोर 200 पार पहुंचाया। चहल की कमाल गेंदबाजी

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने 204 का टारगेट चेज करने उतरी हैदराबाद की टीम को पहले ही ओवर में दो झटके दिए। उन्होंने अभिषेक शर्मा और राहुल त्रिपाठी को शून्य पर पवेलियन लौटाया। इससे हैदराबादी बल्लेबाज दबाव में आ गए। मयंक अग्रवाल ने पारी संभालने की असफल कोशिश की, लेकिन बाद में वे भी 23 रन बनाकर आउट हुए। बोल्ट के बाद होल्डर, अश्विन और युजवेंद्र चहल ने बाकी का काम कर दिया।

ऐसे गिरे हैदराबाद के विकेट...

पहला: पहले ओवर की तीसरी बॉल पर ट्रेंट बोल्ट ने अभिषेक शर्मा को बोल्ड कर दिया। दूसरा : पहले ओवर की 5वीं बॉल पर बोल्ट ने राहुल त्रिपाठी को जेसन होल्डर के हाथों कैच कराया। तीसरा : 7वें ओवर की आखिरी बॉल पर चहल ने हैरी ब्रुक को बोल्ड कर दिया। चौथा : नौवें ओवर की दूसरी बॉल पर जेसन होल्डर ने सुंदर को हेटमायर के हाथों कैच कराया। पांचवां : दसवें ओवर की तीसरी बॉल पर अश्विन ने लेन फिलिप्स को आसिफ के हाथों कैच कराया। छठा : 11वें ओवर की आखिरी बॉल पर चहल ने मयंक अग्रवाल को बटलर के हाथों कैच कराया। सातवां: 14वें ओवर की आखिरी बॉल पर चहल ने आदिल रसीद को सैमसन के हाथों स्टंपिंग कराया। आठवां : 18वें ओवर की 5वीं बॉल पर चहल ने भुवनेश्वर कुमार को बोल्ड कर दिया।

राजस्थान ने बनाए 203 रन - हैदराबाद के मैदान पर मेजबानों ने टॉस जीता और राजस्थान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 203 रन बनाए। टीम मौजूदा सीजन में 200 से अधिक का स्कोर बनाने वाली पहली टीम बनी है। टीम को इंग्लिश बल्लेबाज जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों ने 35 बॉल पर 85 रन बनाए। जायसवाल ने चौथा और बटलर ने 16वां अर्धशतक जमाया।

ऐसे गिरे राजस्थान के विकेट...

पहला: छठे ओवर की 5वीं बॉल पर फरूकी ने जोस बटलर को बोल्ड कर दिया। दूसरा : 13वें ओवर की तीसरी बॉल पर फरूकी ने यशस्वी जायसवाल को मयंक अग्रवाल के हाथों कैच कराया। तीसरा : 15वें ओवर की पहली बॉल पर उमरान मलिक ने देवदत्त पडिक्कल को बोल्ड कर दिया। चौथा : रियान पराज को टी नटराजन ने फरूकी के हाथों कैच कराया। पांचवां : टी नटराजन ने संजू सैमसन को अभिषेक शर्मा के हाथों कैच कराया।

बटलर-जायसवाल ने दिलाई विस्फोटक शुरुआत - इंग्लिश बल्लेबाज जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान की टीम को विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों ने 35 बॉल पर 85 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की। इस साझेदारी को फजल हक फरुकी ने तोड़ा। उन्होंने बटलर को बोल्ड किया।

बटलर को 16वां अर्धशतक - ओपनिंग करने आए जोस बटलर ने अपने करियर का 16वां अर्धशतक जमाया। उन्होंने 20 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। बटलर 22 बॉल पर 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 245.45 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। बटलर की पारी में 7 चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर, देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, आर अश्विन, केएम आसिफ, युजवेंद्र चहल, ट्रेंट बोल्ट।

सनराइजर्स हैदराबाद: भुवनेश्वर कुमार (कप्तान), मयंक अग्रवाल, अभिषेक शर्मा, हैरी ब्रूक, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, वॉशिंगटन सुंदर, उमरान मलिक, आदिल राशिद, टी नटराजन और फजल हक फारुकी।

महिला एथलीटों की नई पीढ़ी हिमा, दुती से जिम्मेदारी संभालने को तैयार

नई दिल्ली।

दिग्गज एथलीट पीटी ऊषा और अंजू बॉबी जार्ज लम्बे समय तक भारत में महिला एथलेटिक्स की ध्वजवाहक रही हैं और उन्होंने कई लड़कियों को एथलेटिक्स में आने के लिए प्रेरित किया है।

पीटी ऊषा ने 1980 के दशक में एशिया ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में अपना दबदबा बनाया था। उन्होंने कुल 23 पदक जीते थे जिसमें से 14 स्वर्ण थे। एथलीट के रूप में एक सफल करियर के बाद वह 2022 में 58 साल की उम्र में भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष चुनी गयीं। वह आईओए के 95 वर्षों के इतिहास में आईओए की पहली महिला अध्यक्ष बनीं और आईओए अध्यक्ष नियुक्त होने वाली पहली ओलम्पियन बनीं।

दूसरी तरफ भारत की विश्व चैंपियनशिप की पहली पदक विजेता अंजू बॉबी जार्ज ने देश के ट्रैक एंड फील्ड इतिहास में अपना विशेष स्थान बनाया है। उन्हें भारत में युवा लड़कियों को प्रेरित करने और खेल को अपनाने के लिए वर्ल्ड एथलेटिक्स द्वारा वुमैन ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया था।

ज्यादा पुरानी बात नहीं है, भारतीय प्रशंसक इन दो एथलीटों का नाम जानते थे जब उनसे भारत की सफल महिला एथलीटों के बारे में पूछा जाता था। लेकिन धीरे-धीरे चीजें बदली हैं और कई महिला एथलीट अपनी पहचान बना रही हैं।

ऊषा और अंजू के बाद हिमा दास ने भारत को सफलता दिलाई। 2018 आईएएएफ विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप, जो फिनलैंड में हुई थी, में हिमा ने अपना नाम खेल इतिहास में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट के रूप में दर्ज करा लिया था। उन्होंने उसके बाद भी अपनी सफलता जारी रखी।

एक अन्य महिला एथलीट दुती चंद, दो बार की ओलम्पियन और 100 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक, ने 2013 में आने के बाद से अपनी पहचान बनायी है। दुती ने 2019 में नेपल्स में विश्व युनिवरसियाड में 100 मीटर में स्वर्ण पदक जीता। ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय बनीं। जैसा आम तौर पर कहा जाता है कि सफलता को बनाये रखने के लिए बेंच पर पर्याप्त ताकत होनी चाहिए और भारत इस मामले में ज्यादा पीछे नहीं है। प्रियंका गोस्वामी, भावना जाट, अन्नू रानी और ज्योति येराजी महिला एथलेटिक्स में वर्तमान और भविष्य हैं। जूनियर्स में शैली सिंह (लम्बी कूद) और प्रिया मोहन (स्प्रिंट) ने हाल में अच्छा प्रदर्शन किया है।

विराट कोहली के नए टैटू का मतलब आर्टिस्ट ने बताया: कहा - विराट चाहते थे कि आध्यात्मिकता से जुड़ा हो टैटू, 18 घंटे में पूरा किया डिजाइन

नई दिल्ली।

भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग 2023 से पहले अपने हाथ पर एक नया टैटू बनवाया है। टैटू के साथ विराट के फोरो को आरसीबी ने अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया था। टैटू को लेकर फैंस उत्सुक थे और जानना चाहते थे कि इसका मतलब क्या है। विराट के टैटू बनाने वाले आर्टिस्ट सनी भानुशाली ने इसका मतलब बताया। उन्होंने कहा कि, कोहली ने मुझसे पिछले महीने संपर्क किया। वह अपने पुराने टैटू को नए से ढंकना चाहता था। वह चाहते थे कि नया टैटू अध्यात्म, और जीवन की संरचना को दर्शाता हो। बिजी शेड्यूल की वजह से दो सेशन में टैटू बनाना पड़ा। पहला सेशन मुंबई स्टूडियो में हुआ। जहां इसे बनाने में 6 घंटे लगे। वहीं, दूसरा सेशन बेंगलुरु में हुआ जहा इसे बनाने में 12 घंटे लगे। डिजाइन का हर एलिमेंट उसे आत्याधम से जोड़ता है। मेटाट्रॉन क्यूब एक पवित्र ज्योमेट्रिक सिंबल है। इसमें दुनिया की सभी आकर है। गोल, चौकोर, त्रिभुज इत्यादि। सेप्टागोन यानी जिस शेप की सातों भुजाएं समान है, यह परफेक्शन, सद्भाव और जीवन के संतुलन को दर्शाता है। ज्योमेट्रिक फूल जीवन के सभी चीजों के बीच के कनेक्शन को समझाता है। और क्यूबिक पैटर्न स्थिरता और संरचना का प्रतीक है। यह सभी एलिमेंट साथ में ब्रह्मांड की एकता और जुड़ाव की भावना सो दर्शाते है। यह बुमे बताते है कि हम सब इस ब्रह्मांड में किसी न किसी रूप में जुड़े हुए है।

विराट के आने पर स्टूडियो बंद करना पड़ा

भानुशाली ने बताया कि टैटू बनवाने वाले दिन, स्टूडियो पूरी तरह से बंद था और बाहर सिक्योरिटी गार्ड तैनात थे। जैसे-जैसे घंटे बीतते गए, विराट अपने टैटू को बनवाने की प्रक्रिया में पूरी तरह से डूब गए। उन्हें डिजाइन बहुत पसंद आया।

सालों से एक ही टैटू आर्टिस्ट

टैटू आर्टिस्ट सनी भानुशाली ने बताया कि कुछ साल पहले कोहली हमारे स्टूडियो आए और फोन दिखा कर कहा कि मैं आपको बहुत समय से फॉलो कर रहा हूं। आप अच्छे टैटू बनाते है।

आईपीएल में भोजपुरी कमेंट्री सुपरहिट: पैनल में कोई एक्टर तो कोई सिंगर, रवि किशन भी बॉक्स में

नई दिल्ली।

आईपीएल के 16वें सीजन का आगाज शुक्रवार को हो चुका है। इस सीजन ओटीटी के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स जियो सिनेमा के पास है और 12 भारतीय भाषाओं में कमेंट्री हो रही है। इसमें भोजपुरी भी शामिल है। अब सोशल मीडिया पर भोजपुरी कमेंट्री को लेकर यूजर्स उत्साहित नजर आ रहे है। भोजपुरी कमेंट्री में 10 लोगों के पैनल में रवि किशन के अलावा मोहम्मद सैफ, शिवम सिंह, सत्य प्रकाश, गुलाम हुसैन, सौरभ वर्मा, कुणाल आदित्य सिंह, विशाल आदित्य सिंह, स्नेह उपाध्याय और डिम्पल सिंह शामिल है। इसमें कोई एक्टर है तो कोई यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर है।

रवि किशन ने पहली बार की भोजपुरी कमेंट्री

रवि किशन भोजपुरी सिनेमा का फेस है। उन्हें तमाम भारत के लोग फॉलो करते है। कई हिंदी भाषी लोग भी उन्हें जानते है। ऐसे में रवि किशन जैसे मूवी स्टार के मुंह से क्रिकेट कमेंट्री सुनना लोग पसंद कर रहे है।

ज्यादातर हिंदी भाषी लोगो के लिए समझने में आसान

भोजपुरी भी हिंदी की तरह ही इंडो-आर्यन भाषा है। भोजपुरी और हिंदी में कई शब्द एक जैसे है। ज्यादातर इसमें बोली का फर्क है। इसलिए हिंदी भाषी लोग भोजपुरी को आसानी से समझ पाते है।

भोजपुरी का बॉलीवुड कनेक्शन

भोजपुरी भाषा से हिंदी भाषी लोग कनेक्ट करते है। इसमें सबसे बड़ा रोल बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री का है। बॉलीवुड ने1960 के बाद कई भोजपुरी किरदारों के साथ फिल्में बनाईं, जो पूरे उत्तर भारत में लोकप्रिय रहीं, बड़े-बड़े बॉलीवुड स्टार जैसे अमिताभ बच्चन, गोविंदा और अजय देवगन ने भोजपुरी भाषा का फिल्मों में यूज किया। इसे अक्सर लाइट और मजेदार रूप में दिखाया गया। इससे आम लोगों में भोजपुरी की लोकप्रियता बढ़ी और लोग इसे पसंद करने लगे।

क्रिकेट कमेंट्री में हिंदी पट्टी के लोगो के लिए एक नई भाषा

क्रिकेट कमेंट्री हिंदी बेल्ट यानी राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, झारखंड और बिहार के लोगों के लिए सिर्फ हिंदी और अंग्रेजी भाषा में ही थी। लेकिन इस बार भोजपुरी भाषा में भी इसे लाया गया है। इससे हिंदी बेल्ट की बड़ी आबादी को तीसरी भाषा में कमेंट्री सुनने में दिलचस्पी बढ़ रही है।

भोजपुरी कमेंट्री में अनौपचारिकता ज्यादा

भोजपुरी कमेंट्री में अनौपचारिकता ज्यादा है। भेजपुरी की स्लैंग भाषा यानी, ई का हो, मुंह फोड़बा का... से लेकर जिय जवान जिय.. लहि गईल-लहि गईल जैसे शब्दों को सुन फैंस के लिए यह मनोरंजक हो जाता है।

पहले डब्ल्यूपीएल खिताब के बाद हरमनप्रीत ट्राफियों से भरे भविष्य की ओर अग्रसर

नई दिल्ली।

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन सीजन से पहले, भारत और मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर मुंबई के साथ अपने संबंधों को लेकर काफी मुखर रही हैं।

प्री-सीजन प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा था, इस शहर के साथ मेरा एक खास रिश्ता है। मेरी पहली नौकरी मुंबई में थी और मैंने अपना पहला शतक मुंबई में लगाया था। इसी तरह, मैं उनके साथ पहला डब्ल्यूपीएल खिताब जीतना चाहती हूं।

मुंबई वह शहर था जहां हरमनप्रीत ने ओडीआई मंच पर खुद की घोषणा की थी जब उन्होंने 2013 महिला क्रिकेट विश्व कप मैच में इंग्लैंड के खिलाफ ब्रेबोर्न स्टेडियम में 109 गेंदों में नाबाद 107 रन बनाए थे, हालांकि भारत के 32 रन कम था।

ठीक 10 साल बाद, उसी स्थान पर, 26 मार्च को, हरमनप्रीत के चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान और गर्व था, जब वह फाइनल के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक शानदार डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी के साथ बैठी।

2017 के एकदिवसीय विश्व कप फाइनल, 2020 के टी20 विश्व कप के फाइनल, 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक के खेल में दिल टूटने के बाद, हरमनप्रीत ने आखिरकार ट्रॉफी अपने हाथ में ले ली, जिससे वह इतने लंबे समय तक दूर रही।

उन्होंने शुरूआत में कहा, यह एक सपने जैसा लगता है.आज मुझे पता है कि ट्रॉफी जीतना कैसा लगता है। दूसरे सर्वश्रेष्ठ कप्तान के रूप में नहीं, बल्कि एक बड़ी ट्रॉफी के साथ विजेता कप्तान के रूप में प्रेस को संबोधित करना हरमनप्रीत के लिए वास्तव में एक नया अनुभव था।

जब हरमनप्रीत ने डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी उठाई तो आतिशबाजी का जश्न शुरू हो गया। उन्होंने मुंबई टीम के युवाओं को जल्दी से ट्रॉफी सौंपने से पहले एक मुट्ठी पंप किया और टीम की ओर से एक चैंपियन प्लेकार्ड के साथ टीम समारोह में शामिल हुईं।

डब्ल्यूपीएल के दौरान एक लीडर के रूप में संक्षेप में यह हरमनप्रीत थी - प्रतियोगिता के दौरान मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करते हुए आगे से नेतृत्व करना। 2016 में घर में महिला टी20 विश्व कप प्रतियोगिता के नॉकआउट में पहुंचने में विफल रहने के बाद हरमनप्रीत भारत की टी20 कप्तान थीं।

वह 2018 में भारत को महिला एशिया कप के फाइनल में ले गयी। टी20 वर्ल्ड कप 2020, कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 और फरवरी 2023 में भी यही स्क्रिप्ट दोहराई गई, जब आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में उनके रन आउट ने भारत को फाइनल में एक शॉट से दूर कर दिया।

लेकिन डब्ल्यूपीएल के साथ-साथ टीम की नई साथी और नए कोचिंग स्टाफ का मतलब था कि हरमनप्रीत को यह देखने के लिए कुछ समय मिल गया कि डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी जीतने के महत्वपूर्ण तत्व कौन हो सकते हैं। हरमनप्रीत ने मुंबई को पांच जीत दिलाई, इससे पहले कि दो अविश्वसनीय बल्लेबाजी का पतन हुआ, फाइनल के लिए सीधा स्थान खत्म हो गया और उन्हें ट्रॉफी पर निशाना साधने के लिए एलिमिनेटर में यूपी वारियर्स को पछाड़ना पड़ा, जो उन्होंने अपनी शैली में किया।

उन्होंने आग कहा, जब हम मुंबई पहुंचे तो मैं काफी सकारात्मक थी। हर कोई केवल इस बारे में बात कर रहा था कि हमें क्या करना चाहिए और कैसे करना है। पूरी टीम बहुत सकारात्मक थी। हम केवल क्षणों को जीतने के बारे में बात कर रहे थे। हम ट्रॉफी जीतने के बारे में नहीं सोच रहे थे।

डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन विजेता के रूप में मुंबई इंडियंस के इतिहास में दर्ज होने के साथ, उम्मीद है कि हरमनप्रीत महिला क्रिकेट में अगले बड़े पुरस्कार की योजना बनाएंगी, भले ही वह नीले रंग की एक अलग छाया में हो और भारत के लिए ट्रॉफी से भरे भविष्य की शुरूआत को चिह्नित करे।

डिब्बाबंद खानों पर आंख मूंदकर न करें विश्वास

इस भागदौर भरी जिंदगी में लोगों को हर काम में जल्दी रहती है। कुछ लोग ऐसे भी होते है जो पैकेट में पीछे की ओर दी जाने वाली फाइन लाइन को नहीं पढ़ते, जहां चीज में मौजूद पोषक तत्वों के बारे में लिखा होता है। पैकेट में सामने की और लिखे फैट फ्री, जीरो कोलेस्ट्रॉल जैसे शब्द पढ़ते ही वस्तु की खरीदारी कर लेते हैं। परिणामस्वरूप लंबे समय तक लो फैट बिस्कुट और जीरो कोलेस्ट्रॉल वाली ब्राउन बैड खाकर भी उनके कोलेस्ट्रॉल लेवल और ट्रिग्लीसिराड लेवल में बदलाव नहीं होता। लो फैट और एनर्जी फूड का सेवन करके भी पूरे दिन थकावट महसूस होती रहती है।

जीरो कोलेस्ट्रॉल/कोलेस्ट्रॉल फ्री

हालांकि वनस्पति तेल में कोलेस्ट्रॉल नहीं होता, पर यह वसा ही है। आमतौर पर हम मक्खन का चुनाव करते हैं, क्योंकि इसमें सेचुरेटेड फैट कम होता है। वनस्पति तेल की एक चम्मच में 14 ग्राम वसा और सौ कैलोरी होती है, इतनी ही मात्र एक चम्मच मक्खन क्रीम से मिलती है। ऐसे में खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की आशंका बनी ही रहती है। यही कारण है कि कोलेस्ट्रॉल लेवल और वजन में अंतर देखने को नहीं मिलता। बेहतर होगा कि हम वनस्पति तेल के उपभोग की मात्र को सीमित करें। कोलेस्ट्रॉल फ्री खाद्य वस्तुओं में सैचुरेटेड वसा प्रतिशत जानें।

फैट फ्री/लो फैट

यदि किसी खाने के पैकेट पर लो फैट या फैट फ्री लिखा है तो वह खाना सेहत के लिए कितना अच्छा है, इससे जानने के लिए उसके न्यूट्रीशनल फैक्ट्स अवश्य पढ़ें। आमतौर पर इन खानों में प्राकृतिक वसा तो कम होती है, पर कम वसा के कारण स्वाद में आई कमी की क्षतिपूर्ति सोडियम, अधिक शुगर और थिकनर जैसे इमल्सीफायर मिलाने से कर दी जाती है, जिससे नुकसान की आशंका भी बनी रहती है। उदाहरण के लिए प्रोपीलीन ग्लाइकोल, एक कृत्रिम घोल है, जो खाद्य पदार्थो में इमल्सीफायर के तौर पर इस्तेमाल होता है, इसकी पहचान त्वचा और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचाने वाले टॉक्सिक के रूप में भी होती है। इसके अलावा, इस तरह के खानों से संतुष्टि नहीं मिलती, तो इन्हें खाने के बाद आपकी इच्छा और खाने की बढ़ जाती है। सब्जियों में पाए जाने वाले पोषक तत्व जैसे विटामिन ए, डी, ई आदि वसा में घुलनशील होते हैं यानी उन पोषक तत्वों को ग्रहण करने के लिए शरीर को कुछ वसा की जरूरत होती है, पर वसा से दूर रहने के कारण है कि शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। हर समय थकावट महसूस करते हैं और भूख लगती रहती है।

नो एडीटिव

यह लाइन कुछ खास जूस, ब्रेड और अनाजों पर देखने को मिलती है, पर किसी चीज में शुगर कई तरह से हो सकती है जैसे हाई फ्रक्टोस कॉर्न सिरप, शहद और लेक्टोस आदि। नो एडिटिव व नेचुरल आदि शब्द उलझन को बढ़ा देते हैं, इनके संबंध में नियम भी नहीं है। बेहतर होगा कि शुगर फ्री या नो शुगर आदि शब्दों पर गौर करें। यदि किसी चीज में एक समय के भोजन में 400 से अधिक कैलोरी मिल रही है तो चुनाव समझकर ही करें।

कब्र के नीचे परिवार सहित रहते हैं लोग

अमूमन आपने सुना व देखा हो कि इंसान के मरने के बाद उसे जला दिया जाता है या उसे दफना दिया जाता है। यह सब करने के बाद सब उसे भूल जाते हैं। अगर इंसान को दफनाया जाता है तो हम कभी कभार उसकी कब्र की देखभाल कर आते हैं। हर कोई यह समझता है है कि श्मशान घाट हो या कब्र। इंसान के मरने के बाद उसकी आत्मा भूत बनकर वहां पर उपस्थित रहती है और हर कोई वहां पर जाने से डरता है। लेकिन आपको बता दें कि मिस्त्र देश का एक शहर ऐसा है जहां पर लोग मरे हुए इंसान की इस तरह से कब्र बनवाते हैं कि कब्र की देखभाल करने के लिए वहां पर देखभाल करने वाला अपने परिवार के साथ रह सकें।

नींद की गोली खाते हैं तो हो जाएं सावधान

टैंशन और मानसिक तनाव को अपने से दूर रखने बहुत सारे लोग नींद की गोलियों का सेवन करते हैं। वहीं कुछ लोग सर्दी, फ्लू, बुखार एलर्जी और बढ़िया नींद लेने के लिए भी एंटी-कोलीनर्जिक युक्त गोलियों लेते है, शायद वह यह नहीं जानते कि इस तरह की दवाओं का सेवन करने से वह अपनी सेहत बिगाड़ रहे हैं। नींद की गोली हमारे दिमाग पर बुरा असर डालती है। यह बात हम नहीं बल्कि बहुत सारे शोधों में कहीं गई है।

बच्चों को हाथ धोना जरूर सिखाएं

आमतौर पर बच्चे हाथ धोने को लेकर ज्यादा संजीदा नहीं होते। न तो वे खाने से पहले हाथ धोना पसंद करते हैं और न ही बाथरूम के बाद ही उन्हें अपने हाथ अच्छी तरह से साफ करना पसंद होता है। खेलने के बाद सीधा खाने की मेज पर बैठ जाना तो बच्चों के मामले में आम बात है। लेकिन, ऐसा नहीं है कि बच्चे आपकी सुनते नहीं हैं, तो आप उन्हें कहना बंद कर दें। हाथ धोना कीटाणुओं से बचने का सबसे कारगर तरीका है। इससे आप रोगाणुओं को फैलने से रोक सकते हैं और साथ ही अपने बच्चों को कई संक्रमणों से बचा सकते हैं।

कीटाणुओं से बचने का पहला उपाय

बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता व्यस्कों के मुकाबले कमजोर होती है, इसलिए आपको चाहिए कि उनकी खास देखभाल करें। कीटाणु भी इस प्रकार से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं-

- गंदे हाथों से छूने।
- गंदे डायपर बदलते समय।
- दूषित पानी और भोजन के जरिए।
- छींक अथवा खांसी के समय आने वाली बूंदों से।
- दूषित सतहों से।
- बीमार व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थ के साथ संपर्क के माध्यम से।

जब बच्चे कीटाणुओं के संपर्क में आते हैं, तो वे जाने-अनजाने ही उससे संक्रमित हो जाते हैं। वे उन हाथों से कभी आंखों, कभी नाक और मुंह को छूते हैं। इससे कीटाणु उनके शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और वे बीमार पड़ जाते हैं। एक बार अगर बच्चा किसी संक्रमित रोग से ग्रस्त हो जाए, तो पूरे परिवार के रोग ग्रस्त होने की आशंका रहती है।

कीटाणुओं से बचने के लिए क्या करें

- भोजन से पहले हाथ जरूर धोएं।
- शौच के बाद भी हाथ धोना बहुत जरूरी है।
- घर की साफ सफाई के बाद हाथ अवश्य साफ करें।
- पालतू जानवरों से खेलने के बाद।
- किसी बीमार व्यक्ति से मिलकर आने के बाद।
- छींक या खांसी के बाद।
- खेलने या बागवानी के बाद।

हाथ धोना सुरक्षा की दीवार

अच्छी तरह से हाथ धोना कई बीमारियों से बचने की पहली रक्षा पंक्ति होती है। सिर्फ अच्छी तरह से हाथ धोने से ही आप सामान्य ठंड से लेकर, दिमागी बुखार, श्वासनलिकाशोथ, इन्फ्लूएंजा, हेपेटाइटिस ए, और संक्रामक दस्त तक से बच सकते हैं।

ऐसे धोएं अपने हाथ

बच्चों को अच्छी तरह हाथ धोने की आदत डालें। उन्हें अपने साथ खड़ा कर हाथ धोएं। हो सके तो दोनों साथ ही हाथ धोएं। इससे उन्हें हाथ धोने का सलीका तो मालूम चलेगा ही साथ ही साथ उन्हें इस बात का भी अंदाजा होगा कि आखिर हाथ धोना कितनी अच्छी आदत है।

गुनगुने पानी से धोएं हाथ

हाथ अगर गुनगुने पानी से धोए जाएं तो बेहतर। इससे अधिक संख्या में कीटाणु मरते हैं। इस बात का भी ध्यान रखें कि पानी अधिक गर्म न हो। अधिक गर्म पानी से बच्चों की त्वचा को नुकसान हो सकता है।

कितनी देर धोएं हाथ

साबुन से अच्छी तरह झाग बनाकर करीब 20 सेकेंड तक हाथ धोना सही रहता है। जरूरी नहीं कि आप एंटी बैक्टीरियल साबुन का ही इस्तेमाल करें। कोई भी साबुन कीटाणुओं को मारने में कारगर हो सकता है। इस बात का ध्यान रखें कि आपके बच्चे उंगलियों के बीच में और नाखूनों के आसपास भी अच्छी तरह से हाथ धोएं। और हां कलाई साफ करना न भूलें।

सुखाने के लिए तौलिया हो सही

हाथ धोने के बाद उसे तौलिये से पोंछ लें। इस बात का ध्यान रखें कि आपका बच्चा जिस तौलिये से हाथ साफ कर रहा है वह साफ और सूखा हो। गंदे तौलिये से हाथ साफ करने से बच्चे के हाथ पर दोबारा कीटाणु जमा हो सकते हैं। और ऐसे में उसका हाथ धोना बेकार जाएगा।

हाथ धोने की महता को नजरअंदाज न करें। हाथों की सफाई पर लगाए गए चंद सेकेंड आपके और आपके बच्चे को डॉक्टर के पास लगने वाले कई चक्करों से बचा सकते हैं।

आंखों के काले घेरे हटाने के लिए घर पर ऐसे बनाएं क्रीम

आखों के नीचे पड़ने वाले काले घेरे ना सिर्फ आपकी खूबसूरती को कम कर देते हैं बल्कि इसके अलावा वो आपको आपकी उम्र से ज्यादा दिखाने लगते हैं। आंखों के आसपास की त्वचा कहीं ज्यादा नाजुक होती है और चेहरे के अन्य भागों की अपेक्षा पतली भी, इसलिए इसे ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। आंख के पास काले घेरों के कई कारण हैं। यह अनुवांशिक भी हो सकता है या फिर थकावट आदि के कारण भी। इस लेख में हम आपको आंखों के काले घेरे से निपटने के लिए घर में बनने वाली अंडर आई क्रीम के बारे में बता रहे हैं।

अडंर आई क्रीम बनाने की विधि

दो सॉस पैन, दो ग्लास, चम्मच, थर्मोमीटर, हैंडहेल्ड मिक्सर, कोकोनट तेल, प्रिमरोज, विटामिन ई, लैवेंडर ऑयल आदि लें। घर में आखों के नीचे के काले घेरे मिटाने के लिए एक मध्यम आकार के सॉसपैन को लें और उसमें कोकोनट तेल, प्रिमरोड, विटामिन ई को थोड़ें से पानी के साथ गर्म करें। सारे तेल के आपस में अच्छी तरह मिल जाने के बाद आप उसमें लैवेंडर ऑयल को मिलाएं। ये मिक्सर ठंडा होने तक तरल ही रहेगा। अगर आपको इसे ज्यादा जल्दी चाहिए तो आप इसे फ्रिज में रख लों। जब ये मिक्सर गाढ़ा हो जाए को एक जार में भर कर रख लें। आप रात में इसका प्रयोग कर ना शुरू पर भी कर सकती है। इससे आपको पता चल जाएगा कि इन तेलों का आपकी त्वचा पर क्या प्रभाव पड़ता है।

काले घेरे दूर करने के उपाय

चाय की पत्ती को रातभर दूध में भिगोकर रखें। अब चाय की पत्ती को दूध में अच्छे से मिक्स करके डार्क सर्कल्स पर लगाएं। कुछ ही दिन में आपको फर्क महसूस होगा। आंखों के काले घेरों को हमेशा के लिए हटाने के लिए खीरे के पतले पतले स्लाइस काटकर आंखों पर लगभग 10 तक मिनट रखें। ऐसा करने से दिन भर की थकान दूर हो जाती है और कुछ ही दिन में डार्क सर्कल्स हमेशा के लिए गायब हो जाएगें। बादाम का तेल कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर होता है जो आंखों के आसपास की त्वचा को फायदा पहुंचाता है। बादाम के तेल के नियमित उपयोग से त्वचा का रंग हल्का पड़ जाता है, इसीलिए इसे आंखों के आसपास लगाने से डार्क सर्कल दूर हो जाते है। रात में इसे आंखों के नीचे थोड़ा सा लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। मसाज करने के बाद ऐसा ही छोड़ दें। सुबह उठने के बाद मुंह धो लें। यह ध्यान रखें कि आपके आंखों के नीचे की त्वचा से कोई भी सीधा संपर्क कोमल होना अत्यावश्यक है, क्योंकि यह आपके शरीर की सबसे नाजुक त्वचा में से एक है।

अनेक स्किल्स में माहिर होने की जरूरत

वॉटर मैनेजमेंट के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

जल इंसान की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है,लेकिन इतने विकास के बावजूद विश्व की एक बड़ी जनसंख्या आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित है। कृषि, औद्योगिक और घरेलू उपयोग के लिए पानी की उपलब्धता में पिछले कुछ दशकों में तेजी से बदलाव आए हैं और खेद की बात है कि स्थिति में कोई सुखद सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। यही कारण है कि जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में काफी काम किया जाने लगा है जिसके चलते वॉटर मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के अनेक अवसर सामने आ रहे हैं।

योग्यता...

चूंकि वॉटर मैनेजमेंट एक जटिल विषय है इसलिए इससे संबंधित कार्य करने के लिए अनेक स्किल्स में माहिर व्यक्ति की जरूरत होती है। फील्ड को-ऑर्डिनेटर और प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्य पाने के लिए मास्टर ऑफ सोशल वर्क की डिग्री काफी पसंद की जाती है। भू-जल और कृषि के क्षेत्र में शोध करने वाली कंपनियां जियोलॉजी, एग्रीकल्चरल साइंस, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी में मास्टर्स एवं पीएचडी डिग्री धारकों को काम पर रखती हैं। आजकल इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए पब्लिक पॉलिसी डिग्रियों का भी प्रचलन देखने को मिल रहा है। इसका कारण यह है कि अक्सर अनेक सीमाओं से गुजरने वाले जल यानि नदियों आदि को लेकर अनेक विवाद भी जन्म ले सकते हैं। ऐसे में पानी से संबंधित पब्लिक पॉलिसी पर भी जोर दिया जाने लगा है।

इंस्टीट्यूट वॉच...

- आईआरएमए आनंद इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद
- टीआईएसएस इंस्टीट्यूट, मुंबई
- क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया
- उपसला यूनिवर्सिटी, स्वीडन

पारिश्रमिक...

जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले फील्ड वर्कर या को-ऑर्डिनेटर प्रतिमाह 10 हजार रुपए या अधिक प्राप्त कर सकते हैं, जबकि प्रोजेक्ट मैनेजर 25 हजार रुपए तक कमा सकते हैं। किसी कंपनी में बतौर कंसल्टेंट कार्य करने वाले 35 हजार से 1 लाख रुपए प्रतिमाह तनख्वाह पाते हैं, जबकि स्वतंत्र रूप से कंसल्टेंसी चलाने वाले इससे कहीं अधिक आय प्राप्त करते हैं। इसके अलावा विभिन्न पदों पर कार्य करने वाले प्रोफेशनल भी पद और अनुभव के अनुसार काफी अच्छी आय हासिल कर सकते हैं। कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि वॉटर मैनेजमेंट में आप एक बेहतर भविष्य देख सकते हैं।

रेसिपी

पालक ढोकला

सामग्री

1 कप बेसन, 2 गुच्छा पालक, 1/4 कप दही (फेंटी हुई), 1 इंच पीस अदरक, 2-3 हरी मिर्च, 2 चम्मच तेल, 2 चम्मच नींबू का रस, 1 चम्मच शक्कर, नमक (स्वादअनुसार), 1 चम्मच ईनो, छौंकने की सामग्री, 1 चम्मच तेल, 1 चम्मच राई, 2 चम्मच तिल, 4-5 कड़ी पत्ती, 1/4 हींग

विधि

ढोकला बनाने के लिए सबसे पहले आप पालक को अच्छे से धो कर काट लें। अब इसे भाप में पका कर ठंडा कर लें और इसमें अदरक और हरी मिर्च पीस कर मिला दें। ध्यान में रखें कि यह प्यूरी लगभग 1 कप हो। इसके बाद एक बड़ा कटोरा लेकर उसमें बेसन, पालक की प्यूरी, दही और तेल मिलाएं। घोल को पतला करने के लिए इसमें पानी मिला दें। घोल ज्यादा पतला और गाढ़ा नहीं होना चाहिए। अब इसमें नमक, शक्कर और नींबू मिला कर 5-10 मिनट के लिए रख दें। बाद में इस घोल में ईनो मिला लें। उसके तुरंत बाद ही तेल लगे सांचे में घोल भरें। ढोकलों को स्टीमर में डाल कर 15-20 मिनट तक गैस की तेज आंच पर पकाएं। बाद मे गैस को बंद कर दें। स्टीमर से ढोकलों को निकाल कर 10 मिनट तक ठंड़ा होने के लिए रखें।

छौंक लगाने की विधि: एक पैन में हींग, राई, तिल और कड़ी पत्ती डालें और गैस पर रख कर तड़का तैयार कर लें। बाद में गैस को बंद कर दें। अब इसे ढोकलों के चारों ओर से ऊपर डालें और हरी चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

क्रिस्पी सोया चिली रेसिपी

सामग्री

100 ग्राम सोया चंक्स, 1 बड़ी शिमला मिर्च, 3 बड़े प्याज (मोटे कटे हुए), छोटी कटोरी हरे प्याज, 1 कटोरी ब्रोकली, 1 चम्मच अदरक-लहुसन की पेस्ट, 1 टेबलस्पून मक्की का आटा, 1 चम्मच सोया सॉस,1 विनेगर, 1 चम्मच टमैटो केचप, तेल आवश्यकतानुसार, नमक, मिर्च, हल्दी, हरी मिर्च स्वादानुसार

विधि

सोया चंक्स को 1 घंटे के लिए गर्म पानी में भिगोएं रखें फिर निचोड़ कर निकालें। अब उसमें नमक, मिर्च, हल्दी, अदरक लहुसन की पेस्ट, मक्की का आटा अच्छी तरह मिक्स करें और बाद में इन्हें डिप फ्राई कर लें। एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करें, उसमें लहसुन और प्याज मिलाकर ब्राउन होने तक भूनें। बाद में उसमें शिमला मिर्च, ब्रोकली और हरे प्याज डालें। 2 मिनट के बाद फ्राई सोया उसमें डालें। सारे मिश्रण को अच्छे से उल्टे-पल्टे। अब उसमें सोया सॉस, विनेगर, टैमटो केचप, नमक और हरी मिर्च डालें और अच्छी तरह से मिक्स करके एक मिनट तेज आंच पर पकाएं। फिर हरे धनिएं से रैसिपी को सजाकर सर्व करें।

प्रोस्टेट कैंसर को जानने की दिशा में नई पहल

वैज्ञानिकों ने एक शोध के जरिए यह पता लगाया है कि कुत्ते मूत्र के नमूनों को सूंघकर 90 प्रतिशत स्टीकता के साथ प्रोस्टेट कैंसर का पता लगा सकते हैं। इस शोध से यह उम्मीद जगी है कि इंसानों में कैंसर और संक्रामक बीमारियों की पहचान करने में कुत्तों की सूंघने की क्षमता काफी मददगार साबित हो सकती है।

रक्त परीक्षण के जरिए की जाती है बीमारी की पहचान

शोध के दौरान 2 जर्मन शैफर्ड कुत्तों को 900 पुरुषों का मूत्र सुंघाया गया, जिनमें से 360 लोगों को प्रोस्टेट कैंसर था, जबकि 540 लोगों को यह बीमारी नहीं थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक 90 प्रतिशत मामलों में दोनों कुत्तों ने बीमारी की पहचान कर ली। हालांकि मिलान के रिसर्च सेंटर और अन्य संस्थानों के शोधकर्ताओं ने यह भी स्वीकार किया कि प्रोस्टेट कैंसर की पहचान के लिए कुत्तों की सूंघने की क्षमता कितनी उपयोगी साबित हो सकती है, इस बारे में और रिसर्च किए जाने की जरूरत है। मौजूदा वक्त में इस बीमारी की पहचान रक्त परीक्षण के जरिए की जाती है जिसे पीएसए टेस्ट के तौर पर जाना जाता है। हालांकि यह प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने के लिए पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं माना जाता। इससे पहले किए गए शोधों में भी यह पाया गया था कि कुत्ते 93 प्रतिशत की स्टीकता के साथ प्रोस्टेट कैंसर का पता लगा सकते हैं।

मधुमेह से लड़ने में मदद करेगा मोबाइल एप

शोधकर्ताओं ने ऐसी मोबाइल एप तैयार की है जोकि मधुमेह से लड़ने में मदद करेगी। इस एप के जरिए लोग अपो खाने-पीने की आंदतों और कसरत आदि पर नजर रख पाएंगे। इस एप में मधुमेह से बचने के तरीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि आधुनिक जीवनशैली के कारण मौजूदा समय में मधुमेह का खतरा बढ़ता जा रहा है, ऐसे में यह एप इस बीमारी से बचाव में काफी मददगार साबित हो सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**